@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार 03 नवंबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 350 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शिक्षा का उद्देश्य सदाचार, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना: राष्ट्रपति

● पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में कुल 1454 विद्यार्थियों को दी उपाधि

एजेंसी

हरिद्वार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरिद्वार के पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इनमें 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। रविवार को आयोजित इस दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियां हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से चार गुना अधिक है। यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है, जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति ने

कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान संनिहित है। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे। समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राष्ट्रपति के देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। उत्तराखंड की ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने राष्ट्र, प्रदेश और समाज की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे तथा अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव-कल्याण के लिए करेंगे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राष्ट्रपति मुर्मु को दो पुस्तकें 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' एवं 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' भेंट कीं।

एनडीए सरकार ने सुशासन की स्थापना की : नरेंद्र मोदी

● बिहार में फिर एनडीए सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को मिलेंगे रोजगार, बिछेंगे उद्योगों के जाल : नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नवादा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अगर बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनती है तो एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेंगे ।उद्योग धंधों का जाल बिछाया जाएगा ।वे रविवार को नवादा के कुंती नगर के मैदान में आयोजित एक माहती जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर उपस्थित सभी एनडीए प्रत्याशियों को जीताने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल फिर से बिहार को जंगल राज की स्थिति में धकेलना चाहते हैं ।जिससे बिहारवासी सतर्क होकर एनडीए को वोट दें। उन्होंने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ श्री कृष्णा सिंह की

जन्मस्थली नवादा बताते हुए कहा कि आज बिहार उनके विकास को नहीं भूल सकता ।उन्होंने कहा कि कृषि एनडीए सरकार बनी तो बिहार में उद्योगों का जाल बिछाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक ऐतिहासिक कार्य किया है ।ऑपरेशन सिंदूर कर उन्होंने विरोधियों को घर में घुसकर मारा है । जिसका वादा हमने पहले भी किया था। मोदी पाल-पाल वादा निभाना जानता है। उन्होंने कहा कि विकसित बिहार के संकल्पों को पूरा करने के लिए एक जुट होकर एनडीए को वोट दें ।ताकि जंगल राज की स्थापना बिहार में नहीं हो सके ।उन्होंने कहां की जंगल राज के समय बिहार में नरसंहारों का दौर चल रहा था ।आम आदमी घर से निकलने में भी डरते थे। लेकिन एनडीए सरकार ने सुशासन की स्थापना की है ।

चेहरा और भेष बदलकर लौटना चाहता है जंगलराज : अमित शाह

● तेजस्वी का 10 लाख नौकरी का वादा छलावा, जंगलराज का डीएनए वही

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका है। एनडीए और महागठबंधन दोनों ही मोर्चों पर शब्दों की तलवारें तेज हो चुकी हैं। इस बीच केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेजस्वी यादव, नीतीश कुमार, प्रशांत किशोर से लेकर नक्सलवाद, पलायन और घुसपैठ जैसे मुद्दों पर एक न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में खुलकर अपनी बात रखी। शाह ने तीखे लहजे में कहा कि जंगलराज चेहरे और भेष बदलकर लौटना चाहता है। बिहार की जनता सावधान रहे, गलती से भी अगर महा-ठगबंधन की सरकार आई तो राज्य फिर से उसी अंधेरे में चला जाएगा।

गृह मंत्री ने एनडीए के अंदर नेतृत्व को लेकर चल रही अटकलों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और उन्हीं के नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ रहा है। इसमें कोई भ्रम नहीं है। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत मुख्यमंत्री का निर्णय विधायक दल

करता है, लेकिन एनडीए के भीतर कोई असमंजस नहीं है। शाह ने कहा कि कुछ लोग हर चुनाव में एकनाथ शिंदे खोजने लगते हैं, लेकिन बिहार में नीतीश जी का नेतृत्व अटूट है।

तेजस्वी का 10 लाख नौकरी का वादा छलावा, जंगलराज का डीएनए वही: तेजस्वी यादव के 10 लाख सरकारी नौकरियों के वादे को अमित शाह ने अव्यावहारिक बताया और कहा कि इतना करने के लिए बिहार का बजट चार गुना बढ़ाना पड़ेगा। 12 लाख 50 हजार करोड़ रुपये कहां से आएंगे? जनता को समझना चाहिए कि ऐसे वादे सिर्फ छलावा हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 10,000 रुपये देने का वादा वोट खरीदने की कोशिश नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का रोडमैप है। हमने 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा है, यह कोई चुनावी जुमला नहीं।

पुलिस ने काशीबुग्गा मंदिर में प्रवेश पर लगाई रोक

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में धार्मिक समारोह के दौरान नौ लोगों की मौत होने के एक दिन बाद रविवार को मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी। इस मंदिर में हुई दुर्घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए थे। कई श्रद्धालुओं को हड्डियां टूटने और सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। एकादशी के मौके पर भारी भीड़ के दबाव के चलते भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। हादसे पर पीएम मोदी समेत प्रमुख हस्तियों ने दुख व्यक्त किया था।

श्रीकाकुलम जिले के पुलिस अधीक्षक के.वी. महेश्वर रेड्डी ने बताया, हमने इस हादसे को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि नौ शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। गंभीर रूप से घायल दो लोग अब स्थिर अवस्था में हैं और अन्य को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

डिजिटल युग में पुस्तकालय ज्ञान के भरोसेमंद मार्गदर्शक : उपराष्ट्रपति

● राधाकृष्णन ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तकालय केवल किताबों का भंडार नहीं, बल्कि वे ज्ञान, चिंतन और सशक्तिकरण के मंदिर हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने केरल में संगठित पुस्तकालय आंदोलन के 80 वर्ष पूरे होने पर त्रिवेंद्रम के कनकक्कुन्नू पैलेस में पीएन पनिक्कर फाउंडेशन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'लाइब्रेरीज एम्पावरिंग कम्युनिटीज-ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स' को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि इस फाउंडेशन ने पढ़ने की संस्कृति, डिजिटल साक्षरता और ज्ञान के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। फाउंडेशन का नारा 'वायिचु वलरुका' (पढ़ो और आगे बढ़ो) आज भी समाज को ज्ञान और समावेशन की दिशा में प्रेरित करता है। राधाकृष्णन ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है। आदि शंकराचार्य ने देशभर की यात्रा कर समाज में आध्यात्मिक चेतना और एकता का संदेश दिया था।

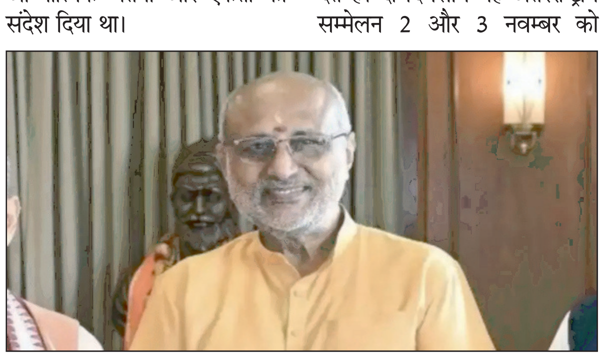

भारत के अनेक ऋषि-मुनियों और विचारकों ने अपनी करुणा, विवेक और दूरदर्शिता से इस सभ्यता को समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में जहां सूचनाओं की भरमार है, वहीं पुस्तकालय सच्चे और भरोसेमंद ज्ञान के केंद्र बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक जानकारी तक तुरंत पहुंच देती है, लेकिन पुस्तकालय गहराई, चिंतन और सार्थक संवाद को बढ़ावा देते हैं। दो दिवसीय यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2 और 3 नवम्बर को आयोजित किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और डिजिटल नवाचारकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में पुस्तकालयों की बदलती भूमिका, डिजिटल पहुंच और सामुदायिक भागीदारी पर चर्चा की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एशियन यूथ गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर खिलाड़ियों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस साल एशियन यूथ गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले भारतीय युवा खिलाड़ियों को बधाई दी है। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 48 पदक अपने नाम किए।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारे युवा एथलीट्स ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में इतिहास रच दिया है। अब

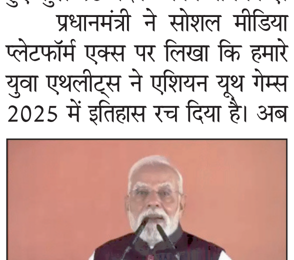

तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 48 पदक जीते हैं। पूरी टीम को बधाई। उनके जुनून, समर्पण और मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिला है। आने वाले प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की युवा शक्ति के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक है।

बिहार चुनाव में हिंसा बर्दाश्त नहीं, अब देशभर के 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का होगा शुद्धीकरण: मुख्य चुनाव आयुक्त

● आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शामिल हुए मुख्य चुनाव आयुक्तमुख्य चुनाव आयुक्त माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में भी हुए शामिल

एजेंसी

कानपुर। आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में रविवार को शामिल होने पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में हिंसा करने वालों पर नकेल कसी जा रही है। किसी भी व्यक्ति या दल को हिंसा या अराजकता नहीं करने दी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था अधिक सख्त की जा रही है और मतदाता निर्भय होकर मतदान करें। अब देशभर में एसआईआर चलेगा। बिहार चुनाव में हिंसा से जुड़े पत्रकारों के सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न विपक्ष सब समान हैं। हिंसा की कोई भी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, दूसरे चरण का 11 नवंबर

को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने 243 रिटर्निंग ऑफिसर, पर्यवेक्षक, जिलाधिकारी और पुलिस कप्तानों की टीम को पूरी तरह से तैयार किया है। उन्होंने बताया बिहार के बाद अब देशभर में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण (एसआईआर) होगा। इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। यह कार्य वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बनेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि वे बिहार चुनाव की व्यस्तता के कारण कानपुर आने की योजना छोड़ चुके थे, लेकिन अपनी माता की इच्छा का सम्मान करते हुए कानपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आईआईटी वालों ने भी उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन मां की आज्ञा का पालन करने के लिए मैं यहां आया हूं। आईआईटी कानपुर में बिताए चार वर्ष उनके जीवन के सबसे ऊर्जावान साल रहे। आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शिरकत करने से पहले उन्होंने आर्यनगर स्थित टीएसएच स्पोर्ट्स हब में आयोजित माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रमों में उन्होंने आईआईटी के छात्र जीवन, कानपुर से जुड़ाव और चुनाव आयोग के अनुभवों को साझा किया।

पंकज त्रिपाठी की मां का निधन, 89 की उम्र में ली आखिरी सांस

पटना। वरिष्ठ अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मां श्रीमती हेमवंती देवी का बिहार के गोपालगंज के बेलसंड में उनके घर पर निधन हो गया। वह 89 साल की थीं। वह कुछ समय से बीमार थीं। पंकज अपनी मां के साथ उनके अंतिम समय में थे।

परिवार का बयान

त्रिपाठी परिवार ने एक बयान में कहा, 'हमें बहुत दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि श्रीमती हेमवंती देवी का निधन हो गया है। वह 89 वर्ष की थीं और कुछ समय से अस्वस्थ थीं। उन्होंने अपने परिवार के बीच, नींद में शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। पंकज त्रिपाठी उनके साथ थे।' परिवार ने इस दुख की घड़ी में निजता बनाए रखने की अपील की है और सभी से अनुरोध किया है कि वे श्रीमती हेमवंती देवी को अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें।

मेरी लड़ाई गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई ,पलायन, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों से है : तेजस्वी

● 'एक मौका तेजस्वी को और 20 महीने चाहिए'।

एजेंसी

मोकामा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव रविवार को मोकामा में थे। यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी लड़ाई गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों से है। तेजस्वी यादव ने मोकामा की जनता से राजद उम्मीदवार के पक्ष में वोट करने की अपील की। तेजस्वी यादव ने कहा कि मोकामा में आयोजित इस जनसभा में आए लोगों की भीड़ का

उत्साह और जुनून बता रहा है कि सरकार बदलने वाली है, बिहार बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि एनडीए को 20 साल मिले, वे जो 20 साल में नहीं कर पाए, हम उसे 20 महीने में कर देंगे। मेरी लड़ाई गरीबी, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ है। इसलिए जनता से तेजस्वी सिर्फ 20 महीने मांग रहा है। उन्होंने कहा कि एक मौका तेजस्वी को और 20 महीने चाहिए। पहले जो कहा, वो किया, अब जो कह रहे हैं, वो करेंगे। 17 महीने में पांच लाख नौकरियां दीं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते थे, 'पैसा कहां से लाएगा, नौकरी कहां से देगा' हमने दिखा दिया। मेरी उम्र कच्ची हो सकती है, जुबान पक्की ही है। तेजस्वी ने कहा कि बिहार को आगे ले जाने के लिए आप सभी का साथ जरूरी है। इस बार हम सभी मिलकर नया बिहार बनाना चाहते हैं, जहां हर किसी को रोजगार मिले, शिक्षा का स्तर ऊंचा हो, किसानों की आय दोगुनी हो, ऐसी सरकार हम बनाएंगे।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि मैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह को बताना चाहता हूं कि मैं डरा हुआ नहीं हूं। मैं एक बिहारी लड़का हूं और 'एक बिहारी, सब पर भारी' है। आपको यह हमेशा याद रखना चाहिए। मैं लालू यादव का बेटा हूं, मैं डरा हुआ नहीं हूं। मैं कभी भी पीएम मोदी और अमित शाह से नहीं डर सकता हूं।

बिहार के लोग दुनिया भर में आगे हैं, लेकिन यहां पिछड़े हैं: राहुल गांधी

एजेंसी

बेगूसराय। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रविवार को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में एक बार फिर उतरे। इस दौरान उन्होंने बिहार के बेगूसराय में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्र और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग दुनिया भर में आगे हैं लेकिन यहां पिछड़े हुए हैं। यहां की सरकार नहीं चाहती है कि बिहार के लोग आगे बढ़ें। वे यहां के लोगों की मदद नहीं करते। वे चाहते हैं कि यहां के लोग मजदूरी करते रहें। उन्होंने कहा कि दुबई जैसा शहर बिहार के लोगों ने बनाया है, लेकिन वे यहां कुछ नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार आएगी तो यहां बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था की जाएगी। हम ऐसा विश्वविद्यालय खोलेंगे जहां दुनिया के लोग पढ़ने आएंगे। यहां के लोग दुनिया में मेहनत कर उसे बनाते हैं। ? उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए आगे कहा कि यहां जो महागठबंधन की सरकार बनने वाली है वह हर धर्म, हर जाति की सरकार होगी। इसमें हर वर्ग के लिए जगह होगी और सभी का सम्मान होगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हमने

अतिपिछड़ा वर्ग के लिए एक 'स्पेशल मेनिफेस्टो' बनाया है, जिसे हम लागू करेंगे। हम सबको लेकर आगे बढ़ेंगे। किसी को यह सरकार पीछे नहीं छोड़ेगी। हमारी प्राथमिकता छोटे व्यापारी होंगे। ? उन्होंने केंद्र सरकार पर गलत जीएसटी लागू करने और नोटबंदी करने को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि इससे छोटा व्यापार बंद हो गया। हमारी सोच है कि यहां छोटे-छोटे व्यापार शुरू हों और लोगों को रोजगार मिल सके।

बिहार का भविष्य बदलने के लिए सरकार बदलना जरूरी: सचिन पायलट

एजेंसी

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट ने रविवार को कई सीटों पर महागठबंधन के फ्रेंडली फाइट को लेकर कहा कि कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है। यह एक पार्टी की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि फ्रेंडली फाइट में कोई दुश्मन नहीं होता है। कोई भी जीते पर साथ रहेंगे। पटना में मीडिया से बातचीत में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि डबल इंजन की सरकार फेल है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को बिहार दौरे को लेकर कहा कि इससे पहले वे बिहार आए हैं, उनमें से कितने वादे पूरे हुए हैं? उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार में सबसे ज्यादा पलायन होता है और सबसे ज्यादा शिक्षित बेरोजगार हैं। लोगों के भविष्य को बदलने के लिए यह सरकार बदलना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भले ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, लेकिन दिल्ली के दबाव में वे कैसे सरकार चला रहे हैं, यह हम सब देख रहे हैं। उम्मीद नहीं थी कि वे सत्ता के लालच में इतने लाचार हो जाएंगे। ये सच है कि उनके लिए कुर्सी का मोह और सत्ता का लालच बिहार के लोगों से ऊपर है। सचिन पायलट ने कहा कि आज बिहार में जो बदलाव का माहौल है, वह चरम सीमा पर पहुंच गया है। बिहार के

लोग अब बदलाव चाहते हैं। वे केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, व्यवस्था परिवर्तन चाहते हैं। जिस प्रकार का शासन बिहार में है, वह असफल हो गया है। भाजपा और जदयू पुराने आश्वासनों को भूलकर नए वादे कर वोट बटोरने की कोशिश कर रही हैं। वह पूरी तरह नाकाम रहेगी।

नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर खाई में गिरा... दो की मौत, 16 गंभीर रूप से घायल

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड के नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर 50 फीट गहरी खाई में गिर गया, इससे दो लोगों की मौत हो गई और 16 गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, ड्राइवर सहित 18 टूरिस्टों का दल बाबा नीब करौरी के कैंची धाम में दर्शन के बाद दिल्ली लौट रहा था। टेम्पो ट्रैवलर में एक ही परिवार के लोग सवार थे। वाहन ज्योलीकोट के मटियाली बैंड के पास पहुंचा, तब अचानक ड्राइवर का नियंत्रण वाहन से हट गया। वाहन करीब 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। घायलों के मुताबिक, टेंपो ट्रैवल का ड्राइवर नशे में था और उस गाड़ी चलाने से रोका भी था। लेकिन वह नहीं माना और गाड़ी भगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने पर गौरव बंसल (26) और सोनू कुमार (32), निवासी दिल्ली, को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य 16 लोग, जिसमें कई महिलाएं व बच्चे शामिल हैं, घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में अंशिका (21), सोनिया (32), सुशांत (8), दिशा (5), निकिता (20), श्वेता (25), पूर्वा (8 महीने), यशी (2), अजय (34), अनु, शिल्पी (28), हेमंत, श्रुति (28), वंश, विजय (30) निवासी बदरपुर, नई दिल्ली शामिल है।

नाबालिग छात्रा ने स्कूल बस चालक से की शादी, फिर दोनों ने खाया जहर

गोरखपुर (एजेंसी)। जिले के गुलरिहा क्षेत्र में 11वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने अपने स्कूल के बस चालक से मंदिर में शादी कर ली, जिसके बाद पकड़े जाने के डर से दोनों ने ही जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय चालक अभिषेक शर्मा उर्फ हैप्पी और छात्रा ने कीटनाशक खा लिया और अपनी कलाई काट ली थी। दोनों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां अभिषेक की हालत गंभीर बताई जा रही है जबकि लड़की खतरे से बाहर है। पुलिस ने बताया कि जहर खाने से पहले दोनों ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें कहा कि हम साथ नहीं रह सकते लेकिन साथ मरने से कोई नहीं रोक सकता। वीडियो अभिषेक के रिश्तेदारों को भेजा गया था, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। गुलरिहा थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक किसी परिवार ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस लड़की की उम्र का सत्यापन कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई इसी के बाद की जाएगी।

बेंगलुरु में बेकाबू एंबुलेंस की चपेट में आने से दंपति की मौत, कई घायल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गत रात एक तेज रफ्तार एंबुलेंस बेकाबू हो गई और उसने कई वाहनों को रौंद दिया, जिससे एक दंपति की मौके पर ही मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हादसा रिचमंड सर्किल के पास शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एंबुलेंस तेज रफ्तार में पीछे से आ रही थी और अचानक बेकाबू होकर तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारते हुए पुलिस बूथ से जा टकराई। इसी दौरान एक स्कूटर पर सवार कपल इसकी चपेट में आ गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय इस्माइल और उनकी पत्नी सामीन बानो के रूप में हुई है। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें एंबुलेंस कई वाहनों को घसीटते हुए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। पलटने के बाद लोगों ने नीचे फंसी गाड़ियों को निकालने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि एंबुलेंस के बेकाबू होने के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में ब्रेक फेल या चालक द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने की संभावना जताई गई है।

एसआईआर के डर से एक और व्यक्ति की मौत का टीएमसी ने किया दावा

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा इसका जोरदार विरोध किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि पूर्वी बर्धमान जिले के जमालपुर के रहने वाले एक श्रमिक विमल संतरा की मौत इस डर से हुई कि 2002 की मतदाता सूची में नाम न होने के कारण उसे गैर–नागरिक घोषित कर दिया जाएगा। टीएमसी ने मजदूर की मौत के लिए भाजपा की डर और नफरत की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया और पहले भी इसतरह के तीन अन्य आत्महत्याओं के लिए भाजपा पर निशाना साधा था। बात दें कि निर्वाचन आयोग 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (जिसमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है) में एसआईआर का दूसरा चरण 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक आयोजित करेगा। इसके बाद आयोग की ओर से मसौदा मतदाता सूची 9 दिसंबर को जारी होगी। वहीं अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी को प्रकाशित होगी। वहीं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मंगलवार को कोलकाता में विशाल मार्च का नेतृत्व करेंगी। इस रैली में उनके भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल होने वाले है। मंगलवार को ये रैली बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के पास से शुरू होकर जोरासांको में रवींद्रनाथ टैगोर के निवास के पास समाप्त होगा। टीएमसी ने एसआईआर को खामोशी से की जाने वाली धांधली बताया है और सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करने के लिए सब कुछ झोंक देने का संकल्प लिया है।

दिल्ली से कैंची धाम दर्शन कर लौट रहे पर्यटकों की ट्रेवलर 60 फिट गहरी खाई में गिरी 16 घायल

देहरादून (एजेंसी)। नैनीताल के निकट शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। दिल्ली से कैंची धाम दर्शन कर लौट रहा पर्यटकों से भरा टेम्पो ट्रैवलर ज्योलिकोट के दोगांव इलाके में मटियाली बैंड के पास अचानक अनियंत्रित होकर 60 फुट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक सहित कुल 16 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस और स्थानीय लोगों की त्वरित मदद से सभी घायलों को सकुशल निकालकर हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के बदरपुर इलाके से पर्यटकों का यह दल शनिवार सुबह बाबा नीब करोरी के प्रसिद्ध कैंची धाम मंदिर दर्शन के लिए निकला था। दर्शन पूरा कर रात में दिल्ली लौटते समय यह हादसा हुआ। रात का अंधेरा और पहाड़ी रास्ते की चुनौतियां हादसे को और भयावह बना रही थीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिद्वार (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन की विविध वनस्पतियों पर आधारित दो पुस्तकें 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' एवं 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' की प्रतिलिपियाँ भी भेंट कीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन-निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापकों और अभिभावकों का भी विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियाँ हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान जैसी विशेषताएँ निहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर आधारित जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल आत्म-विकास बल्कि राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। गंगा तट पर स्थित हरिद्वार की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ये पवित्र स्थल ज्ञान और अध्यात्म का संगम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। इस पवित्र धरती से प्रचलित योग और आयुर्वेद की परंपरा ने न केवल भारत को, बल्कि समूचे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सद्भाव का संदेश दिया है। उत्तराखंड की यह ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि वे दीक्षांत समारोह के पश्चात आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने राष्ट्र, प्रदेश और समाज की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे तथा अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव-कल्याण के लिए करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने जो ज्ञान अर्जित किया, वह केवल हमारे लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण के लिए था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को स्वीकृति दिलाकर योग के विज्ञान पर किए गए हजारों वर्षों के कार्य को वैश्विक मंच प्रदान किया।

सीएम ममता बनर्जी ने अभिनेता शाहरुख खान को दी 60वें जन्मदिन की बधाई

कोलकाता (एजेंसी)। किंग ऑफ रोमांस कहे जाने वाले फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना भाई मानती हैं। उन्होंने उनके 60वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए एक्स पर लिखा शाहरुख मेरे भाई जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आप अपनी अद्भुत प्रतिभा और करिश्मा से भारतीय सिनेमा को यूं ही समृद्ध करते रहें'। बॉलीवुड के बादशाह, किंग ऑफ रोमांस शाहरुख खान आज 2 नवंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ग्लोबल स्टार शाहरुख के बर्थडे के मौके पर देश और दुनिया से उनके फैंस उन पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। आज सुबह से सोशल मीडिया पर शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई देने वालों का तांता लगा है। इस खास मौके पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी किंग ऑफ रोमांस को जन्मदिन की बधाई दी है। किंग खान आईपीएल में कोलकाता की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं जिसकी वजह से उनका पश्चिम बंगाल और कोलकाता आना-जाना लगा रहता है। कोलकाता टीम के मालिक के तौर पर शाहरुख राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। वो एक्टर को अपना मुंह बोला भाई मानती हैं। ये पहला मौका नहीं है जब ममता ने शाहरुख के लिए कोई खास मेसेज शेयर किया है। कुछ समय पहले जब खबर आई थी कि शाहरुख खान अपनी फिल्म किंग की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं और उन्हें डॉक्टर्स ने आराम करने की सलाह दी है। तो भी ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किंग खान की सलामती की दुआ मांगी थी। अब अगर शाहरुख खान की बात करें तो आज अपना 60वां बर्थडे मना रहे एक्टर जल्द ही किंग में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो पहली बार अपनी बेटी सुहाना के साथ नजर आएंगे। किंग सुहाना की पहली फिल्म है जिससे वो सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करने जा रही हैं।

देश के अंदर तूफान मोन्था का असर खत्म... अब शुरु होगा कड़कड़ाती ठंड का दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर तूफान मोन्था का प्रभाव करीब समाप्त हो गया है, और अब इसके मार्ग में आने वाले राज्यों में बारिश नहीं होगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान गिरेगा, जिससे ठंड बढ़ेगी। इतना ही नहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में अभी भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। जहां 4 और 5 नवंबर को हिमाचल में बर्फबारी के आसार हैं। 3 नवंबर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा। वहीं अरब सागर में बना डिप्रेशन सिस्टम कमजोर हो गया है। 3 नवंबर से फिर बारिश का दौर शुरू होगा क्योंकि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा।

मौसम विभाग के मुताबिक 3-4 नवंबर को जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर संभाग के जिलों में मौसम बदलेगा। 3 नवंबर को 17 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं दिल्ली में प्रदूषण गंभीर राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण गंभीर है। रविवार को एम्स और आसपास के इलाकों में एक्यूआई लेवल 420 तक पहुंच गया (जो 400 पार है)। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के कारण बीएस-3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। अब केवल बीएस-4 व बीएस-6 मानक के कमर्शियल मालवाहक, सीएनजी, एलएनजी और ईवी वाहनें ही प्रवेश कर सकते है। वहीं गुजरात के सौराष्ट्र में बेमौसम बारिश के कारण जूनागढ़ में 2 से 6 नवंबर तक प्रस्तावित गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द कर दी गई है।

लोकतंत्र बचाने सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके ! स्टालिन ने 49 दलों संग एसआईआर को बताया मताधिकार पर हमला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है।

एमके स्टालिन ने आगे कहा, 'मतदाता सूची संशोधन में भ्रम और शंकाओं के संबंध में - चूँकि हमारी माँग थी कि ये संशोधन 2026 के आम चुनावों के बाद पर्याप्त समय पर और बिना किसी समस्या के किए जाएँ, चुनाव आयोग द्वारा स्वीकार नहीं की गई है, इसलिए हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है।' स्टालिन ने बैठक में भाग लेने वाले 49 दलों को 'लोकतंत्र की रक्षा' के लिए धन्यवाद भी दिया। X पोस्ट में लिखा था कि मैं सर्वदलीय बैठक में भाग लेने वाले और अपनी भावनाएँ व्यक्त करने वाले 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया है कि वे अपनी पार्टियों में SIR पर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।

डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को 'अप्रत्यक्ष रूप से' राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, 'हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।' बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें 'भाजपा का गठबंधन' बताया। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।'

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, 'अदालत को अपना अंतिम आदेश जारी करने दीजिए। उसके बाद, वे एसआईआर पर आगे बढ़ सकते हैं। हम यही चाहते थे, और यही प्रस्ताव है। प्रस्ताव का उद्देश्य यह है कि चुनाव आयुक्त एसआईआर में अपनी मनमानी न करें...'

ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूर, न वेतन दे रहे न भोजन, बस काम करा रहे

रांची (एजेंसी)। कई मजदूरों ने वीडियो संदेशों में कहा है कि उन्हें पिछले तीन से छह महीने से कोई वेतन नहीं मिला, जिसके कारण वे भूखे हैं और परिवार से संपर्क करने के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं। एक मजदूर ने वीडियो में कहा, 'हम लोग भूखे हैं, बहुत परेशान हैं, किसी तरह भारत लौटना चाहते हैं।' ये झारखंड के 48 प्रवासी मजदूर ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं और गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें दिल्ली की एक निजी भर्ती कंपनी ने धोखे से विदेश भेजा और वहां बिना वेतन और भोजन के 12–12 घंटे काम करने को मजबूर किया जा रहा है।

फंसे हुए मजदूरों में ज्यादातर हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिलों के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें जाने से पहले सही कॉन्ट्रैक्ट और तय मजदूरी का वादा किया गया था, लेकिन ट्यूनीशिया पहुंचने के बाद न तो कॉन्ट्रैक्ट मिला और न वेतन। रिपोर्ट्स के मुताबिक मजदूरों ने जिस कंपनी पर आरोप लगाया है, उसका नाम प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड बताया गया है। मजदूरों के अनुसार, कंपनी ने उन्हें हाई वोल्टेज पावर लाइन प्रोजेक्ट के लिए भर्ती किया था और बाद में शर्तें बदल दीं। उन्हें धमकी दी जा रही है कि अगर वे विरोध करेंगे या वापस लौटना चाहेंगे तो जेल भेज दिया जाएगा।

लाइसेंस नहीं होने के बावजूद एयर इंडिया के 2 पायलट्स ने उड़ाया विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया में पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग प्रणाली में गंभीर अनियमितताएं अब भी जारी हैं, जिस पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पांच महीने पहले कड़ी फटकार लगाई थी। ताजा घटनाओं में, एक को-पायलट और एक सीनियर कैप्टन को फ्लाइंग ड्यूटी से तत्काल हटा दिया गया है। कारण यह पता चला कि दोनों ने पिछले महीने बिना वैध योग्यता के एक-एक उड़ान संचालित की थी। डीजीसीए इन मामलों की गहन जांच कर रहा है और एयरलाइन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

पहले मामले में, एयरबस ए320 के को-पायलट ने अपना नवीनतम इंस्ट्रूमेंट रेटिंग आधारित बाय-एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक (आई-पीपीसी) क्लियर नहीं किया था। नियमों के अनुसार, असफलता के बाद पायलट को अनिवार्य सुधारात्मक प्रशिक्षण (करेक्टिव ट्रेनिंग) पूरा करना पड़ता है, तभी रोस्टर पर वापसी संभव है। लेकिन इस को-पायलट ने बिना प्रशिक्षण के उड़ान भर ली, जो सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान दिया, फर्स्ट ऑफिसर का ट्रेनिंग चेक में असंतोषजनक प्रदर्शन पकड़ा गया। जैसे ही यह त्रुटि सामने आई, क्रू शेड्यूलर और पायलट को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया। कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और डीजीसीए को सूचित कर दिया गया है। यह घटना एयरलाइन की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठाती है।

दूसरे मामले में, सीनियर कमांडर ने इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी (ईएलपी) लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बावजूद ए320 उड़ान का पायलट-इन-कमांड रहते हुए संचालन किया। ईएलपी पायलटों के लिए बुनियादी आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय संचार सुनिश्चित करता है। एयरलाइन ने स्वीकार किया, सीनियर पायलट का एक्सपायर्ड ईएलपी के साथ उड़ान भरने का मामला सामने आया। तुरंत ऑफ-रोस्टर किया गया और जांच जारी है। डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी गई है।

सीनियर पायलटों की चिंता

सीनियर पायलटों का मानना है कि ये खामियां एयर इंडिया की ओवरसाइट में गंभीर कमी दर्शाती हैं, जहां केवल योग्य क्रू ही रोस्टर पर आने चाहिए। ऐसी त्रुटियां न केवल यात्री सुरक्षा को जोखिम में डालती हैं, बल्कि एयरलाइन की विश्वसनीयता पर भी असर डालती हैं। डीजीसीए की जांच से शेड्यूलिंग सिस्टम में सुधार की उम्मीद है, लेकिन पांच महीने बाद भी समस्या बने रहना चिंताजनक है। एयर इंडिया को अपनी प्रक्रियाओं को मजबूत करना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

भारत की ओर से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान को 16 टन से ज़्यादा दवाइयाँ और डायग्नोस्टिक किट भेजी हैं। ये दवाइयाँ और किट मुख्य रूप से वेक्टर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस से निपटने में मदद करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता देना और देश की रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाना है। तालिबान प्रवक्ता शराफत जमान ने इस सहायता की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मदद अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र को समर्थन देने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने भारत सरकार की समय पर और बहुमूल्य सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, और इसे जन स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ये दवाइयां और डायग्नोस्टिक किट सीधे तौर पर अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता प्रदान करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस जैसी बीमारियों से निपटने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाना है, जो अफगानिस्तान के कई क्षेत्रों में गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां बनी हुई हैं।

द्विपक्षीय संबंध और हालिया मुलाकात

यह मेडिकल सहायता अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी के अक्टूबर में भारत दौरे के बाद प्रदान की गई है। 10 अक्टूबर को, मुत्ताकी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों ने अफगानिस्तान के विकास, द्विपक्षीय व्यापार, क्षेत्रीय अखंडता, लोगों के बीच संबंधों और क्षमता निर्माण के लिए भारत के समर्थन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान को पाँच एम्बुलेंस सौंपने की भी घोषणा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी बताया था कि भारत ने भूकंप प्रभावित लोगों के लिए अफगानिस्तान को अतिरिक्त खाद्य सामग्री भी पहुंचाई है।

दिल्ली की जहरीली हवा ने ले ली 100 में से 15 लोगों की जान

–रिपोर्ट से हुआ खुलासा, जल्द सुधार नहीं हुआ तो बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मौत को लेकर हुए चौंकाने खुलासे ने सभी को हिलाकर रख दिया है। 2023 में शहर में हुई हर सातवीं मौत करीब 15फीसदी वायु प्रदूषण से जुड़ी थी। इसमें पीएम2.5 जैसे कणों ने 17,188 लोगों की जान ली। 2023 की एक रिपोर्ट खुलासा हुआ है कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने इसे जारी किया है। वहीं एक एनालिस्ट ने कहा कि दिल्ली में पीएम प्रदूषण से 9.4फीसदी डिसेबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स प्रभावित हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इससे 4.9 लाख स्वस्थ लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। यह आंकड़ा 2018 के 15,786 मौतों से बढ़कर 17,188 हो गया है। दिल्ली में सबसे ज्यादा मौतों का कारण प्रदूषित हवा है। अन्य प्रमुख जोखिम कारकों में हाई सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर है, जिससे 14,874 मौतें यानी 12.5फीसदी होती है। हाई फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज यानी डायबिटीज से 10,653 यानी 9फीसदी मौतें हो रही हैं। वहीं, हाई कोलेस्ट्रॉल से 7267 यानी 6फीसदी मौतें और हाई बॉडी मास इंडेक्स से 6,698 यानी 5.6फीसदी मौतें हो रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण से हार्ट की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और सांस लेने के अंगो के नीचले भाग में संक्रमण लगातार बढ़ रही हैं। मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि, 'यह सिर्फ पर्यावरण मुद्दा नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। प्रदूषण कम न होने पर श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर से मौतें और बढ़ेंगी।' रिपोर्ट में कहा गया कि प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण से लाखों लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

एम्स के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. हर्षल रमेश सल्वे ने कहा कि प्रदूषण से अतिरिक्त मौतें हो रही हैं, लेकिन संख्या पर बहस हो सकती है। ये अनुमान गणितीय मॉडल पर आधारित हैं। भारतीय आबादी के लिए एक्सपोजर रिस्पॉन्स फंक्शन परफेक्ट नहीं है। फिर भी बढ़ती मौतें मल्टी-सेक्टरल एक्शन की मांग करती हैं। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. निखिल मोदी ने 15 फीसदी आंकड़े को विश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण लंबे समय तक बीमारियों को बिगाड़ता है, जो मौत का कारण बनती हैं। हाल के वर्षों में यह बढ़ा है और जल्द सुधार न हुआ तो और मौतें हो सकती हैं।

पुल्मोनोलॉजिस्ट ने स्पष्ट किया कि 15 फीसदी का मतलब तत्काल मौत नहीं, बल्कि क्रॉनिक स्ट्रेसर है जो पीएम2.5 से सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फेफड़े-हृदय की क्षति पहुंचाता है। ये अनुमान एपिडेमियोलॉजिकल मॉडल से आते हैं, जो दिल्ली के हाई पॉल्यूशन को देखते हुए सही लगते हैं। हालांकि यह सच है कि मौत की सटीक संख्याएं तय करना जटिल है क्योंकि मृत्यु प्रमाण-पत्रों पर मौतों को 'प्रदूषण के कारण' दर्ज नहीं किया जाता है। ये अनुमान जनसंख्या जोखिम डेटा, रोग की वजह और मृत्यु दर के रुझानों का उपयोग करके मज़बूत विज्ञान मॉडल से हासिल किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कुछ ग्रह खुद ही बना सकते हैं अपना पानी

काठमांडू, एजेंसी। कुछ ग्रह बाहरी पानी के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय खुद ही पानी बना सकते हैं। अब तक यह माना जाता था कि ऐसे जल-समृद्ध ग्रह अपने तारों से दूर बनते हैं और बाद में पास आ जाते हैं, क्योंकि सूरज की भयंकर गर्मी से पानी टिक नहीं पाता। हमारे सौरमंडल में भी एक स्नो लाइन होती है। इसके भीतर बने ग्रहों (जैसे शुक्र) पर पानी नहीं होता, जबकि इसके बाहर बने ग्रह (शनि, नेपच्यून) पर पानी और गैस की भरमार होती है। नए अध्ययन के अनुसार, अगर सही परिस्थितियां हों तो हाइड्रोजन और खनिजों की रासायनिक प्रक्रिया से ग्रहों के अंदर ही स्थानीय रूप से पानी बन सकता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों में इसे तार्किक ढंग से समझाया गया है।

पैनल में खराबी आने से फोर्ड ने वापस मंगाए 79,800 वाहन

काठमांडू, एजेंसी। फोर्ड मोटर कंपनी ने अमेरिका में लगभग 79,800 वाहनों को दरवाजे के पैनल और पिछली लाइटबार की खराबी के कारण वापस मंगाने की घोषणा की है। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) के अनुसार, इसमें 14,843 एफ-150 लाइटनिंग इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक शामिल हैं। इसके अलावा फोर्ड ने 34,481 री-मैन्युफैक्चर्ड 10आर80 ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट्स भी वापस मंगाई हैं, जो कुछ फोर्ड और लिंकन वाहनों में मरम्मत के पुर्जों के रूप में उपयोग की गई थीं।

किम का दावा-1969 में कोई चांद पर नहीं उतरा, नासा ने किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेत्री किम कार्दशियन ने दावा किया कि 1969 में कोई चंद्रमा पर उतरा ही नहीं। हालांकि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अभिनेत्री को इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि हम छह बार चांद पर जा चुके हैं। रियलिटी शो द कार्दशियन्स के हालिया एपिसोड में किम ने कहा कि मुझे लगता है कि अपोलो मिशन नकली था। इस पर नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने सोशल मीडिया पर किम को टैग करते हुए लिखा, हम पहले भी छह बार चांद पर जा चुके हैं और अब आर्टेमिस मिशन के तहत दोबारा जा रहे हैं।

इस्राइल के हाइफा में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के हाइफा में इस साल के दूसरे भारतीय फिल्म महोत्सव की जोरदार शुरुआत हो चुकी है। इस उद्घाटन समारोह में 200 से अधिक लोग शामिल हुए। दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव में पद्मावत, गंगूबाई काठियावाड़ी, जवान, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, अंधाधुन और 12वीं फेल जैसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। पहला फिल्म महोत्सव फरवरी में हुआ था, जिसकी सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण आयोजित किया गया है।

नेपाल में 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने पंजीकरण के लिए किया आवेदन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से पहले 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने निर्वाचन आयोग (ईसी) में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने बताया, इनमें से 7 पार्टियों ने 12 सितंबर को चुनाव तिथि घोषित होने के बाद, जबकि 10 ने उससे पहले आवेदन किया। नए आवेदनों के साथ आयोग में पंजीकृत पार्टियों की कुल संख्या अब 124 हो गई है। आयोग नए दलों के दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है।

तंजानिया में आम चुनाव के बाद हिंसा, 700 से अधिक लोगों की मौत का दावा, दार-एस-सलाम में 350 की जान गई

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया में विवादित आम चुनावों के बाद भड़की हिंसा में 700 से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया गया है। विपक्षी पार्टी चडेमा ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में हुई झड़पों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से दस लोगों की मौत की पुष्टि की है। चडेमा के प्रवक्ता जॉन कितोका ने बताया कि सिर्फ दार-एस-सलाम में करीब 350 और म्वांजा क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। अन्य हिस्सों को जोड़ें तो संख्या लगभग 700 तक पहुंचती है। पार्टी का कहना है, आंकड़ा अस्पतालों के दौरे पर आधारित है। सरकार ने अब तक कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। कहा है कि कुछ छिटपुट घटनाओं के बाद कानून-व्यवस्था बहाल की जा रही है।

जमैका में लोग कीचड़-मलबे में खाना ढूंढ़ने पर मजबूर

तूफान मेलिसा के बाद भूख-प्यास से परेशान; बाढ़ का पानी भरा, जानवर सड़ रहे

किंग्सटन, एजेंसी। जमैका में कैटेगरी-5 के हरिकेन मेलिसा के टकराने के बाद हालात खराब हो चुके हैं। ब्लैक रिवर शहर में लोग कीचड़ और मलबे में खाने-पीने का सामान खोज रहे हैं। कई लोग टूटी दुकानों और सुपरमार्केट से पानी की बोतलें और जरूरी चीजें निकाल रहे हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान के बाद पिछले तीन दिनों से शहर में अराजकता और भूख-प्यास का संकट है। सड़कों पर कीचड़, टूटी इमारतें, पलटी नावें और बिखरे वाहन चारों ओर तबाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। बिजली-पानी की सप्लाई बंद है। लोगों का परिवारों से संपर्क टूट गया है।

अब तक लोगों को मदद नही मिली बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि अब तक इलाके में कोई राहत ट्रक नहीं पहुंचा है। वे सड़क पर पड़े मलबे या दुकानों में जो कुछ भी मिल रहा है, उसी से गुजारा कर रहे हैं।

एक स्थानीय युवक डेमर वॉकर ने कहा, हम सड़क पर जो भी मिल रहा है, वही खा रहे हैं। सुपरमार्केट से पानी लिया, लेकिन हमने दूसरों से भी साझा किया। पास की एक फार्मेसी और दुकानों में भी लूटपाट की घटनाएं हुईं। लोग कीचड़ में सनी दवाइयां और खाना उठाते दिखे। कई दुकानदार अपनी लूटी दुकानों के बाहर पहरा दे रहे हैं। राजधानी किंग्स्टन एयरपोर्ट पर राहत सामग्री पहुंचनी शुरू हो गई है, लेकिन छोटे एयरपोर्ट और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से मदद देर से पहुंच रही है। सेना और राहत एजेंसियों के ट्रक रास्तों के टूटे हिस्सों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं।

19 की मौत, हैती में भी 30 की जानें गईं जमैका सरकार ने पुष्टि की है कि तूफान में 19 लोगों की मौत हुई है। हैती में भी 30 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शहर के 90% घर तबाह हो चुके हैं। अस्पताल, पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। शहर के मेयर ने कहा, ब्लैक रिवर पूरी तरह तबाह हो चुका है। लोग मजबूरी में सामान उठा रहे हैं, लेकिन हिंसा भी बढ़ रही है। एक मेडिकल वर्कर ने बताया कि फायर स्टेशन में चार से पांच फीट पानी भर गया था। बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोग घायल अवस्था में लाए गए। कई जगह ऐसे लोग मिले जो जिंदा नहीं बचे। शुक्रवार दोपहर सेना के हेलिकॉप्टर ब्लैक रिवर पहुंचे। इसके बाद सड़कों से भीड़ कम हुई।

मेलिसा तूफान के बाद कैरिबियाई देशों की मदद में जुटे यूएन और सहयोगी संगठन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी तूफान मेलिसा के बाद राहत सामग्री पहुंचाने और मदद समन्वयित करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की मानवीय संस्था ओसीएचए ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ओसीएचए ने कहा कि जमेका, क्यूबा और हैती में लाखों लोग तूफान से प्रभावित हुए हैं और तुरंत मदद की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने कहा कि ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग सिर्फ सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवनरेखा होता है।

क्यूबा के पूर्वी हिस्सों से गुजरे तूफान मेलिसा ने सैंटियागो, होलगुइन, ग्रान्मा और ग्वांतानामो में भारी तबाही मचाई है। कई क्षेत्र अभी भी कटे हुए हैं और सड़कों, रेल और हवाई मार्गों को नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत कार्य मुश्किल हो रहे हैं। ओसीएचए ने बताया कि वह एक कार्य योजना बना रहा है ताकि राहत कार्य बेहतर तरीके से चल सकें। इसके लिए एक टीम मौके पर भेजी गई है और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्रीय कार्यालय से भी सहायता मिल रही है। जमैका में सरकार खुद राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही है और ओसीएचए कैरेबियन आपदा आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की टीमों के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन कर रही है। खाद्य एवं कृषि संगठन, यूनिसेफ, यूएन जनसंख्या कोष और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन भी इन प्रयासों में शामिल हैं। हैती में, जहां पहले से ही मानवीय और हिंसक संकट गहरा हुआ है, संयुक्त राष्ट्र की टीमें सरकार के साथ मिलकर आश्रय, भोजन, जरूरी सामान और नकद सहायता जैसी तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लगी हैं। कैरेबियाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इस सदी का सबसे भयंकर तूफान कहे जा रहे मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है। ताजा अपडेट के अनुसार इस भीषण तूफान में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है।

'संवाद से बनता है भरोसा, एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत', आसियान बैठक में बोले मलयेशियाई रक्षा मंत्री

कुआलालंपुर, एजेंसी। आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मलेशिया के रक्षा मंत्री मोहम्मद खालिद नोरदिन ने क्षेत्रीय सहयोग और संवाद की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि एडीएमएम प्लस की स्थापना को 15 वर्ष पूरे हो गए हैं और यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद भरोसे को मजबूत करता है और एकता ही आसियान की सबसे बड़ी रक्षा है।

वैश्विक चुनौतियों पर चिंता व्यक्त : नोरदिन ने कहा आज दुनिया ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है जो सीमाओं से परे हैं। साइबर हमलों से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, खाद्य असुरक्षा से लेकर महामारी तक। साइबरस्पेस में शक्तिशाली गैर-राज्यीय तत्व समाजों को अस्थिर करने और सरकारों को चुनौती देने में सक्षम हो गए हैं। वहीं, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाएं हर दिन हमारी सहनशीलता की परीक्षा ले रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय मूल्यों की रक्षा की अपील : मलेशियाई रक्षा मंत्री ने कहा कि हर देश, बड़ा या छोटा, अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के उल्लंघन के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा हो। उन्होंने गाजा और फलस्तीन में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई। नोरदिन ने कहा भूख और अभाव को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो अत्यंत निंदनीय है। मलेशिया सभी देशों, विशेषकर बड़ी शक्तियों से आग्रह करता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अपने प्रभाव का प्रयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि मलेशिया अमेरिका की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का स्वागत करता है।

रिकॉर्ड समय में तियांगोंग स्पेस स्टेशन से जुड़ा चीन का शेंझोउ-21, छह माह तक इन बातों पर करेगा शोध

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शनिवार को घोषणा की कि उसका शेंझोउ 21 अंतरिक्ष यान अपनी नवीनतम तीन सदस्यीय टीम के साथ देश के तियांगोंग स्पेस स्टेशन से रिकॉर्ड समय में जुड़ गया। पूरी डॉकिंग प्रक्रिया लगभग 3.5 घंटे चली, जो पिछले मिशनों की तुलना में तीन घंटे कम है। शेंझोउ 21 यान शुक्रवार रात 11:44 बजे जिउकुआन लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी।

बता दें कि टीम में मिशन कमांडर और पायलट झांग लू शामिल हैं, जो दो साल पहले शेंझोउ 15 मिशन में भी गए थे। अन्य दो सदस्य पहली बार अंतरिक्ष जा रहे हैं। 32 वर्षीय इंजीनियर वू फेई चीन के सबसे कम उम्र के अंतरिक्ष यात्री हैं। झांग होंगझांग एक पेलोड विशेषज्ञ हैं, जो पहले नए ऊर्जा और नए पदार्थों पर शोधकर्ता थे। झाग ने क्या स्पेस मिशन पर क्या कहा? झांग ने कहा कि टीम स्पेस स्टेशन में ताई ची, बागवानी और कविता पढ़ने जैसी गतिविधियों के जरिए इसे स्वर्ग जैसा बनाएगी। तीनों सदस्य लगभग छह महीने तक स्टेशन पर रहेंगे। अंतरिक्ष में रहकर वे बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस मेडिसिन, मैटेरियल साइंस और अन्य क्षेत्रों में 27 वैज्ञानिक और व्यावहारिक परियोजनाओं पर काम करेंगे। अंतरिक्ष में चार चुहें भेज रहा चीन इतना ही नहीं इस बार चीन पहली बार अपने स्पेस स्टेशन में चूहों को भेज रहा है। कुल चार चूहे दो नर और दो मादा वजनहीनता और संगरोध के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए भेजे गए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे छोटे जानवरों की अंतरिक्ष में प्रजनन और अनुकूलन तकनीक पर शोध में मदद मिलेगी। ये चूहे 300 उम्मीदवारों में से चुने गए और इनकी 60 दिनों तक कड़ी ट्रेनिंग हुई। ये चूहे शेंझोउ 20 के साथ पृथ्वी पर वापस आएंगे। क्या है चीन का अंतरिक्ष मिशन? गौरतलब है कि चीन ने 2003 में पहला मानवयुक्त मिशन लॉन्च किया और अमेरिका व सोवियत संघ के बाद तीसरा देश बना। चीन का लक्ष्य 2030 तक चंद्रमा पर मानव भेजना है। तियांगोंग स्पेस स्टेशन पूरी तरह चीन ने बनाया है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अलग रखा गया है। चीन पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए भी सहयोग कर रहा है। भविष्य में एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री को शॉर्ट मिशन पर भेजने की योजना है।

न्यू मैक्सिको में तेल रिफाइनरी में धमाके के बाद लगी भीषण आग, कई लोग घायल

न्यू मैक्सिको, एजेंसी। अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य के आर्टेसिया शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां शुक्रवार को एक तेल रिफाइनरी में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद वहां से घना धुआं उठने लगा और देखते ही देखते धुंआ शहर के कई हिस्सों में फैल गया। राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। मामले में आर्टेसिया पुलिस कमांडर पीट किनोनेस ने बताया कि धमाके में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन कई लोग घायल हुए हैं। एडी काउंटी इमरजेंसी मैनेजर जेनिफर आर्मेन्डारिज़ ने कहा कि घायलों की संख्या फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

घटना के बाद सड़क कुछ समय के लिए बंद : बता दें कि घटना के बाद प्रशासन ने रिफाइनरी के पास की सड़कों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया था ताकि मेडिकल हेलीकॉप्टर को उतरने की जगह दी जा सके। दोपहर तक धुआं छंट गया और सड़कें दोबारा खोल दी गईं। यह धमाका एचएफ सिंक्लेयर नवाजो रिफाइनरी में हुआ, जो आर्टेसिया के मुख्य चौराहे के पास स्थित है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी की दैनिक क्षमता लगभग एक लाख बैरल कच्चे तेल की प्रोसेसिंग की है। हालांकि, घटना के समय प्लांट कितनी क्षमता पर काम कर रहा था, यह साफ नहीं हो सका है। गौरतलब है कि यह रिफाइनरी पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका के बाजारों में तेल की आपूर्ति करती है और इसके साथ लगभग 105 किलोमीटर दूर लोविंगटन में भी कंपनी का एक और संयंत्र संचालित होता है।

अमेरिका में हैलोवीन के मौके पर आतंकी हमला नाकाम, एफबीआई निदेशक काश पटेल का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने दावा किया है कि मिशिगन में संभावित आतंकी हमले को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हैलोवीन सप्ताह के मौके पर कुछ संदिग्ध आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। हालांकि काश पटेल ने ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन विभिन्न रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मामला चरमपंथियों के समूह से जुड़ा है, जो हैलोवीन के मौके पर हमले की योजना बना रहे थे।

काश पटेल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी : सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में काश पटेल ने कहा कि 'आज सुबह एफबीआई ने एक संभावित आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया और मिशिगन में कई लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर हैलोवीन सप्ताह पर एक हिंसक हमले की साजिश रच रहे थे। और ज्यादा जानकारी जल्द ही आएगी। एफबीआई और हर जगह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन सभी पुरुषों और महिलाओं को धन्यवाद जो 24 घंटे पहरा दे रहे हैं और देश की रक्षा करने के हमारे मिशन को पूरा कर रहे हैं।' हालांकि काश पटेल ने ये नहीं बताया कि एफबीआई ने मिशिगन में कहां कार्रवाई की, लेकिन मिशिगन पुलिस ने बताया कि डियरबोर्न इलाके में एफबीआई ने एक ऑपरेशन किया है।

'एशिया-प्रशांत सहयोग का नया दौर शुरू', चीन में होगा अगला एपीईसी शिखर सम्मेलन, जिनपिंग ने की घोषणा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वर्ष 2026 का एपीईसी शिखर सम्मेलन चीन के शेनझेन शहर में आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेता शामिल होंगे। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में संपन्न इस साल की बैठक के समापन सत्र में शी ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि शेनझेन, जो कभी एक छोटा मछली पकड़ने वाला गांव था, आज आधुनिक अंतरराष्ट्रीय महानगर बन चुका है। यह चीन के खुलेपन और विकास की कहानी का प्रतीक है। आने वाले साल में हम सब इसी शहर में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

ट्रंप-शी बैठक बनी रही चर्चा का केंद्र : इस साल के एपीईसी सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। दोनों नेताओं के बीच टैरिफ और दुर्लभ खनिजों के व्यापार को लेकर नई सहमति बनी। ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका चीन पर लगाई गई फेंटानिल टैरिफ को 20% से घटाकर 10% करेगा।

इसके बदले चीन ने अमेरिका से सोयाबीन और सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात को मंजूरी दी और दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण को हटाने पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि वह अप्रैल 2026 में चीन का दौरा करेंगे, जबकि शी जिनपिंग उसके बाद अमेरिका की यात्रा करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि ट्रंप भी शेनझेन शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

क्षेत्रीय सहयोग और तकनीकी विकास पर जोर : शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा एशिया-प्रशांत देशों को पारस्परिक सहयोग को और गहरा करना चाहिए, नई तकनीकों में खुला नवाचार अपनाना चाहिए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को मानवता के हित में दिशा देनी चाहिए। उन्होंने विकसित देशों से विकासशील देशों को वित्तीय, तकनीकी और क्षमता निर्माण में सहयोग देने की अपील की। शी ने कहा कि एपीईसी की असली ताकत उसकी एकजुटता और साझा दृष्टिकोण में निहित है।

चीन के लिए शेनझेन क्यों है खास : शेनझेन चीन की आर्थिक क्रांति का केंद्र माना जाता है। 1980 के दशक में यह शहर चीन के पहले आर्थिक विशेष क्षेत्र के रूप में उभरा था। आज यहां तकनीकी, विनिर्माण और समुद्री व्यापार का मजबूत नेटवर्क है, जो इसे एपीईसी जैसे वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी के लिए आदर्श स्थान बनाता है।

डिक्शनरी डॉट कॉम ने 6-7 को वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑनलाइन शब्दकोश, डिक्टशनरी डॉट कॉम का इस वर्ष का वर्ड ऑफ द ईयर कोई शब्द नहीं है। इस बार उसने वायरल शब्द या वाक्यांश '6-7' को इस श्रेणी में जगह दी, जो बच्चों-किशोरों में बहुत लोकप्रिय है। यह पीढ़ी इस वाक्यांश का अकसर इस्तेमाल करते हैं जबकि माता-पिता और शिक्षक इसे समझ नहीं पा रहे हैं। डिक्शनरी ने इसे तय करने के लिए सर्च इंजन, और शोशल मीडिया ट्रेंड्स का विश्लेषण किया।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सरकारी अस्पतालों में ओपीडी पर्चियों, लैब रिपोर्टों पर डॉक्टर हस्ताक्षर करें : स्वास्थ्य मंत्री

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सरकारी अस्पतालों में सेवारत सभी डॉक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे ओपीडी पर्चियों, लैब रिपोर्टों और उनके द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन पर अपने हस्ताक्षर करें। उन्होंने सभी प्रिस्क्रिप्शन में दवाइयों के जेनेरिक नाम बड़े और स्पष्ट अक्षरों में लिखने के भी निर्देश दिए। इस व्यवस्था का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में एक पत्र सभी जिलों के सिविल सर्जनों को भी भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आम तौर पर यह पाया गया कि कई डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन में दवाइयों के जेनेरिक नाम नहीं लिख रहे हैं और ओपीडी पर्चियों व लैब रिपोर्टों पर डॉक्टरों की मुहर और नाम अंकित नहीं किए जा रहे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रिस्क्रिप्शन में दवाइयों के जेनेरिक नाम बड़े और स्पष्ट अक्षरों में लिखे जाएं। इसके अलावा ,प्रिस्क्रिप्शन पर डॉक्टर की मुहर एवं हस्ताक्षर, साथ ही नाम, पद एवं पंजीकरण संख्या अंकित होना अनिवार्य होगा। मरीजों को दी जाने वाली लैब रिपोर्टों पर भी डॉक्टर का नाम, पद व रजिस्ट्रेशन नंबर होना अनिवार्य होगा। आरती सिंह राव ने कहा कि इन निर्देशों का तुरंत प्रभाव से पालन किया जाए। ये निर्देश राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता बढ़ाने और मरीजों के हित में जारी किए गए हैं।

हिसार में 39 किलोग्राम 430 ग्राम गांजा सहित एक गिरफ्तार

हिसार। नशा निरोधक पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने गांव बालक में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से 39 किलोग्राम 430 ग्राम गांजा बरामद किया है।टीम प्रभारी उप-निरीक्षक इंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान थी। तभी उन्हें गांव बालक स्थित एक मकान में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी भांपते ही एक व्यक्ति मौके से भाग निकला, जबकि एक व्यक्ति को मौके पर काबू कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बालक गांव निवासी कपिल बताया। भागने वाले व्यक्ति की पहचान गांव के ही नसीब के रूप में हुई। तलाशी लेने पर मकान में रखे एक बेड से कुल 8 पैकेट गांजा बरामद हुए, जिनका कुल वजन 39 किलोग्राम 430 ग्राम पाया गया। बरामद गांजा को कब्जे में लेकर पुलिस ने आरोपी कपिल और नसीब के खिलाफ थाना बरवाला में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी कपिल को गिरफ्तार करके उससे पूछताछ की जा रही है जबकि फरार हुए आरोपी नसीब की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है।

हिसार पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी,महिला समेत तीन काबू

हिसार। सीआईए टीम ने मंगाली आकलन निवासी मदन लाल की ब्लाइंड मर्डर वारदात को सुलझाने में बड़ी सफलता हासिल की है। इसके साथ आरोपियों ने एक और मर्डर की वारदात कबूली है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान मंगाली निवासी रेखा, मेहंदा निवासी मनदीप व प्रवेश के रूप में हुई है।सीआईए प्रभारी उप-निरीक्षक कर्ण सिंह ने शनिवार को बताया कि आरोपियों ने आपसी विवाद के चलते मदन लाल की हत्या करने की योजना बनाई थी। योजना के तहत रेखा ने मदन लाल के अपने घर आने की सूचना मनदीप और प्रवेश को दी। इसके बाद दोनों आरोपी कार में सवार होकर वहां पहुंचे और मदन लाल की स्कूटी को टक्कर मार दी। स्कूटी से गिरने के बाद दोनों ने लोहे के पाइप से मदन लाल के सिर में वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए।जांच में सामने आया कि मनदीप वाहन फाइनेंस का काम करता है, प्रवेश राजनीतिक विज्ञान में अंतिम वर्ष का छात्र है, जबकि रेखा मेहनत-मजदूरी का कार्य करती है। तीनों ने योजनानुसार मदन लाल की हत्या की। पुलिस जांच में सामने आया कि इन्होंने रेखा के पति सुरजीत की भी कुछ दिन पहले गला दबाकर हत्या की थी। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। तीनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन के रिमांड पर भेज दिया गया। मामले के अनुसार गत 25 अक्टूबर मंगाली आकलन निवासी मदन लाल रोड पर गंभीर चोटों के साथ बेसुध अवस्था में पाया गया था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मृतक के पुत्र जयचंद निवासी मंगाली आकलन की शिकायत पर थाना आजाद नगर में हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

हरियाणा दिवस पर गोहाना को 1.72 करोड़ की विकास सौगात

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने हरियाणा राज्य के 60वें स्थापना दिवस पर गोहाना क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए एक करोड़ 72 लाख 18 हजार रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अपने 60 वर्षों के सफर में देश के विकास इंजन के रूप में विशेष पहचान बनाई है और प्रदेश सरकार का उद्देश्य गांव-गांव तक समान विकास पहुंचाना है। कैबिनेट मंत्री डॉ. शर्मा ने बताया कि हरियाणा ग्रामीण विकास निधि योजना के तहत गोहाना विधानसभा क्षेत्र के 11 विकास कार्यों के लिए 90 लाख 38 हजार रुपये की पहली किश्त पंचायत विभाग को प्राप्त हो गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जनता को इन योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित में योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि एचआरडीएफ योजना के अतिरिक्त 28 लाख रुपये के अन्य प्रस्ताव भी भेजे गए हैं, जिन्हें शीघ्र स्वीकृति दिलाने के प्रयास जारी हैं।

हरियाणा की प्रगति प्रदेशवासियों की कड़ी मेहनत का परिणाम- राज्यपाल

एजेंसी
पंचकूला। हरियाणा के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर पंचकूला में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान, राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने प्रदेशवासियों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की प्रगति उन्हीं की दृढ़ता का परिणाम है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा की संस्कृति एवं विरासत का भविष्य सुनहरा है। राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से हरियाणा ने स्वास्थ्य, शिक्षा, औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन और कानून-व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत पर कार्य कर रही है, जो 'विकसित भारत व

विकसित हरियाणा' के विजन को साकार करने का रोडमैप है। राज्यपाल ने कहा कि 1 नवंबर, 1966 को गठन के बाद से, हरियाणा निरंतर विकास और समृद्धि के पथ पर अग्रसर है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि हरियाणा ने अपने गठन के बाद से गरीबी से समृद्धि तक कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं : हरियाणा देश के क्षेत्रफल का केवल 1.34फीसदी और जनसंख्या का 2.09फीसदी होने के बावजूद देश के सकल घरेलू उत्पाद में 3.6फीसदी का योगदान दे रहा है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय बड़े राज्यों में सबसे अधिक (लगभग 3 लाख 53 हज़ार) है, जो 1966 में मात्र रुपये 343 थी। राज्य का निर्यात रुपये 4.50 करोड़ से बढ़कर रुपये 2 लाख 75 हज़ार करोड़ से ज़्यादा हो गया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है जहाँ 24 फसलों की खरीद स्स्क पर की जाती है। गन्ने का सर्वाधिक मूल्य रुपये 415 प्रति क्विंटल और सामाजिक सुरक्षा पेंशन ?3,200 प्रति माह दी जा रही है। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष को हरियाणा की आन-बान-शान का प्रतीक पगड़ी और राज्य की प्रगति के प्रतीकों को दर्शाता अनूठा स्मृति चिह्न व शाल भेंट कर सम्मानित किया। राज्यपाल ने अपनी पत्नी मित्रा घोष और मुख्यमंत्री के साथ हरियाणा की संस्कृति एवं विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

कांग्रेस ने हमेशा जातपात व समाज को बांटने का किया कामः रामचन्द्र जांगडा

एजेंसी
रोहतक। राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जातपात व समाज को बांटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कभी कास्ट वॉर नहीं हुआ था। पहले यूपी व बिहार के बारे में सुनते थे, लेकिन हरियाणा में भाईचारे को पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने खराब किया।

साथ ही उन्होंने कहा कि इनेलो व कांग्रेस के कुशासन को प्रदेश की जनता भूली नहीं है और इसके लिए जनता कभी भी इनेलो व कांग्रेस को माफ नहीं करेगी। राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा एमडीयू में आयोजित हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने हरियाणा की पुरानी संस्कृति को दोबारा से विकसित करने का आह्वान किया है। साथ ही हरियाणा के रीति-रिवाज को बेमिसाल बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में प्राचीन समय में जाति को लेकर कोई भेदभाव नहीं रहा। साथ ही प्राचीन सनातन संस्कृति की जड़ भी हरियाणा में रही है। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद रामचन्द्र जांगडा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जातपात को बढ़ावा देकर समाज को बांटने का काम किया है।

इनेलो द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के सवाल पर राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा ने कहा कि इनेलो के समय सबको पता है कि किसानों को क्या मुआवजा मिलता था और किस प्रकार से प्रदेश में डर व भय का माहौल था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सबसे अधिक मुआवजा किसानों को देने का काम किया है।

हरियाणा के सभी जिलों में शुरू हुई जमीनों की पेपरलैस रजिस्ट्री

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को एक और सौगात दी है। राज्य सरकार ने हरियाणा को डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम की ओर अग्रसर करते हुए मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली लागू की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बटन दबाकर इस प्रणाली को लागू किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 29 सितंबर को कुरुक्षेत्र जिले की लाडवा तहसील से इस पहल की शुरुआत की थी, जिसे अब पूरे राज्य में विस्तारित किया गया है। उन्होंने कहा कि 29 सितंबर से 31 अक्तूबर, 2025 तक कुल 917 पेपरलेस रजिस्ट्री सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं, जो इस व्यवस्था की सफलता का प्रमाण हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नई प्रणाली से दशकों पुरानी जटिल रजिस्ट्री प्रक्रिया से लोगों को राहत

मिलेगी और अब रजिस्ट्री कार्यों में अनावश्यक देरी की समस्या समाप्त हो जाएगी। नागरिक अब अपने घर बैठे ही अधिकतर प्रक्रियाएं पूरी कर सकेंगे। केवल एक बार फोटो खिंचवाने के लिए संबंधित तहसील में जाना आवश्यक होगा।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पारदर्शिता और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे प्रदेश की जनता को वास्तविक सुविधा मिलेगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पेपरलेस रजिस्ट्री से समय और संसाधनों की बचत होगी तथा भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर अंकुश लगेगा।

परिश्रम के साथ-साथ प्रगति, शिक्षा, खेल व औद्योगिक विकास का अग्रदूत बना हरियाणा : आशा खेदड़

एजेंसी
हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि आज का दिन हमारे गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और परिश्रमी जनता की अदम्य ऊर्जा का प्रतीक है। हरियाणा की यह वीरभूमि साहस, समर्पण और मेहनत की मिसाल रही है, जहां किसानों ने अन्न के भंडार भरे, खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर तिरंगा लहराया और वीर जवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा में अद्वितीय शौर्य दिखाया। डॉ. आशा खेदड़ भाजपा जिला कार्यालय में हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा केवल परिश्रम की धरती नहीं, बल्कि प्रगति, शिक्षा, खेल और औद्योगिक विकास का अग्रदूत बन चुका है। उन्होंने सभी पार्टीजनों व आए हुए अन्य लोगों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में हमारा हरियाणा हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। इसके साथ ही जिला अध्यक्ष ने एक नवंबर से ही लाडो लक्ष्मी योजना की शुरू किए जाने का स्वागत किया और कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर

महिलाएं सक्षम बनेंगी। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया और कहा कि उन्होंने चुनाव में किए गए संकल्प को पूरा करने के लिए महिला हित में बड़ा कदम उठाया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इस अवसर पर कलाकारों ने हरियाणा की संस्कृति व विकास से जुड़े कार्यक्रम पेश करके सबका मन मोह लिया। पार्टीजनों ने भी कविताओं के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर मुख्य रूप से मेयर प्रवीण पोपली, जिला महामंत्री आशीष जोशी व कृष्ण सरसाना, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, सतीश सुरलिया, मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेन्द्र सेन बेदी, भूपेन्द्र पनिहार, अनूप धानक सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने एक-दूसरे को हरियाणा दिवस की बधाई दी और खुशी मनाई।

रक्तदान महादान है और मानवता की सच्ची सेवा है : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रक्तदान महादान है और मानवता की सच्ची सेवा है। प्रदेश के लोग विभिन्न अवसरों पर रक्तदान कर रहे हैं और जब कोई विशेष दिवस रक्तदान जैसे पुण्य कार्यों के साथ मनाया जाता है, तो उसका सामाजिक मूल्य और आध्यात्मिक पुण्य कई गुणा बढ़ जाता है।

मुख्यमंत्री पंचकूला में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय रक्तदान शिविर का शुभारम्भ करने उपरांत सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हरियाणा के निर्माण का उत्सव और श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान से प्रेरणा लेने का दिन है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका

हौसला बढ़ाया और इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु तेग बहादुर जी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि धर्म की रक्षा केवल तलवार से नहीं, बल्कि त्याग और सत्य से होती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा स्वास्थ्य, कल्याण और सामाजिक सेवा के प्रति अपने दायित्व को मजबूती से निभाया है। हरियाणा दिवस के इस गौरवपूर्ण दिन पर हम प्रगति और विकास के साथ अपनी निष्ठा को दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव द्वारा किए जाने वाले सबसे महान कार्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी और निजी रक्त बैंक सुरक्षित और समय पर रक्त उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वर्तमान में राज्य में कुल 152 लाइसेंस ब्लड सेंटर हैं, जिनमें से 34 सरकारी और 118 निजी/चैरिटेबल हैं। 34 सरकारी ब्लड सेंटरों में से 26 ब्लड सेंटर में ब्लड कम्पोनेंट और 12 में प्लेटलेट एफेरेसिस की सुविधा उपलब्ध है। आज प्रदेशभर मे आयोजित 39 रक्तदान दान शिविरों में 800 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। पंचकूला में 150 से अधिक रक्तदाता रक्तादान के लिए पहुंचे।

59 वर्षों में हरियाणा ने लिखी विकास की गाथाः रणधीर पनिहार

एजेंसी
सिरसा। हरियाणा दिवस के अवसर पर सिरसा के पंचायत भवन में सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने सबका मन मोहा वहीं पारंपरिक खानपान की झलक भी दिखी। कार्यक्रम में नलवा विधानसभा से विधायक रणधीर पनिहार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और पारंपरिक खानपान से संबंधित प्रदर्शनी, पेंटिंग व क्ले मॉडलिंग प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा दिखाई गई प्रतिभा की सराहना की। मुख्यातिथि ने महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा मोटे अनाज से बनाए गए पारंपरिक व्यंजनों

का स्वाद चखते हुए कहा कि यह हमारी पुरानी संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत की झलक है। इस अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि हरियाणा ने 59 वर्ष में प्रगति की नई गाथा लिखी है, आज हरियाणा पुरातन को छोडक़र नवसंकल्प के साथ नवनिर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षय विकसित भारत में हरियाणा सबसे आगे विकसित हरियाणा प्रदेश बनने के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों में हरियाणा ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारा संकल्प है कि आने वाले वर्षों में हरियाणा देश के सबसे विकसित राज्यों में शामिल हो। आज हरियाणा शिक्षा, स्वास्थ्य और सड? ढांचे में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम करेगी लाड़ो लक्ष्मी योजना : डा. सतीश पूनिया

एजेंसी
चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डा. पूनिया ने हरियाणा के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी हरियाणवासियों को शुभकामनाएं देते हुए हरियाणा की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डा. पूनिया ने दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के खातों में पहली किस्त 2100 रुपये जारी करने पर नायब सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लाड़ो लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम करेगी। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा ने हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के अथक परिश्रम और मेहनत से हरियाणा नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान, जवान और पहलवान समृद्ध एवं सशक्त भारत की पहचान हैं। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पिछले 11 वर्षो से भाजपा सरकार हरियाणा में बिना भेदभाव किए तेजी से विकास के कार्य करा रही है।

हरियाणा की महिलाओं को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की पहली किस्त जारी करने पर भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में नायब सरकार का यह बड़ा कदम है। डा. पूनिया ने कहा कि भाजपा जो संकल्प लेती है उसे पूरा करती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जो संकल्प लिए हैं उन्हें नायब सरकार लगातार पूरा कर रही है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार ने पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली की शुरुआत कर पारदर्शी कार्यशैली का प्रमाण दिया है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार जनहित में निर्णय लेकर लोगों की सेवा कर रही है। अपने हर वादे को पूरा कर रही रही है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों का विकास ही भाजपा सरकार का लक्ष्य है। बिहार विधानसभा चुनाव पर डा. सतीश पूनिया ने कहा कि लोगों की पसंद एनडीए सरकार है। बिहार की जनता बिहार के विकास और तरक्की के लिए एनडीए की सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को पीएम मोदी और सीएम नीतिश कुमार पर भरोसा है। लोगों को इस बात पर भी भरोसा है कि भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है। डा. पूनिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी।

हिसार में मेडिकल जांच को लाया आरोपी, पुलिस को चकमा देकर फरार

एजेंसी
हिसार। जिले के नागरिक अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए लाया गया एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। जैसे ही पुलिस कर्मियों को उसके फरार होने का पता चला, उनके हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी। मिली जानकारी के अनुसार उकलाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी अनित को किसी मामले में गिरफ्तार करके नागरिक अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए लाया गया था। पुलिस कर्मी अपनी कागजी कार्रवाई में व्यस्त थे कि अनित अचानक उन्हें चकमा देकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि पीओ स्टाफ टीम ने आरोपी अनित को वर्ष 2017 के एक मामले में पकड़कर उकलाना पुलिस थाना के हवाले किया था। पुलिस

आरोपी को अदालत में पेश करने की प्रक्रिया में थी और मेडिकल परीक्षण के लिए जिले के नागरिक अस्पताल लेकर आई थी। इसी दौरान आरोपी अनित नागरिक अस्पताल के आपातकालीन कक्ष के सामने पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत इलाके में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। अस्पताल मेंलगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपी के फरार होने की दिशा और मददगारों का पता लगाया जा सके। आरोपी के फरार होने की सूचना के बाद पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

ब्रह्मबोध से ही सम्भव है आत्मबोधः माता सुदीक्षा जी महाराज

एजेंसी
सोनीपत। समागम का शुभारंभ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने कहा कि अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने के लिए परमात्मा का ज्ञान आवश्यक है, क्योंकि ब्रह्मबोध से ही आत्मबोध सम्भव है। यह बात उन्होंने समालखा-गन्नौर हल्दाना बॉर्डर स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर चार दिवसीय समागम में प्रवचन देते हुए कही। 78वें निरंकारी सन्त समागम में प्रेम, भक्ति और मानवता के संदेश गूंजायमान हुए। देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालु आत्ममंथन विषय पर केंद्रित इस आयोजन में सम्मिलित हुए।सतगुरु माता जी ने स्पष्ट किया कि संसार में अनेक धर्म और आस्थाएँ हैं, पर सबका लक्ष्य एक ही सत्य निराकार परमात्मा को पाना है। जब मनुष्य इस एकत्व के भाव को समझता है, तब विरोध, अहंकार और भेदभाव मिट जाते हैं। उन्होंने कहा कि आत्ममंथन का अर्थ भीतर की यात्रा है, जो बाहरी नहीं बल्कि आध्यात्मिक प्रक्रिया है। भौतिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य जिस सुख, पद या संबंधों के पीछे भाग रहा है, वे सभी अस्थाई हैं। केवल परमात्मा स्थायी है, वही भीतर-बाहर सर्वत्र विद्यमान है। जैसे स्विच ऑन करते ही अंधकार मिट जाता है, वैसे

ही ब्रह्मज्ञान से अज्ञानता का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है। सतगुरु माता जी ने कहा कि आत्ममंथन का अर्थ आत्मविवेचन है अपनी गलतियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारना। जब मनुष्य निरंकार की उपस्थिति में नम्रता और समर्पण से जीता है, तभी उसका जीवन प्रेम और भक्ति से भर जाता है। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल आशिम कुमार घोष अपनी अर्धांगिनी सहित समागम में पहुंचे। उन्होंने सतगुरु माता सुदीक्षा जी एवं निरंकारी राजपिता जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और निरंकारी मिशन की मानवता एवं एकत्व की भावना की सराहना की। राज्यपाल ने सेवादल के अनुशासन, समर्पण और सेवा-भाव की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अनुकरणीय उदाहरण है। समागम के दूसरे दिन का शुभारंभ भव्य सेवादल रैली से हुआ, जिसमें भारत और विदेशों से हजारों सेवादल बहन-भाईयों ने भाग लिया। व्यायाम, नाटिका, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मिशन की शिक्षाओं पर आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा-भाव की अभिव्यक्ति की गई।

हरियाणा में शिक्षा, खेल, कृषि व आद्यौगिक क्षेत्र में की प्रगतिःबड़ौली

एजेंसी
सोनीपत। हरियाणा राज्य के गठन की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने दीप प्रज्ज्वलित कर उत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने हरियाणवी लोकनृत्य, गीत और प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और विरासत का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया। प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस हमारे गौरव, इतिहास और परिश्रम की याद दिलाता है। हरियाणा के किसान, जवान और खिलाड़ी हर क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य ने शिक्षा, खेल, कृषि, उद्योग और तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। युवाओं से आह्वान किया कि वे आत्मविश्वास और परिश्रम से हरियाणा का नाम ऊंचा करें और ऐसा कोई कार्य न करें जिससे प्रदेश की प्रतिष्ठा प्रभावित हो। राई विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि हरियाणा हरियाणा एक-हरियाणवी एकसंकल्प के साथ तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रदेश ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क तंत्र, कृषि और किसान कल्याण में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि हरियाणा की स्थापना का दिन गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। यह धरती त्याग, धर्म और विश्वास की प्रतीक रही है। उन्होंने महिलाओं को शासन और समाज में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने को महिला सशक्तिकरण की बड़ी उपलब्धि बताया। गन्नौर विधायक देवेन्द्र कादियान ने कहा कि हरियाणा देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें आमजन की मेहनत प्रमुख आधार रही है। मेयर राजीव जैन ने कहा कि संसाधनों की कमी के बावजूद हरियाणा शिक्षा, उद्योग, खेल, सेना और संस्कृति सहित हर क्षेत्र में मिसाल बन चुका है।

अदाणी सोलर ने 15,000 मेगावाट सौर मॉड्यूल वितरित कर इतिहास रचा

नई दिल्ली

अदाणी सोलर ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 15,000 मेगावाट सौर मॉड्यूल भेजकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसमें से 10,000 मेगावाट भारत में तैनात किए गए और 5,000 मेगावाट विदेशों में निर्यात हुए। यह लगभग 2.8 करोड़ मॉड्यूल के बराबर है, जो 7,500 फुटबॉल मैदानों को कवर कर सकते हैं। कंपनी के लगभग 70 प्रतिशत मॉड्यूल भारत में बने सौर सेल का उपयोग करके उत्पादित किए गए हैं। इससे 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत पहल को मजबूत समर्थन मिलता है। अदाणी सोलर अगले वित्त वर्ष तक अपनी उत्पादन क्षमता को 4,000 मेगावाट से बढ़ाकर 10,000 मेगावाट करने का लक्ष्य रखता है। इसके अलावा आने वाले वर्षों में अतिरिक्त 15,000 मेगावाट उत्पादन करने की योजना है। एक शोध फर्म ने अदाणी सोलर को दुनिया के शीर्ष 10 सौर मॉड्यूल उत्पादकों में शामिल किया है और यह एकमात्र भारतीय कंपनी है। कंपनी 550 से अधिक जिलों में अपने 35 चैनल पार्टनर के माध्यम से देश का सबसे बड़ा सौर मॉड्यूल वितरण नेटवर्क संचालित करती है। अदाणी सोलर की खेप 50 लाख घरों को सौर ऊर्जा प्रदान कर सकती है, 2,500 हरित नौकरियाँ सृजित करेगी, और सालाना 6 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम कर सकती है। यह 65,000 किलोमीटर तक फैले मॉड्यूल पृथ्वी का 1.5 बार चक्कर लगाने के बराबर हैं। 2014 में भारत की सौर क्षमता 2.3 गीगावाट थी, जो 2025 तक लगभग 100 गीगावाट होने का अनुमान है।

पिडिलाइट को दूसरी छमाही में बिक्री में दो अंकीय वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली पिडिलाइट के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कंपनी को चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में दो अंक की अंतर्निहित मात्रा वृद्धि की उम्मीद है, जिसे इसके ब्रांड को आगे बढ़ाने के कदमों के साथ-साथ उत्पाद नवोन्मेषण और विपणन पहल से मदद मिलेगी। उन्होंने कंपनी के तिमाही नतीजों के बाद एक वर्चुअल मीडिया गोलमेज सम्मेलन में कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि दूसरी छमाही में उच्च एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) के साथ यह गति जारी रहेगी, क्योंकि उत्पादन लागत अभी भी स्थिर बनी हुई है। इसलिए पहली छमाही में हमने जो दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि हासिल की है, हम दूसरी छमाही में भी उसी गति को जारी रखना चाहते हैं। एडहेसिव, सीलेंट और निर्माण रसायन बनाने वाली इस कंपनी की सितंबर तिमाही की एकीकृत शुद्ध बिक्री 9.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,540 करोड़ रुपये रही है। इसके अलावा, इसके एबिटा में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विकोल, एम-सील, फेविक्विक, डॉ. फिक्सिट और एराल्डाइट बनाने वाली इस कंपनी ने चुनौतीपूर्ण वृहद आर्थिक माहौल में भी क्रमिक सुधार और बेहतर परिचालन मार्जिन के साथ दोहरे अंक की अंतर्निहित मात्रा में बढ़त दर्ज की है।

सितंबर में चाय का उत्पादन 5.9 फीसदी कम हुआ

कोलकाता सितंबर, 2025 के दौरान चाय का उत्पादन 5.9 प्रतिशत घटकर 15.99 करोड़ किलोग्राम रह गया है। पिछले साल समान अवधि में यह 16.99 करोड़ किलोग्राम था। चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार सितंबर, 2025 के दौरान असम में चाय उत्पादन 9.47 करोड़ किलोग्राम पर लगभग स्थिर रहा, जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 9.40 करोड़ किलोग्राम था। पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन घटकर चार करोड़ किलोग्राम से कुछ अधिक रहा, जो 2024 के इसी महीने में 4.83 करोड़ किलोग्राम था। उत्तर भारत, जिसमें असम और पश्चिम बंगाल राज्य शामिल हैं, में चाय उत्पादन सितंबर, 2025 में घटकर 13.86 करोड़ किलोग्राम रह गया, जो 2024 के इसी महीने में 14.69 करोड़ किलोग्राम था। आंकड़ों के अनुसार दक्षिण भारत में सितंबर, 2025 में उत्पादन मामूली रूप से घटकर 2.12 करोड़ किलोग्राम रह गया, जबकि 2024 के इसी महीने में यह 2.29 करोड़ किलोग्राम था।

प्रधानमंत्री मोदी 3 नवंबर को करेंगे ईएसटीआईसी का उद्घाटन

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को सुबह 9:30 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी 2025) का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। कॉन्क्लेव का उद्देश्य देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट और इनोवेशन इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करना है। प्रधानमंत्री इस मौके पर 1 लाख करोड़ रुपये के रिसर्च एंड डेवलपमेंट और इनोवेशन (आरडीआई) स्कीम फंड की भी शुरुआत करेंगे। यह योजना विशेष रूप से निजी क्षेत्र संचालित रिसर्च और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए है। 3 से 5 नवंबर तक आयोजित इस सम्मेलन में 3,000 से अधिक प्रतिभागी, नोबेल पुरस्कार विजेता, वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल होंगे। चर्चा के प्रमुख क्षेत्र हैं: एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्पेस, हेल्थ, एनर्जी, बायो-मैन्युफैक्चरिंग और अन्य।

एचयूएल को 1,987 करोड़ का कर नोटिस, कंपनी करेगी अपील

मुंबई हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कर अधिकारियों से लगभग 1,987 करोड़ रुपए का नोटिस मिला है। इसमें संबंधित पक्षों से लेन-देन के मूल्यांकन और डिप्रीशिएशन के दावों पर सवाल उठाए गए हैं। कंपनी ने कहा कि इसका उसके वित्तीय परिणाम या संचालन पर कोई महत्वपूर्ण असर नहीं होगा और वह नोटिस के खिलाफ अपील करेगी। एचयूएल ने वित्त वर्ष 21 में कुल शुद्ध लाभ 3.8 फीसदी बढ़कर 2,694 करोड़ रुपए दर्ज किया। राजस्व में 2.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और वॉल्यूम ग्रोथ स्थिर रही। ऐ बि टिडा मार्जिन 23.2 फीसदी रहा, जो पिछले साल की तुलना में 90 बेसिस प्वॉइंट कम है। कर और अपवादात्मक मदों से पहले लाभ 4.8 फीसदी गिरकर 3,386 करोड़ रुपए रहा।

आरबीआई का ताजा अपडेट.....5817 करोड़ के 2 हजार के नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस नहीं आए

नई दिल्ली देशभर में फिर 2000 रुपये के नोट सुर्खियों में हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने ताजा आंकड़े बताते हैं कि 2000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू होने के डेढ़ साल बाद भी 5817 करोड़ रुपये मूल्य के ये नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस नहीं आए हैं। यह खुलासा तब हुआ है, जब अधिकांश लोग मान चुके थे कि ये नोट पूरी तरह से सिस्टम से गायब हो चुके हैं। आरबीआई ने कहा कि 19 मई 2023 को जब 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई थी, तब इनकी कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपये थी। अब यह घटकर मात्र 5817 करोड़ रुपये रह गई है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, अब तक 98.37 प्रतिशत 2000 रुपये के नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि 2000 रुपये के नोट अभी भी कानूनी मुद्रा हैं और किसी भी लेन-देन में इन्हें स्वीकार कर सकते है। हालांकि, इनकी छपाई पूरी तरह बंद है और बैंक इन्हें फिर से जारी नहीं कर रहे हैं। वापसी की सुविधा को आसान बनाने के लिए आरबीआई के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में 19 मई 2023 से ही इन नोटों को जमा या एक्सचेंज करने की व्यवस्था है। 9 अक्टूबर 2023 से यह प्रक्रिया और सरल कर दी गई। अब लोग इंडिया पोस्ट के माध्यम से अपने 2000 रुपये के नोट किसी भी आरबीआई कार्यालय में भेजकर अपने बैंक खाते में जमा करवा सकते हैं। आरबीआई ने कहा कि वह समय-समय पर 2000 रुपये के नोटों की वापसी की स्थिति पर अपडेट जारी करता रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ नोट ग्रामीण क्षेत्रों या नकद-आधारित कारोबारों में अभी भी फंसे हो सकते हैं। वहीं, कई लोग इन्हें स्मृति चिह्न या संग्रह के रूप में सुरक्षित रखे हुए हैं।

आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

रुपया और डॉलर की चाल निवेशक सेंटीमेंट को प्रभावित करेगी

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में घरेलू अर्थव्यवस्था के आंकड़े और वैश्विक कारक बाजार को दिशा देंगे। इस आने वाले सप्ताह में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई कड़े जारी होने हैं। इसके अलावा, अक्टूबर के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और वाहनों की बिक्री से शनिवार को आये आंकड़ों का असर भी सोमवार को बाजार खुलने पर दिखेगा। इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों की चाल कई बड़े कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें दूसरी तिमाही के कॉर्पोरेट रिजल्ट्स, मैक्रोइकॉनॉमिक डेटा रिलीज और ग्लोबल ट्रेंड्स सबसे अहम रहेंगे। हालांकि सप्ताह छोटा रहेगा क्योंकि बुधवार को गुरु नानक गुरुपुरब के अवसर पर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते का ट्रेडिंग सेशन भले छोटा है, लेकिन यह इवेंटफुल रहेगा। कई बड़ी कंपनियों के रिजल्ट्स इस हफ्ते आने वाले हैं, जो बाजार की दिशा तय करेंगे। इसके साथ ही एचएसबीसी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, सर्विसेज पीएमआई और कंपोजिट पीएमआई जैसे डेटा घरेलू ग्रोथ की रफ्तार पर संकेत देंगे।इस हफ्ते जिन बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं, उनमें शामिल हैं, भारती एयरटेल, टाइटन, अदनी इंटरप्राइजेस, अदाणी पोर्ट, इंटरग्लोब एवशन, मे हिंद्रा एंड मे हिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इं डिया, ल्यू पिन, बजाज आटो और हिंडाल्को इन सभी कंपनियों के नतीजे बाजार की सेंटीमेंट को शॉर्ट टर्म में प्रभावित कर सकते हैं। घरेलू आर्थिक मोर्चे पर निवेशकों की नजर इस हफ्ते जारी होने वाले एचएसबीसी पीएमआई डेटा पर रहेगी। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और कंपोजिट पीएमआई रीडिंग्स यह दिखाएंगी कि भारत की आर्थिक गतिविधियों में कितनी मजबूती या सुस्ती है। इसके अलावा, रुपया-डॉलर की चाल और क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बाजार को दिशा देंगे। इस हफ्ते मैक्रो डेटा का कैलेंडर व्यस्त रहेगा। भारत और दुनिया के बड़े देशों के पीएमआई से वैश्विक ग्रोथ की झलक मिलेगी। इसके अलावा, रुपया और डॉलर की चाल निवेशक सेंटीमेंट को प्रभावित करेगी। बाजार की निगाह इस हफ्ते ग्लोबल डेवलपमेंट्स पर भी रहेगी। अमेरिका और भारत के बीच चल रही ट्रेड टॉक्स, चीन और यूरोप के इंडस्ट्रियल आउटपुट डेटा, और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स जैसे फैक्टर्स पर विशेषज्ञ करीब से नज़र रखेंगे।

वाणिज्य मंत्रालय ने भंडार आधारित ई-कॉमर्स निर्यात पर विभिन्न विभागों से विचार मांगे

कंपनी का मुख्य उद्देश्य, छोटे खुदरा विक्रेताओं को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से ई-कॉमर्स में भंडार-आधारित मॉडल में केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए एफडीआई की अनुमति देने पर विचार मांगा है। मंत्रालय ने इस संबंध में एक नोट जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रस्ताव का लक्ष्य छोटे खुदरा विक्रेताओं को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना है। वर्तमान में देश की एफडीआई नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं देती है। केवल मार्केटप्लेस मॉडल के माध्यम से काम करने वाली कंपनियों, जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट में स्वतः मंजूर मार्ग से इसकी 100 प्रतिशत अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव मौजूदा एफडीआई नीति के अनुपालन में, ई-कॉमर्स इकाइयों को ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में, विशेष रूप से भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं और उत्पादों के निर्यात के लिए अनुमति देने का है। एफडीआई नीति के अनुसार ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल का अर्थ ऐसी ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की इन्वेंट्री का स्वामित्व ई-कॉमर्स इकाइयों के पास होता है। दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के बाजार-आधारित मॉडल का अर्थ है, किसी ई-कॉमर्स इकाई द्वारा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक सुविधा प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक सूत्रधार के रूप में कार्य करे।

अक्टूबर में यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

रोजाना हुए 668 मिलियन ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली अक्टूबर 2025 में भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया। अक्टूबर में 20.7 अरब लेनदेन हुए जिनका कुल मूल्य *27.28 लाख करोड़ रुपए रहा, जो सितंबर की तुलना में क्रमशः 5 और 10 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। यह उछाल मुख्य रूप से त्योहारों के मौसम और जीएसटी 2.0 से मिले प्रोत्साहन के कारण देखने को मिला। पेनियरबी के एक अे धिकारी ने कहा कि यूपीआई ने छोटे-बड़े व्यापारों को आसान, सुरक्षित और भरोसेमंद लेनदेन का अनुभव दिया है। साल-दर-साल लेनदेन में 25 फीसदी और मूल्य में 16 फीसदी वृद्धि यह दिखाती है कि भारत तेजी से डिजिटल भुगतान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही आईएमपीएस, फास्टैग और एईपीएस जैसे अन्य प्लेटफॉर्मों पर भी क्रमशः 3, 8 और 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, पाम-पामोलीन तेल में गिरावट

महंगे सरसों के कारण लिवाली प्रभावित हुई, मांग कम होने से तेल-तिलहन की कीमतों दबाव में

नई दिल्ली

बीते सप्ताह महंगे सरसों के कारण लिवाली प्रभावित रही, जिससे सरसों तेल-तिलहन की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। लिवाली प्रभावित होने से सरसों तेल-तिलहन, लागत से कम दाम पर बिकवाली से सोयाबीन तेल, मलेशिया में बाजार टूटने से पाम एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई। दूसरी ओर, कम हाजिर दाम पर किसानों की बिकवाली घटने से सोयाबीन तिलहन, उत्पादक राज्यों में बरसात के मौसम के कारण आवक प्रभावित होने से मूंगफली तेल-तिलहन एवं बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह भी महंगे सरसों की लिवाली प्रभावित रहने के कारण सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही। वहीं महाराष्ट्र, गुजरात और कुछ अन्य राज्यों में बरसात जैसे मौसम की वजह से मंडियों में कमजोर आवक के कारण सोयाबीन तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-7,000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः2,440-2,540 रुपये और 2,440-2,575 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 50-50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,475-4,525 रुपये और 4,175-4,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन दिल्ली तेल का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,200 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,900 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 10,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार का मार्केट कैप 95,447 करोड़ बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक लाभ हुआ

मुंबई

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 95,447.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक लाभ हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 47,431.32 करोड़ रुपये बढ़कर 20,11,602.06 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 30,091.82 करोड़ रुपये का इजाफा किया और इसका मूल्यांकन 8,64,908.87 करोड़ रुपये पर रहा। भारती एयरटेल का बाजार मूल्य 14,540.37 करोड़ रुपये बढ़कर 11,71,554.56 करोड़ रुपये हुआ और एलआईसी ने 3,383.87 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,65,897.54 करोड़ रुपये का मूल्यांकन हासिल किया। वहीं शीर्ष 10 कंपनियों में छह कंपनियों के बाजार मूल्य में गिरावट देखी गई, जो कुल 91,685.94 करोड़ रुपये रही। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 29,090.12 करोड़ रुपये घटकर 6,48,756.24 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक की गिरावट 21,618.9 करोड़ रुपये रही और इसका मूल्यांकन 9,61,127.86 करोड़ रुपये पर पहुंचा। इन्फोसिस 17,822.38 करोड़ रुपये घटकर 6,15,890 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 11,924.17 करोड़ रुपये घटकर 5,79,561.93 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस के बाजार मूल्य में क्रमशः 9,547.96 करोड़ रुपये और 1,682.41 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। समीक्षाधीन सप्ताह में टॉप 10 कंपनियों की रैंकिंग में बड़े बदलाव नहीं हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

डिजिटल गोल्ड का बढ़ता चलन, अब मोबाइल ऐप पर भी चमक रहा 'सोना'

डिजिटल गोल्ड अभी तक आरबीआई या सेबी के रेगुलेशन के अंतर्गत नहीं आता

नई दिल्ली

भारत में सोना सिर्फ एक निवेश नहीं, बल्कि भावनाओं का प्रतीक है। शादी-ब्याह से लेकर शुभ अवसरों तक, हर घर में कभी न कभी सोना खरीदा गया है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है। पारंपरिक ज्वेलरी दुकानों की जगह अब मोबाइल ऐप्स ने ले ली है। पेटीएम, फोनपे और ग्रो जैसे प्लेटफॉर्म अब लोगों को सिर्फ 10 रुपए से 24 कैरेट सोने में निवेश की सुविधा दे रहे हैं। डिजिटल गोल्ड का अर्थ है ऐसा सोना जो ऑनलाइन खरीदा जाता है, लेकिन असल में सुरक्षित वॉल्ट में एमएमटीसी-पीएएमपी या सेफगोल्ड जैसी कंपनियों द्वारा रखा जाता है।

यानी आपका सोना मौजूद रहता है, बस वह आपके घर की बजाय सुरक्षित लॉकर में होता है। इसे कभी भी खरीदा या बेचा जा सकता है, और रकम तुरंत बैंक खाते में आ जाती है।

इसके मुकाबले फिजिकल गोल्ड अब भी भारतीयों की पहली पसंद है क्योंकि यह हाथ में होता है और जरूरत के समय तुरंत काम आता है। हालांकि, इसमें मेकिंग चार्ज, शुद्धता की जांच और चोरी का खतरा जैसी दिक्कतें भी हैं।

वहीं, डिजिटल गोल्ड सुविधाजनक होने के बावजूद अभी तक आरबीआई या सेबी के रेगुलेशन के अंतर्गत नहीं आता और 2 लाख रुपए तक की सीमा रखता है। टैक्स के मामले में दोनों समान हैं, तीन साल के भीतर बेचने पर मुनाफा आपकी इनकम में जुड़ता है, जबकि तीन साल बाद 20 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है। छोटे निवेशकों के लिए डिजिटल गोल्ड एक आसान और सुरक्षित विकल्प बन रहा है। लेकिन जो लोग सोना पहनने या घर में रखने की सोचते हैं, उनके लिए असली सोना ही बेहतर रहेगा।

सैमसंग और महिंद्रा ने मिलकर किया डिजिटल कार की फीचर लॉन्च

नई दिल्ली

भारत में सैमसंग कंपनी ने महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए डिजिटल कार की फीचर लॉन्च किया है। अब सिर्फ फोन निकालिए, एक टैप कीजिए और कार सफर के लिए तैयार हो जाएगी। इस टेक्नोलॉजी की मदद से गैलेक्सी स्मार्टफोन यूजर्स बिना फिजिकल चाबी के अपनी गाड़ी को लॉक, अनलॉक और स्टार्ट कर सकेंगे। महिंद्रा इस डिजिटल इनोवेशन को अपनाने वाली भारत की पहली ऑटोमोबाइल कंपनी बन गई है। यह फीचर फिलहाल कंपनी की एक्सईवी 9ई और बीई 6 इलेक्ट्रिक एसयूवी में उपलब्ध कराया गया है। इन गाड़ियों के मालिक अब सैमसंग वालेट ऐप के जरिए अपनी कार को पूरी तरह से कंट्रोल कर पाएंगे, जिससे उन्हें हर वक्त फिजिकल चाबी साथ रखने की जरूरत नहीं होगी।

इस डिजिटल कार-की का इस्तेमाल करना बेहद आसान है। यूजर को अपनी महिंद्रा ईवी को सैमसंग वालेट में लिंक करना होगा। इसके बाद फोन एनएफसी या अल्ट्रा-वाइडबंद तकनीक से कार से कनेक्ट हो जाएगा। जैसे ही यूजर कार के पास पहुंचेगा, वाहन अपने आप अनलॉक हो जाएगा और अंदर बैठने पर सिर्फ एक टैप से इंजन स्टार्ट किया जा सकेगा। इस फीचर की सबसे दिलचस्प बात यह है कि डिजिटल की को दूसरे लोगों के साथ भी शेयर किया जा सकता है। यूजर चाहें तो सीमित समय के लिए किसी परिवार सदस्य या दोस्त को एक्सेस दे सकते हैं।

निर्धारित समय पूरा होते ही यह एक्सेस अपने आप समाप्त हो जाता है। अगर यूजर का फोन खो जाता है, तो सैमसंग फाइंड सर्विस की मदद से वह अपना डिवाइस रिमोटली लॉक या डाटा डिलीट कर सकता है। इसके साथ ही डिजिटल की भी तुरंत डिसेबल हो जाएगी। बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन और पीआईएन वेरिफिकेशन जैसे मजबूत सिक्योरिटी लेयर यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति आपकी कार को एक्सेस न कर सके। सिक्योरिटी के लिहाज से यह फीचर पूरी तरह सुरक्षित है।

घोषणा-पत्रः लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

ललित गर्ग

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता।

यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने ह्यसंकल्प पत्रह्ल में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने ह्यतेजस्वी प्रणह्ल में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

बिहार की रक्तरंजित राजनीति व जातीय समीकरणों का नया गणित

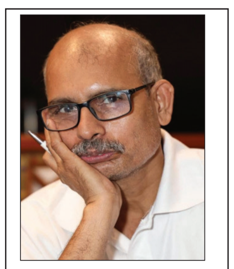

विनोद कुमार सिंह

बिहार विधान सभा चुनाव 25 की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है। बिहार विधान सभा के इस चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है ।

बिहार विधानसभा चुनाव 25 के प्रथम चरण से पहले ही मोकामा में हुई जन सुराज समर्थक नेता दुलार चंद यादव की हत्या ने राज्य की राजनीति में सनसनी मचा दी है।यह घटना न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरी चोट है,बल्कि यह बिहार की उस पुरानी सियासी संस्कृति को भी उजागर करती है,जहाँ बाहुबल, जाति और सत्ता का संगम अक्सर खून-खराबे का सबब बनता है।हत्या से उपजा सियासी तूफान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता दुलार चंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई।उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के समर्थकों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और फिर यादव को कार से कुचल दिया।वहीं अनंत सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि जन सुराज समर्थकों ने उनके काफिले पर पथराव किया,जिसमें उनके कई समर्थक घायल हुए औरअफरातफरी में किसी ने गोली चला दी।इस घटना ने मोकामा की राजनीति को आग में झोंक दिया है।तेजस्वी यादव,पप्पू यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।पप्पू यादव ने कहा,'हर बड़ी घटना में अनंत सिंह का नाम क्यों आता है?' यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।दुलारचंद यादव कभी लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। टाल क्षेत्र में उनका वर्चस्व रहा और वे 1990 के दशक में मोकामा से चुनाव भी लड़ चुके थे।उनका नाम राजनीति के साथ-साथ अपराध की दुनिया से भी जुड़ा रहा।हाल के वर्षों में वे जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी उर्फ लल्लू मुखिया के समर्थक बने और खुलेआम अनंत सिंह के खिलाफ बयान देने लगे।यही विरोध अबउनके जीवन का अंत साबित हुआ।बिहार विधान सभा चुनाव में मोकामा : -सर्व विदित रहे कि बिहार में बाहुबल और राजनीति की प्रयोगशाला पटना से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित मोकामा है । यहाँ की विधानसभा क्षेत्र बिहार की राजनीति का प्रतीक-क्षेत्र बन चुका है ।यहाँ जाति,बाहुबल और जनाधार का अनोखा समीकरण है।1951 में गठित यह विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है।यहाँ का इतिहास बताता है कि 1990 के दशक से बाहुबली नेताओं का बोलबाला रहा है।पहले 'बड़े सरकार' दिलीप सिंह,फिर 'छोटे सरकार'अनंत सिंह।अनंत सिंह ने 2005 से 2020 तक पाँच बार इस सीट पर विजय हासिल की-चाहे वे जदयू,राजद या निर्दलीय उम्मीदवार रहे हों।2020 में जेल से चुनाव जीतने के बाद भी उनका प्रभाव अडिग रहा,और 2022 में पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में विजेता बनाकर उन्होंने अपना किला बचाए रखा।विधान सभा चुनाव जीत की कुंजी मोकामा की सामाजिक संरचना बिहार की सियासत का सूक्ष्म प्रतिबिंब है।भूमिहार समुदाय यहाँ निर्णायक भूमिका में है, परंतु यादव, कुर्मी, धानुक, पासवान और अति पिछड़ी जातियाँ भी परिणाम तय करती हैं।दुलारचंद यादव की हत्या से यादव और ओबीसी वर्ग में गुस्सा देखा जा रहा है,जो जनसुराज और राजद के पक्ष में लामबंदी की भूमिका निभा सकता हैवहीं,भूमिहार मतदाता परंपरागत रूप से अनंत सिंह के साथ रहे हैं,लेकिन इस घटना ने उनके बीच भी असहजता पैदा की है।यदि यह असंतोष जदयू के कोर वोट बैंक में सेंध लगाता है,तो मोकामा का 'अभेद्य किला' दरक सकता है।इसका राजनीतिक प्रभाव और संभावित परिणाम -1.जनसुराज पार्टी के लिए सहानुभूति लहर-हत्या ने पीयूष प्रियदर्शी के लिए सहानुभूति की जमीन तैयार कर दी है।

2.अनंत सिंह की छवि पर आघात - बाहुबली की पहचान अब उनके लिए शक्ति नहीं,बोझ बन सकती है।

3.राजद और कांग्रेस के लिए अवसर -यादव और अति पिछड़े मतदाताओं के एकजुट होने से महागठबंधन को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।

4.एनडीए की रणनीति पर दबाव – जदयू और बीजेपी के लिए यह सीट अब 'सम्मानजनक हार' से बचाने की चुनौती बन गई है।

बिहार विधान सभा चुनाव की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है।बिहार के इस विधान सभा चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है।दुलारचंद यादव की हत्या सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक चेतना की हत्या है जो बिहार को बदलाव की राह पर ले जाने की कोशिश कर रही थी।मोकामा का ऐतिहासिक गौरव और आज का विरोधाभास-1908 में यहीं मोकामा घाट स्टेशन पर क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी ने ब्रिटिश मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की हत्या के प्रयास के बाद आत्मबलिदान दिया था।आज वही भूमि राजनीतिक हिंसा और बाहुबलीकरण का प्रतीक बन चुकी है-यह बिहार की विडंबना है कि जहाँ कभी क्रांति के लिए गोली चली थी,अब सत्ता के लिए चलती है।दुलारचंद यादव हत्याकांड ने बिहार के पहले चरण के चुनाव को एक भावनात्मक मोड़ दे दिया है।यदि यह मामलाजनमानस में अनंत सिंह के खिलाफ लहर बनाता है,तो यह मोकामा ही नहीं,आस-पास की सीटों पर भी असर डाल सकता है।दूसरी ओर,यदि एनडीए इसे राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में पेश कर पाने में सफल रहा,तो परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।लेकिन इतना तय है कि मोकामा की यह रक्तरंजित घटना 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को जातीय और नैतिक दोनों ही दृष्टियों से निर्णायक मोड़ पर पहुँचा चुकी है। मूल प्रश्न यह नहीं कि किसने गोली चलाई बल्कि यह कि बिहार में लोकतंत्र कब तक बंदूक की नली से निकलेगा।जो आगामी वर्ष होने वाले पश्चिमी बंगाल,उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में होने विधान सभा चुनावों व भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्रवाद ' लिंग भेद भाव के पड़नें वाले प्रभाव भारत की राजनीति के लिए खतरें की घंटी है।

काला शनिवार : श्मशानघाट बन गया मंदिर,भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं लाशों के अंबार लगते जा रहे हैं हर माह ऐसे हादसे हो रहे हैं' सितम्बर में हुई घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की एक नवंबर 2025 को आंध्रप्रदेश में फिर घटना हो गईं' वेंकटेशवर स्वामी मंदिर में रेलिंग टूटने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए मंदिर पल भर में श्मशानघाट बन गया भगदड़ मचने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं यह दुःखद हादसा शनिवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब हुआ 'ऐसी ही भगदड़ की घटना बीते 27 सितम्बर को तमिलनाडु के करूर में तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड मचने से 39 लोगों की मौत हो गईं थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' 17 महिलाओं की मौत हो गई थी 'मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे ' करूर के जिस मैदान में यह हादसा हुआ था वहाँ केवल.10000 लोगों की क्षमता थी 'लेकिन यहां लगभग 30000 से अधिक लोग मौजूद थे' भगदड़ मचने से ज्यादातर मोटे हुई हैं मौत का कारण दम घुटना था ' शनिवार को चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया' पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था ' सरकार ने मृतकों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया है' गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धांलुओं की मौत हो गईं थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे ' मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ था ' मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था 'यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी ' 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गईं थी और काफी लोग घायल हुए थे ' 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गईं थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं ' 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे ' मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं ' कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो.रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें। वक़्त अभी संभलने का है'

श्रृंगार आपके व्यक्तित्व में लगाए

चार चांद

शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में सजने-संवरने की आकांक्षा को पंख लग ही जाते हैं। कुछ बातों का ध्यान रख कर आप ऐसे मौसम में अपनी खूबसूरती को और निखार सकती हैं। पारंपरिक श्रृंगार आपके रूप-रंग में चार-चांद लगा देते हैं। यदि आप भी पारंपरिक रंग में अपने आप को रंगने की सोच रही हैं तो ऐसे मौके पर लहंगा, साड़ी या सूट को अपने लिए चुन सकती हैं।

परफेक्ट शुरुआत के लिए सबसे पहले फेस प्राइमर लगाएं। इसे लगाने से चेहरे की छोटी-छोटी खामियां जैसे फाइन लाइन्स, ओपन पोर्स और पिट्स भर जाएंगे और मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा। सर्दियों के इस मौसम में बेस ऐसा हो, जो आपकी त्वचा को फ्लॉलैस लुक देने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करें। ऐसे में फाउंडेशन के तौर पर टिंटिड मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम हो जाएगी और ग्लोइंग नजर आएगी। त्वचा पर यदि कोई एक्ने या स्कॉर्स है तो उसे कंसीलर की मदद से कंसील कर लें।

अपनी त्वचा टोन से मैच करता ब्लशऑन लगाएं। जैसे गोरे मुखड़े पर पिंक कलर का ब्लशऑन इस्तेमाल करें और यदि सांवली हैं तो आप पर पीच शेड का ब्लशर बहुत अच्छा लगेगा। नाक के दोनों साइड, चीक्स बोंस और डबल चिन को छुपाने के लिए डार्क ब्राउन शेड के ब्लशऑन से कॉन्टोरिंग कर लें। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। चीक्स बोन्स पर हाइलाइटर जरूर इस्तेमाल करें।

इन दिनों ऑरेंज, रेड और वाइन शेड काफी चलन में हैं। अपनी आंखों को इन शेड्स से सजाएं और आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाइलाइट करें। ये इस मौसम में और भी खूबसूरत लगेंगे। इसलिए आई-मेकअप करते वक्त इन्हें जरूर शामिल करें। अपनी आंखों को ब्लैक जैल आइलाइनर से खूबसूरत शेप दें और आंखों में काजल जरूर लगाएं।

इस मौके पर आंखों के आउटर या इनर कॉर्नर पर स्वरोस्की का इस्तेमाल करने से आई-मेकअप और भी खूबसूरती से उभर कर आएगा। पलकों पर मसकारा का डबल कोट लगाकर उन्हें लंबा व खूबसूरत दिखाएं।

लिप्स का पूरा ध्यान रखें

आंखों पर डार्क मेकअप करने के बाद लिप्स पर ब्रॉन्ज या रस्ट शेड की लिपस्टिक लगाएं। इसके बाद लिप सीलर से लिप्स को सील कर दें। इसे लगाने से लिपस्टिक देर तक टिकी रहेगी और लिप्स शाइन भी करेंगे। अपने श्रृंगार में पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक लाने के लिए बिंदी भी लगा सकती हैं। ब्रेड्स इन दिनों काफी चलन में हैं। बालों में फिशटेल, फ्रेंच चोटी या साइड चोटी बनाएं और चोटी को स्वरोस्की जडिम्त हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। बालों में कलर्स करवाकर उसे खुले छोड़ सकती हैं। फ्रंट से हाई पफ बनाकर एक साइड से टक कर लें और दूसरे साइड पर कलर्स रख लें। टक करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।

सफर में भी खूबसूरत!

समंदर का खारा पानी, रेगिस्तान की बालू, ट्रैकिंग की थकावट और बर्फीली हवाएं। इस बार छुट्टियां जहां भी प्लान कर रहीं हों, कीजिए और त्वचा की चिंता भूल जाइए। क्योंकि कुछ आसान सी बातों को ध्यान में रखकर आप अपनी खूबसूरती बरकरार रख सकती हैं

त्योहारों की छुट्टियां भले ही अभी हाल ही में खत्म हुई हों, पर आने वाले दिनों में छुट्टी का प्लान पक्का है। आपने अभी से ही प्लानिंग भी शुरू कर दी होगी। क्या आपने सोचा है कि छुट्टियों में आपकी त्वचा का ध्यान कौन रखेगा? जब छुट्टियों में कहीं बाहर जाएं तो इन बातों को ध्यान में रखें, ताकि सफर में भी आपकी त्वचा मुस्कुराती रहे -

पानी से निखरेगी त्वचा

लम्बी दूरी की ट्रिप पर हों या फिर एक-दो दिन की छोटी ट्रिप पर, कभी ज्यादा धूप तो कभी मौसम के बदलने का असर सीधा त्वचा पर होता है। इसलिए जरूरी है कि सफर के दौरान आप खूब सारा पानी पिएं। त्वचा को नमी पहुंचाने के लिए पानी से बेहतर कुछ और नहीं। ओरीफ्लेम इंडिया की ब्यूटी एंड मेकअप एक्सपर्ट आकृति कोचर कहती हैं, 'ट्रैवलिंग के दौरान ताजे फल और सब्जियां भी बेहतरीन ब्यूटी टीट्रमेंट साबित हो सकते हैं।'

मॉइस्चराइजर, सन ब्लॉक रखेंगे खयाल

अपने हैंडबैग में एक मॉइस्चराइजर और सन ब्लॉक हमेशा रखें। यह आपकी त्वचा का ध्यान रखेंगे और आप अपने सफर का मजा ले पाएंगी। समय-समय पर इन्हें त्वचा पर जरूर लगाएं।

सेनीटाइजर भी रखिए याद

यह कहना सही होगा एक एंटी बैक्टीरियल सैनीटाइजर आपके लिए सबसे जरूरी चीज होनी चाहिए। चाहे आप ट्रैकिंग कर रही हों या फिर हवाई यात्रा कर रही हों, हाथ गंदे तो हो ही जाते हैं। ऐसे में समय-समय पर हैंड सैनीटाइजर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। हाथ साफ होंगे तो बहुत सारी चीजों पर अच्छा असर पड़ेगा। हाथों की गंदगी आपके चेहरे पर नहीं लगेगी और आप बाहर से ही नहीं, अंदर से भी स्वच्छ रहेंगी।

हर 6 घंटे हो फेस वॉश

जब त्वचा में एक्सट्रा ऑयल इकट्ठा हो जाते हैं तो यह मुहांसों और दाग-धब्बों का कारण बनता है। इसलिए कहीं भी ट्रैवल करें, तो हर छह घंटे पर चेहरा धोना न भूलें। ज्यादा लम्बी दूरी पर जा रही हैं तो एक एंटी बैक्टीरियल फेस वॉश आपके लिए बेहद जरूरी है।

ऑयली स्किन है तो

ऐसे में फेस वॉश और सेनीटाइजर के साथ आपके पास टोनर भी होना जरूरी हो जाता है। आकृति कहती हैं कि टोनर या एस्ट्रीजेंट को साथ रख कर त्वचा को हेल्दी और साफ रखा जा सकता है। ब्लॉटिंग पेपर को भी एक्स्ट्रा ऑयल निकालने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। त्वचा पर तेल इकट्ठा नहीं होगा तो मुहांसे और दानों से भी आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी।

मेकअप टिप्स भी रखिए याद

ट्रैवलिंग के दौरान मेकअप कम से कम होना चाहिए। सबसे पहले तो त्वचा के मुताबिक मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। फिर कॉम्पेक्ट या पाउडर फाउंडेशन इस्तेमाल करें। पर, याद रखें कि यह मैट फिनिश वाले हों। त्वचा को हेल्दी ग्लो देने के लिए मैट फिनिश वाले साफ्ट पिंक या कोरल ब्लश का इस्तेमाल करें।

हॉट पार्टी कूल लुक

न्यू ईयर ईव के लिए आप वॉयलैट, ब्लैक, मैरून, पर्पल, क्रिमसन रैड कलर की कॉकटेल ड्रैस ट्राई कर सकती हैं। यदि आप साड़ी वियर कर रही हैं, तो लाइट शेड व बार्डर वाली प्लेन साड़ी पहनें, इससे आपको सॉफिस्टिकेटेड लुक मिलेगी और साथ ही आपफी होकर पार्टी एंज्वॉय कर सकेंगी। अगर आपको सर्दी का डर सता रहा है तो ट्राऊजर्स के साथ लांग स्टाइलिश कोट और मफलर पहन सकती हैं। इनके साथ बूट पहनना न भूलें। स्कर्ट के साथ फर जैकेट पहनें और साथ ही ट्राई करें कैप या हैट। लॉन्ग बूट्स स्कर्ट्स के साथ बहुत बढ़िया दिखते हैं।

कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमैंट भी खूबसूरती के साथ ट्राई करें। पर्सनैलिटी से सूट करती ड्रैस व मेकअप करें तो पार्टी में आम से खास दिख सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर ईव पर ज्यादा एक्सपैरीमैंट्स नहीं करते हुए कैजुअल लुक ही कैरी करना चाहती हैं तो भी आप बिंदास नजर आ सकती हैं। इस दौरान यह ध्यान रखें कि आप जो भी पहनें वह आप पर सूट करे और डिसैंट लुक दे। अधिक एक्सपोज करने वाली ड्रैस पहनने से बचें।

पार्टी ड्रैस

थोड़ा-सा क्रिएटिव होकर आप पार्टी की सैंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। हां, लेकिन पार्टी पर जाने से पहले यह जरूर चैक कर लें कि आपकी पार्टी के लिए कोई थीम या ड्रैस कोड तो निर्धारित नहीं किया गया है। ड्रैस वही कैरी करें, जो आपकी पर्सनैलिटी को सूट करती हो और आपको डीसैंट लुक दे। पार्टी में हैवी ड्रैसेका की बजाय लाइट ड्रैसेस कैरी करना मुनासिब होगा। हैवी एम्ब्रायड्री या वर्क वाली ड्रैस पहनने से आप एंटरटेनमैंट और एंज्वायमैंट के माहौल में कंफर्ट महसूस नहीं कर पाएंगी। न्यू ईयर ईव के लिए आप वॉयलैट, ब्लैक, मैरून, पर्पल, क्रिमसन रैड कलर की कॉकटेल ड्रैस ट्राई कर सकती हैं। यदि आप साड़ी वियर कर रही हैं, तो लाइट शेड व बार्डर वाली प्लेन साड़ी पहनें, इससे आपको सॉफिस्टिकेटेड लुक मिलेगी और साथ ही आपफी होकर पार्टी एंज्वॉय कर सकेंगी। अगर आपको सर्दी का डर सता रहा है तो ट्राऊजर्स के साथ लांग स्टाइलिश कोट और मफलर पहन सकती हैं। इनके साथ बूट पहनना न भूलें। स्कर्ट के साथ फर जैकेट पहनें और साथ ही ट्राई करें कैप या हैट। लॉन्ग बूट्स स्कट्र्स के साथ बहुत बढ़िया दिखते हैं। स्टाइलिश वूलन स्टोल भी वैस्टर्न आऊटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर ईव पर ज्यादा एक्सपैरीमैंट नहीं करते हुए कैजुअल लुक ही कैरी करना चाहती हैं तो ट्रैंडी कुर्ती के साथ वूलन लैगिंग्स में भी आप बिंदास नजर आ सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर पार्टी में मस्ती करने के मूड में जा रही हैं और बिल्कुल फ्री स्टाइल चाहती हैं, तो आपको पुराना लुक कैरी करने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ नया आजमाना चाहिए। इस बार इंडो-वैस्टर्न लुक ट्राई करें। बेशक यह अंदाज आपको डिफरैंट लुक्स देने के साथ पार्टी में कंफर्ट भी देगा।

ज्यूलरी

गुड लुक के लिए परफैक्ट ज्यूलरी का होना बहुत जरूरी है। अच्छी ज्यूलरी से डल ड्रैस को भी स्मार्ट लुक दिया जा सकता है। यदि ड्रैस को ध्यान में रखकर ज्यूलरी पहनेंगी, तो ज्यादा फैशनेबल और स्टाइलिश दिखेंगी। ज्यूलरी कुछ डिफरैंट होनी चाहिए ताकि जब आप पार्टी में जाएं, तो लोग आप पर से अपनी निगाहें हटा ही न सकें। ज्यूलरी के फैश ट्रैंड्स को एलिगैंस के साथ कैरी करें।

नैकपीस

अगर कानों में कुछ पहन रही हैं तो नैक को खाली रखें और अगर नैक में कुछ पहन रही हैं तो कानों में कुछ न पहनें। इससे आपके खूबसूरत नैकपीस या ईयररिंग्स दूसरों को अपनी ओर अट्रैक्ट कर पाएंगे। वैस्टर्न ड्रैस के साथ लॉन्ग सिंगल पर्ल नैकलैस पहना जा सकता है। हॉल्टर और हाई नैक के साथ एक मोती का नैकलाइन इस्तेमाल किया जा सकता है। आप नैकपीस को स्टेटमैंट ज्यूलरी बना रही हैं, तो यह सिंगल स्त्रिग से लेकर दो, तीन या मल्टीपल स्ट्रिग्स में हो सकती है। इसके अलावा ट्रांसपेरैंट थ्रैड में बड़े स्टोंस वाले नैकपीस फैशन में है।

ईयर रिंग्स

ईयर रिंग्स से लुक्स में इंस्टैंट चेंज आता है। इन दिनों बहुत ही खूबसूरत और अफोर्डेबल ईयर रिंग्स की रेंज बाजारों में उपलब्ध है। आप अपनी ड्रैस के स्टाइल और रंग के हिसाब से इनका चयन कर सकती हैं। बस यह ध्यान रखें कि लॉन्ग ईयररिंग्स पहनें, यानी आपकी मिड नैक तक आते हों। मैटल या ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर के बड़े ईयररिंग्स पहन सकती हैं। इंडियन ड्रैस के साथ ट्रैडीशनल और एथनिक लुक में कुंदन, पोलकी, रंगीन क्रिस्टल, मोती और बीड्स वाले ईयररिंग्स अच्छे लगेंगे। एंटीक ज्यूलरी का ऑप्शन भी आपको कुछ डिफरैंट लुक दे सकता है। जंक ईयररिंग्स वैस्टर्न ड्रैस पर खूब जंचते हैं। इससे आपका चेहरा ज्यादा सुंदर दिखेगा और अटैंशन भी हासिल करेगा।

रिंग्स

वैसे तो हर महिला हाथ में एक-दो रिंग्स हमेशा कैरी करती है, लेकिन पार्टी पर आपका अंदाज रूटीन से कुछ अलग होना चाहिए। मार्कीट में खूबसूरत रिंग्स की भी खूब वैरायटी मिल जाएगी। आजकल रंग-बिरंगे पत्थरों की बनी रिंग्स काफी पसंद की जा रही हैं, जो सिम्पल और हैवी दोनों लुक्स में मौजूद हैं। इन्हें आप अपनी ड्रैस के रंग के अनुसार पहन सकती हैं।

बैंगल्स

दोनों हाथों की बजाय सिर्फ एक ही हाथ में एक्सैसरी पहनें। इंडियन ड्रैस पहन रही हों, तो हाथों के लिए ड्रैस से मेल खाती गोल्डन या सिल्वर मिक्स्ड बैंगल्स पहनें। आप जड़ाऊ या स्टोन वाले ब्रेसलेट को भी अपनी फैशनेबल वैस्टर्न ड्रैस के साथ कैरी कर सकती हैं। स्टाइलिश वुडन आर्ट के लिए वुडन बैंगल्स भी ट्राई कर सकती हैं।

एंकलेट्स

एंकलेट्स यानी पायल का आजकल युवाओं में काफी क्रेज है। खूबसूरत एंकलेट्स ट्रैडीशनल और एथनिक लुक के साथ ही कैजुअल लुक में सुंदर दिखेंगी। ये कई रंगों में मौजूद हैं जिन्हें ट्रैडीशनल सलवार-कमीज, साड़ी, चूड़ीदार के साथ ही स्टाइलिश स्कर्ट के साथ भी पहना जा सकता है। आप एंकलेट्स ब्रेसलेट भी ट्राई कर सकती हैं।

बच्चे का गुस्सा नहीं है अच्छा

आजकल के बच्चों को भी तुरंत गुस्सा आता है। छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी तक तो ठीक है, पर अगर आपका बच्चा मारपीट करके घर आ रहा है तो आपको इस बात को गंभीरता से लेना होगा। यह जानना होगा कि इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है और उसमें सुधार कैसे संभव है। अगर समय पर आपने सही कदम नहीं उठाया तो भविष्य में आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

च्चे तो शरारती होते ही हैं। पर वे जितना शरारत में तेज होते हैं उतना ही पढ़ाई और दूसरे कामों में भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा मिले। आप उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। अगर उन्हें कहीं से भी सही प्रोत्साहन न मिले और हमेशा उनकी गलतियों पर टोका-टाकी या डांट-फटकार ही लगाई जाए तो ऐसे बच्चे अति उत्साह में कभी-कभी गलत काम भी कर बैठते हैं। एक छोटी-सी बात पर कई बार बच्चे झगड़ा एवं मार-पीट करते हैं और एक-दूसरे को हानि पहुंचा देते हैं। जब इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगती हैं तो बच्चे का व्यवहार भी आक्रामक होता जाता है।

दरअसल, बचपन में मां-बाप और शिक्षक बच्चे को कुम्हार की तरह उनके विचारों को रचते हैं। इसलिए मां-बाप और शिक्षकों को समय-समय पर सही और गलत के ज्ञान के साथ-साथ हर परिस्थिति में सामंजस्य बैठाना सिखाना चाहिए। बच्चों में स्कूल, घर और बाहर में कई कारणों से झगड़े होते हैं जो कई बार उग्र रूप ले सकते हैं। इन झगड़ों में किसी बच्चे की चीज उससे बिना पूछे लेना, सहपाठियों का मजाक उड़ाना, खुद शरारत करके दूसरे बच्चे का नाम लगा देना, सहपाठी या दोस्त को थप्पड़ मार देना आदि आम है। पर, अगर सही समय पर इन गलत आदतों को न रोका जाए तो ये बच्चे के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बच्चा घर के सदस्यों को छोटी-छोटी बात पर झगड़ते देखता है तो वो बातें उसके दिमाग में घर कर जाती हैं उसके व्यवहार में भी वो बातें आ जाती हैं। अगर घर में एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा तवज्जो मिले या फिर घर में बड़े-बुजुर्ग अधिक लाड़-प्यार में बच्चों के गलत बातों को नजरअंदाज कर दें, तो भी ऐसा होता है।

मैं नहीं हूं लड़ाकू

बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखानी चाहिए। जैसे गलती करने पर सॉरी बोलना या गलती मानना। किसी दूसरे का सामान इस्तेमाल करने से पहले उससे पूछना। ऊंची आवाज में बात नहीं करना आदि। उनके गलत व्यवहार को इस तरह से समझाना कि यदि उनके साथ कोई ऐसा करे तो उन्हें कैसा लगेगा। बच्चों को दूसरों की वस्तुओं की कद्र करना सिखाना चाहिए। आपको अपने बच्चे को यह सिखाना होगा कि नकारात्मक परिस्थिति में उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। अगर वह बहुत नाराज है तो उसे समझाना चाहिए कि वह अपने गुस्से पर कैसे काबू रखे, जैसे थोड़ी देर चुप रहना, कहीं और देखना, पानी पीना या थोड़ी देर के लिए वहां से चले जाना, उल्टी गिनती गिनना इत्यादि। आप उसके लिए स्वयं को उदाहरण बनाकर पेश करें। बच्चों की अपनी बुराई सुनना सिखाना चाहिए। इससे भविष्य में अगर कोई उसके सामने ही उसकी बुराई करेगा, तो वह उत्तेजित नहीं होगा और उसे सकारात्मक तौर पर लेगा। संभव है कि अपनी बुराई सुनकर वह खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी करे। बच्चा चिड़चिड़ापन या झगड़ालू व्यवहार का ना हो इसके लिए घर में हर समय खुशी का माहौल होना चाहिए। घर में ज्यादा से ज्यादा समय एक दूसरे के साथ गुजारें। हर छोटी-सी खुशियां शेयर करें। बच्चों को मार-पीट से दूर रहने की सलाह दें। झगड़ालू या दबंग बच्चों से दोस्ती न रखने की सलाह दें। उनकी संगत पर नजर रखें।

सर्दी के साथ लौट रहा जुकाम

ये आसान घरेलू नुस्खे रखेंगे आपका ख्याल

क्या आप जानते हैं जुकाम की वजह बनने वाले कोल्ड वायरस करीब 200 किस्म के होते हैं।

सर्दी का मौसम आ गया है और इसमें सबसे ज्यादा जुकाम के मामले सामने आते हैं। इसमें लगातार छींकें आने की वजह से सिरदर्द और बदन दर्द बना रहता है। मानसून से लेकर सर्दी आने तक लोग इसके कई-कई बार शिकार होते हैं। क्या आप जानते हैं जुकाम की वजह बनने वाले कोल्ड वायरस करीब 200 किस्म के होते हैं।

अक्सर इससे निजात पाने के लिए लोग सामान्य दवाइयों का इस्तेमाल करते हैं। इस अवस्था में पहले 24 घंटे काफी निर्णायक होते हैं। क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वायरलॉजिस्ट प्रोफेसर जॉन ऑक्सफोर्ड इसके शुरुआती स्टेज और इससे मुक्ति पाने के तरीकों के बारे में बताते हैं।

प्रोफेसर ऑक्सफोर्ड ने बताया कि जुकाम का कारण बनने वाले ये वायरस कभी भी और कहीं भी आपको घेर सकते हैं। आपको शायद अंदाजा नहीं होगा, लेकिन एक बार सांस लेने पर 10,000 से भी ज्यादा वायरस निमंत्रण दे सकते हैं, लेकिन इनमें से करीब 100 ही ऐसे वायरस होते हैं जो नाक और गले के एपीथेलियन सेल्स पर वार करते हैं। इनसे बचने के लिए आपको कई विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ऐसे पाएं राहत

- विशेषज्ञों का दावा है कि शहद और नींबू का मिश्रण जुकाम में राहत देने में काफी मददगार है।
- कोई भी काम करने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं। किसी भी पीड़ित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें।
- साल 2000 में हुई एयूएस स्टडी के मुताबिक, इस कंडीशन में चिकन सूप सबसे अच्छा खाद्य पदार्थ माना जाता है। ये जुकाम में जल्द से जल्द राहत देने में कारगर है।
- इस दौरान ऐसी चीजों का सेवन करें जो विटामिन सी युक्त हों। इसके साथ ही अगर आपके पार्टनर को जुकाम है तो उसके साथ बेड शेयर न करें।

सूखी खांसी से हैं परेशान तो शहद, अदरक और मुलेठी आएंगी आपके काम

- खांसी की समस्या दूर करने के लिए शहद, अदरक और मुलेठी बहुत फायदेमंद होती है। इसका सेवन आपकी सूखी खांसी को जल्द से जल्द ठीक कर देता है। तो आइए आपको बताते हैं कि इन तीनों का कैसे सेवन करके खांसी की समस्या को दूर करें।
- शहद और अदरक दोनों में औषधीय गुण होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी मदद करते हैं। इसके साथ ही अदरक में एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जो खांसी ठीक करने में मदद करते हैं। इन तीनों चीजों का सेवन सिर्फ खांसी ही नहीं, बल्कि गले के लिए भी फायदेमंद होता है।
- सूखी खांसी को दूर करने के लिए एक चम्मच शहद में थोड़ा सा अदरक का जूस मिला लें। उसके कुछ समय बाद मुंह में मुलेठी की छोटी सी डंडी रख लें। इससे आपका गला भी नहीं सूखेगा, इसके साथ ही सूखी खांसी से आराम भी मिलेगा।
- इसका सेवन करने से खांसी के साथ आपका गला भी ठीक रहता है। आपको किसी भी तरह की गले से संबंधित समस्या नहीं होती है।

आंखों की रोशनी इस तरह बढ़ाएं

डाइट में शामिल करनी होंगी ये जीचें

आजकल समय से पहले लोगों की आखों की रोशनी कमजोर होने लगी है, क्योंकि बदलती लाइफ स्टाइल के साथ ही हम सभी को कुछ घंटे मोबाइल या कंयूटर स्क्रीन के सामने रहना होता है, लेकिन यदि हम अपने खान-पान पर थोड़ा सा ध्यान दें तो शायद इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। जानें उन 4 चीजों के बारे में जिनके रोज खाने से आखों की रोशनी दुरुस्त रहती है-

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

गाजर

गाजर का जूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का जूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है, जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूर्ण होता है।

मछली

मछली में हाई प्रोटीन होता है। मछली आंखों के अलावा बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है।

सोयाबीन

आप अगर नॉन वेज नहीं खाते, तो आप सोयाबीन खा सकते हैं, यह आपकी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है।

रेसिपी

उड़द दाल सब्जी

सामग्री

■ उड़द दाल: 1 कप ■ प्याज: 1 (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: 1 (बारीक कटी) ■ जीरा: 1 चम्मच ■ हींग: 1/4 चम्मच ■ हल्दी: 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/2 चम्मच ■ पानी: 1/4 कप ■ धनिया पत्ती: गॉर्निशिंग के लिए ■ तेल या घी: आवश्यकता के अनुसार ■ नमक: स्वाद के अनुसार।

विधि

उड़द दाल की सूखी सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से धो लेंगे। इसके बाद इसे 4-5 घंटे पानी में भिंगोने के लिए रख दें। 4-5 घंटे बाद इसे प्रेशर कुकर में डालकर हल्का सा पानी डालें और 3 से 4 सीटी आने तक पका लें। अब एक पैन में घी या तेल गर्म करें। इसमें जीरा डालें फिर हींग, इसके बाद इसमें प्याज, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भुनें। फिर इसमें उड़द दाल, हल्दी, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक डालें। अब इसे ढंककर 3-4 मिनट पकाएं। गैस बंद कर दें। ऊपर से नींबू का रस और हरी धनिया डालकर रोटी-पराठे के साथ सर्व करें।

बैंगन करी

सामग्री

■ सरसों के दाने: 1/4 टी स्पून ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 टेबलस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1 टेबलस्पून ■ अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 टेबलस्पून ■ तेल: 3 टेबलस्पून ■ टमाटर: 100 ग्राम ■ प्याज: 100 ग्राम ■ बैंगन: 150 ग्राम ■ आलू: 150 ग्राम ■ बारीक कटा हरा धनिया ■ नमक : स्वाद के अनुसार ।

विधि

कुकर में तेल गर्म करें। अब उसमें प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट, टमाटर, हल्दी, मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डाल कर अच्छी तरह से मिलाएं और ढक्कन बंद कर दें। अब 15-20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। 4-5 सीटी आने दें। पैन में तेल गर्म कर सरसों के दाने डालें। थोड़ी देर बाद उसमें जीरा, नमक और बैंगन डालें। अच्छी तरह मिलाने के बाद ढक्कन लगाकर तीन मिनट पकने दें। पानी डालें। बैंगन को हल्का मुलायम होने दें। ग्रेवी मिला कर कुछ मिनट पकने दें। उबले आलू डालकर 5 मिनट पकाएं। गैस बंद करने के बाद कटा हुआ हरा धनिया डालें। गर्मागर्म बैंगन करी को रोटी और चावल के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2635

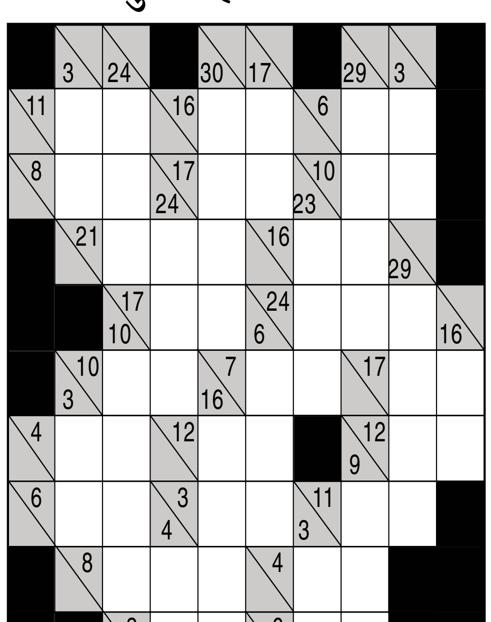

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

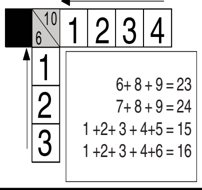

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2634 का हल

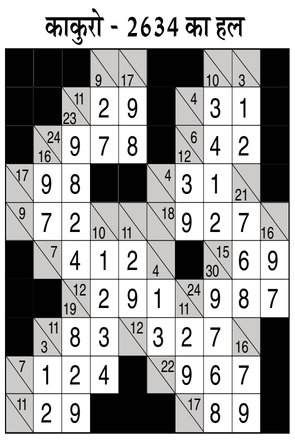

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला- 'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो. जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला- 'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा- 'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला- 'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था- 'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला- 'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी- 'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला- 'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2635

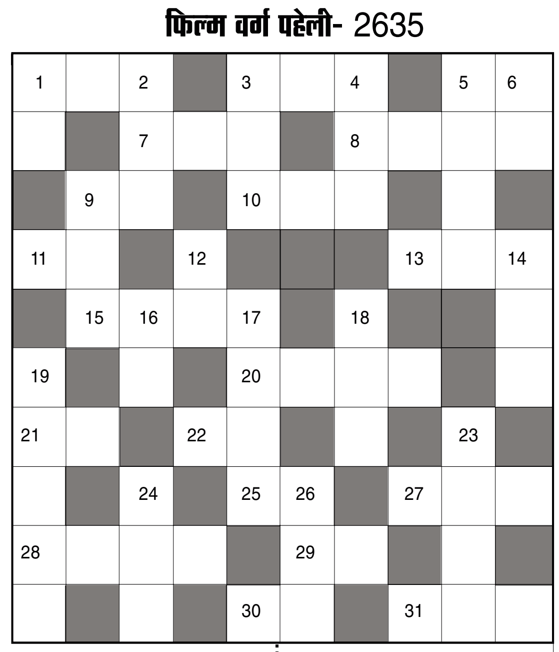

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2634

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	ना
श्ता		शू		वा	स्त	व		नू	
	दि	ल	ज	ले		ता	श		प्रि
	ल्ल		ख्म		आ	र	जू		य
सं	गी	त		खु	शी		चा	ह	त
ग		ला	वा		र्वा		चा		मा
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
	मा		रं	ग		ना	ग	म	णि

सुडोकु

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 2635

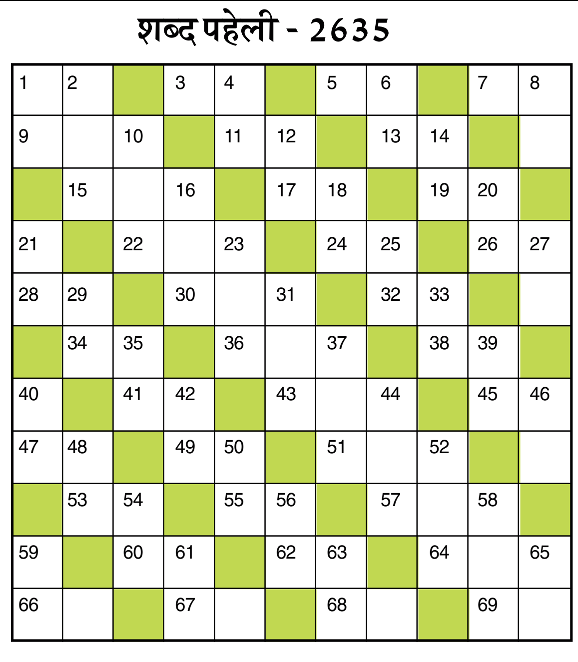

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -2634 का हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	मी			र	न	र		ड़		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	

युवा अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर देश को ऊंचाइयों तक पहुंचाने का लें संकल्प : थल सेना अध्यक्ष जनरल द्विवेदी

एजेंसी

रीवा। थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि आत्मविश्वास, साहस, स्पष्टता, साथ मिलकर कार्य करने तथा परिवर्तन ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलता दिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेना को खुली छूट दी और हमने आतंकवाद को समाप्त किया। सिंदूर अभियान की लड़ाई सिर्फ सेना ने नहीं बल्कि देशवासियों ने एकता के साथ लड़ी। युवा अपनी ऊर्जा उत्साह और सोच को सही दिशा में लगाकर देश को ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लें। अनुशासन और मार्गदर्शन मिलने से हमारे देश की युवा शक्ति भारत को और आगे ले जाने में सहायक होगी। थल सेना अध्यक्ष जनरल द्विवेदी मध्य प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर रीवा के ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में आयोजित युवा अभिप्रेरणा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि टीआरएस कॉलेज की फुटबाल टीम को देखकर हम लोग के मन में ईर्षा होती थी। हमारे पूज्य पिता जी कृष्ण द्विवेदी ने भी इस ऐतिहासिक महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई की थी। इस महाविद्यालय का मेरी परवरिश में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि रीवा में आपसी भाईचारा और सौहार्द बहुत है। यहां सब लोग मिलकर रहते हैं और उनमें अपनत्व बहुत है। रीवा की भूमि में अनेक वीर सपूत दिये हैं जिनमें कई वीरचक्र, शौर्यचक्र एवं अन्य सम्मान प्राप्त योद्धा शामिल हैं।

हैदराबाद में जल्द स्थापित होगा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी : संजय जाजू

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने घोषणा की कि हैदराबाद में जल्द ही इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे गेमिंग, एनीमेशन और डिजिटल मनोरंजन उद्योगों के विकास को और गति मिलेगी। शनिवार को हैदराबाद में आयोजित वेव्स एनीमेशन बाजार और इंडिया जॉय 2025 के 8वें संस्करण को संबोधित करते हुए संजय जाजू ने कहा कि 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिविटी एंड टेक्नोलॉजी देश में अपनी तरह का पहला संस्थान होगा, जिसके कई कैंपस देशभर में स्थापित किए जाएंगे, और इनमें से एक कैंपस जल्द ही हैदराबाद में शुरू होगा। सचिव ने तेलुगु फिल्म उद्योग के योगदान और तेलंगाना सरकार के एवीजीसी क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हैदराबाद निरंतर भारत के एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स उद्योग का केंद्र बनता जा रहा है, जो देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है और यह राष्ट्र की सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

यह जनसमर्थन बता रहा है कि अबकी बार बिहार से राजग बाहर : अखिलेश यादव

पटना/दरभंगा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा में बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित किया और केंद्र तथा राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि ये जनसमर्थन और जोश बता रहा है कि अबकी बार बिहार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार सत्ता से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस्तमाली पार्टी है, वो इस्तेमाल करने के बाद लोगों को बर्बाद करती है। उन्होंने कहा कि लोग पलायन की बात कर रहे हैं, आप ही बताओ आज बिहार में पलायन क्यों है? वास्तव में यह भाजपा की वजह से है। बिहार की जनता इस बार भाजपा का पलायन कराने जा रही है और तेजस्वी नौकरी देने जा रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमे खुशी है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने अवध में भाजपा हराने का काम किया है, इस बार मगध में भी हार होने जा रही है। अखिलेश ने सोने के दाम को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सोने की कीमत कहां पहुंच गई, अगर हमारी बहन-बेटी की शादी होगी,तो बताओ छोटी से छोटी चीज भी क्या हम दे पाएंगे।

दो दिवसीय 'युवा सोशलिस्ट सम्मेलन' संपन्न, नई पीढ़ी को तैयार करने का लिया गया संकल्प

नई दिल्ली। भारतीय समाजवादी आंदोलन के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'युवा सोशलिस्ट पहल' के तत्वावधान में दिल्ली में शनिवार को दो दिवसीय 'युवा सोशलिस्ट सम्मेलन' का आयोजन संपन्न हुआ। देश के विभिन्न प्रांतों से आए समाजवादियों ने पूरे जोश के साथ अपनी सहभागिता सुनिश्चित की एवं आगामी दस वर्षों में देश के युवाओं में से भारतीय समाजवादी आंदोलन के नेतृत्व की नई पीढ़ी को तैयार करने का संकल्प लिया गया। गौरतलब है कि 'युवा सोशलिस्ट पहल' के तत्वावधान में आगामी दस वर्षों के लिए भारतीय समाजवादी आंदोलन के सशक्तिकरण और युवा समाजवादी नेतृत्व तैयार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं आयोजनों की योजना सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के भूतपूर्व संकाय सदस्य डॉ प्रेम सिंह दिशा निर्देश व मार्गदर्शन में तैयार की गई है। युवा सोशलिस्ट सम्मेलन के दूसरे एवं अंतिम दिन रोजगार नीति, विकास नीति और संस्कृति नीति पर समाजवादी परिपेक्ष्य संबंधित प्रस्तावों पर विचार विमर्श कर उन्हें पारित किया गया। रोजगार नीति पर समाजवादी परिपेक्ष्य से संबंधित सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अरविंद मोहन ने की, जबकि विकास नीति पर समाजवादी परिपेक्ष्य से संबंधित सत्र की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय की भूतपूर्व संकाय सदस्य डॉ अजीत झा ने की।

किरेन रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा की 100 दिनों में नेवा लागू करने की उपलब्धि की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। 'दिल्ली विधानसभा ने केवल 100 दिनों में नेवा (नेशनल ई विधान एप्लीकेशन) को लागू कर एक नया मानक स्थापित किया है,' यह बात संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद भवन में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को कही। यह सम्मेलन राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) पर केंद्रित था, जिसे संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में दी गई। रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा की सराहना करते हुए कहा कि केवल 100 दिनों में नेवा लागू करने का यह प्रयास पूरे देश में सबसे तेज और प्रभावी रहा है। उन्होंने इसे अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए कहा कि दिल्ली ने तकनीक को अपनाकर विधायी

पारदर्शिता और दक्षता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। दिल्ली विधानसभा भले ही इस परियोजना के अंतर्गत समझौता ज्ञापन (एओयू) पर हस्ताक्षर करने वाला 28वां राज्य था, लेकिन अपने तेज क्रियान्वयन और दृढ़ संकल्प के कारण दिल्ली विधानसभा ने केवल 100 दिनों के भीतर इस परियोजना को सफलतापूर्वक साकार किया। उसने 4 अगस्त 2025 को पूरी तरह 'पेपरलेस' प्रथम सत्र आयोजित कर देश का 18वां 'गो-लाइव' राज्य बनने की उपलब्धि हासिल की। सम्मेलन में देश के लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न विधानसभाओं में नेवा के कार्यान्वयन की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, प्रगति रिपोर्टों और सफलता को साझा किया गया। यह सम्मेलन डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण को साकार करने और देश की सभी विधानसभाओं को पूर्णतः डिजिटल व कागज रहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स विकसित करने के लिए मंत्रालय से सहयोग का अनुरोध किया। गुप्ता ने कहा कि यह सूचकांक एक पारदर्शी और आंकड़ा-आधारित उपकरण होगा, जो राज्यों के विधायी प्रदर्शन का आकलन कर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, जवाबदेही और सुशासन को प्रोत्साहित करेगा। दिल्ली विधानसभा में नेवा के सफल कार्यान्वयन की यात्रा 22 मार्च 2025 को संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार; विधि, न्याय एवं विधिक कार्य विभाग, दिल्ली सरकार; तथा दिल्ली विधानसभा सचिवालय के मध्य हुए त्रिपक्षीय समझौते से प्रारंभ हुई थी।

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सूची में कुल 40 नेताओं के नाम शामिल हैं, जिनमें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर कई राज्यों के पूर्व मुख्यमंत्री शामिल हैं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल प्रमुख स्टार प्रचारक हैं। इनके अलावा अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और सुखविंदर सिंह सुक्खू जैसे पूर्व मुख्यमंत्री भी सूची में हैं। सूची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, अधीर रंजन चौधरी, मीरा कुमार, सचिन पायलट, रणदीप सुरजेवाला,

गौरव गोगोई और तारिक अनवर जैसी जानी-मानी हस्तियां भी शामिल हैं। वहीं, युवाओं और नए चेहरों में कन्हैया कुमार, इमरान प्रतापगढ़ी, सुप्रिया श्रीनेत और जिग्नेश मेवाणी को भी जगह दी गई है। बिहार के स्थानीय नेताओं में मदन मोहन झा, शकील अहमद खान, अखिलेश प्रसाद सिंह और राजेश कुमार राम के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा राजेश रंजन (पप्पू यादव), प्रमोद तिवारी, शकील अहमद, सुबोधकांत सहाय और अजय राय भी इस सूची में हैं।

बिहार में अखिलेश की एंट्री पर केशव मौर्य का वार, बोले- न उम्मीदवार, न जमीन... फिर भी प्रचार

एजेंसी

पटना। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के दरभंगा में भाजपा पर किए गए तीखे हमले के बाद उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अखिलेश के बयान को राजनीतिक नौटंकी करार देते हुए कहा कि जिनकी पार्टी की बिहार में जमीन नहीं है, वो भी अब चुनावी हवा में उड़ने निकले हैं।

केशव मौर्य ने तंज भरे अंदाज में लिखा- यूपी की पार्टी, बिहार में प्रचार! ना उम्मीदवार, ना जमीन, फिर भी अहंकार का यकीन! जंगलराज वालों से रिश्तेदारी, ऐसी है इनकी यारी! सीट जीरो, बनने चले हीरो! मौर्य ने आगे लिखा कि बिना चुनाव के स्टार प्रचारक बनकर घूम रहे हैं अखिलेश यादव। ये वही लोग हैं जो यूपी में जनता का भरोसा खो चुके हैं और अब बिहार की राजनीति में अपनी साइकिल पंचर लेकर उतर आए हैं।उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना वाली हालत हो गई है। यूपी की साइकिल बिहार में मोटरसाइकिल

बनने चली है। लेकिन- इस बार लालटेन और साइकिल दोनों बैरंग लौटेंगी। केशव मौर्य ने अखिलेश के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग अपने राज्य में विकास नहीं कर पाए, वे अब दूसरों के राज्य में भाषण देकर लोकप्रियता पाने की कोशिश कर रहे हैं। जनता अब इनके छलावे में नहीं आने वाली। मौर्य ने कहा कि बिहार की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास रखती है और एनडीए की सरकार ही राज्य को स्थिरता, विकास और सुरक्षा दे सकती है। उन्होंने तंज कसा और कहा कि परिवारवाद की राजनीति अब पुरानी हो चुकी है और बिहार के लोग विकासवाद के साथ हैं।

प्रधानमंत्री सोमवार को करेंगे 'एमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025' का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025' का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे देश में निजी क्षेत्र के अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये की 'रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन योजना' की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, 'एमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025' नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3 से 5 नवंबर तक आयोजित होगा। इसमें देश और विदेश के तीन हजार से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, उद्योग प्रतिनिधि और नीति निर्माता भाग लेंगे। कॉन्क्लेव में 11 प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), जैव निर्माण (बायो मैन्युफैक्चरिंग), इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण, क्वांटम तकनीक, कृषि में नई तकनीकें, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु, स्वास्थ्य तकनीक और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रमुख वैज्ञानिकों के

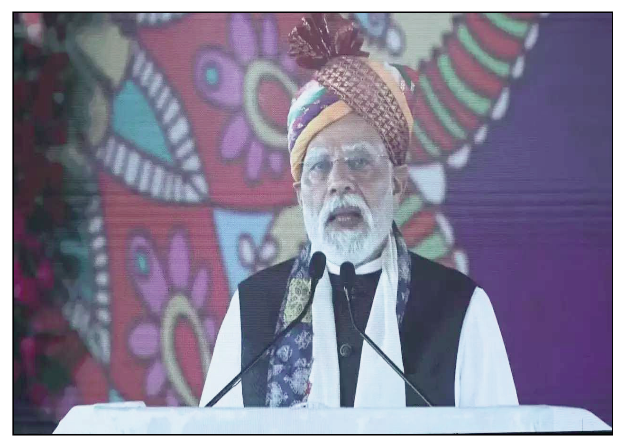

व्याख्यान, पैनल चर्चा और तकनीकी प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य अनुसंधान, नवाचार और उद्योगों के बीच सहयोग को मजबूत बनाना और देश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त करना है।

उल्लेखनीय है कि यह योजना उद्योग जगत को अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास में अधिक निवेश के लिए प्रेरित करेगी। इससे भारत की विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक स्थिति मजबूत होगी तथा निजी क्षेत्र आधारित अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी।

भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है : सीजेआई

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ''कांस्टीट्यूशन एंड कांस्टीट्यूशनलिज्म : द फिलोस्फी ऑफ डॉ. बी.आर अम्बेडकर' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरूण भंसाली और इविवि की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इविवि की 15 यूपी एनसीसी बटालियन ने अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। सेमिनार में मुख्य न्यायाधीश बी.आर गवई को सम्मानपत्र प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि सीजेआई न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है। कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं, लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है। जिला स्तर से न्यायिक

व्यवस्था प्रारम्भ होकर हाईकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। नेपाल, बाग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों के अस्थिर लोकतंत्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। उन्होंने कोलेजियम सिस्टम को सही ठहराते हुए कहा कि इस व्यवस्था में नियुक्तियों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार और विभिन्न एजेंसियों के इनपुट शामिल होते हैं और इसके आधार पर ही न्यायमूर्तियों की नियुक्ति होती है। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. अम्बेडकर के कारण भी भारतीय संविधान में एकल नागरिकता को स्वीकर किया गया। उनके प्रयासों से ही देश की शक्ति संरचना को तीन चारणों यानी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में समानांतर रूप से विभाजित किया जा सका। उन्होंने न्यायापालिका की स्वतंत्रता पर जोर दिया। उन्होंने आर्टिकल 32 को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि इसके बिना संविधान निर्जीव है। राज्यों एवं केंद्र के बीच शक्ति संतुलन बहुत जरूरी है। संविधान से प्रदत्त मौलिक अधिकारों का जिक्र करते हुए सीजेआई जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि जीने के अधिकार में भोजन, स्वच्छ हवा-पानी और शिक्षा का अधिकार निहित है। सीजेआई न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने कहा कि अनेकता में एकता ही भारत की आत्मा है और विविधता, सामुदायिक भाईचारा और समानता से ही देश समृद्ध होगा।

महाराष्ट्र के सातारा जिले में डॉक्टर आत्महत्या मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के सातारा जिले के फलटण उपजिला अस्पताल की महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के तहत आईपीएस अधिकारी तेजस्वी सातपुते इस एसआईटी टीम की अध्यक्षता करेंगी। गृह विभाग के सूत्रों ने बताया कि फलटण डॉ. आत्महत्या मामले की हो रही जांच पर सवाल खड़े किए गए थे, इसीलिए देर रात इस मामले की एसआईटी जांच का निर्णय लिया गया है। साथ ही एसआईटी को इस मामले में तुरंत जाँच शुरू करने के आदेश भी दिया है। तेजस्वी सातपुते 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और सतारा और सोलापुर जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में काम कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि सातारा जिले के फलटण के उप-जिला अस्पताल में कार्यरत एक महिला डॉक्टर ने 23 अक्टूबर को आत्महत्या कर ली थी। उस समय, यह पता चला था कि उसने अपने हाथ पर एक सुसाइड नोट लिखा था। इसमें पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने और प्रशांत बनकर पर आरोप लगाए गए थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और दोनों आरोपित फिलहाल न्यायिक कस्टडी में हैं।

इतिहास का पुनर्लेखन केवल तथ्यों का संकलन नहीं, भारतीय दृष्टि से अतीत को समझने का प्रयास है : संजय श्रीहर्ष

एजेंसी

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री संजय श्रीहर्ष ने की। इस अवसर पर इतिहास संकलन योजना के उद्देश्यों, प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री ने कहा कि इतिहास का पुनर्लेखन केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि भारतीय दृष्टि से अतीत को देखने और समझने का प्रयास है। इस दिशा में युवाओं और शोधार्थियों की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया गया। बैठक में राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री संजय श्रीहर्ष ने कहा कि इतिहास संकलन का कार्य केवल अकादमिक अभ्यास नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दिशा में एक सांस्कृतिक अभियान है। उन्होंने विश्वविद्यालय और विभाग द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में भारतीय इतिहास लेखन की

मौलिक परंपरा, स्रोत-संग्रह और स्थानीय इतिहास के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया। बैठक में संगठन के नये पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। डॉ.आशीष दीक्षित को महानगर सचिव तथा शाश्वत सिंह को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे संगठन के कार्यों को गति देंगे और स्थानीय स्तर पर इतिहास संकलन की गतिविधियों को सुदृढ़ बनाएंगे।इस अवसर पर प्रो.मुन्ना तिवारी, डॉ.शैलेंद्र तिवारी, डॉ.सत्येंद्र चौधरी, डॉ.प्रेमलता सहित कई प्राध्यापक, शोधार्थी और आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि बुंदेलखंड की ऐतिहासिक धरोहरें, लोककथाएं, साहित्यिक परंपराएं और पुरातात्विक साक्ष्य भारतीय इतिहास को समृद्ध करने में अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

भारत-बांग्लादेश सीमा को लेकर भाजपा सांसद के बयान पर अभिषेक बनर्जी ने बोला हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही प्रदेश की राजनीतिक में आरोप-प्रत्यारोपों का दौर तेज होता दिख रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद जगन्नाथ सरकार के एक कथित बयान को लेकर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा का पाखंड नई गहराइयों तक पहुंच गया है। समाचार चैनलों पर एक कथित वीडियो प्रसारित हुआ जिसमें नदिया जिले की रानाघाट लोकसभा सीट से सांसद जगन्नाथ सरकार को यह कहते देखा गया कि अगर अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में भाजपा जीतती है, तो भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ नहीं होगी। उनका यह भी दावा था कि अगर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में रही, तो घुसपैठ जारी रहेगी।

देव दिवाली पर्व पर उज्जैन को मिली बड़ी सौगात, एयरपोर्ट के विस्तार के लिए साइन हुआ एमओयू

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित 'अभ्युदय मध्य प्रदेश' कार्यक्रम के दौरान एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उज्जैन एयरपोर्ट के विकास के लिए मध्य प्रदेश शासन के विमानन विभाग एवं एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस अवसर पर कहा कि यह समझौता उज्जैन को हवाई संपर्क से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल उज्जैन, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र को नए औद्योगिक, पर्यटन और आर्थिक अवसर प्राप्त होंगे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने कहा कि भारत सरकार का लक्ष्य देश के प्रत्येक प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन केंद्र को हवाई संपर्क से जोड़ना है, और उज्जैन

एयरपोर्ट का विकास उसी दिशा में एक सशक्त पहल है इस समझौते पर मध्य प्रदेश शासन की ओर से विमानन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला तथा एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से अध्यक्ष विपिन कुमार (आईएएस) ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य उज्जैन एयरपोर्ट को एटीआर-72 श्रेणी के विमानों के संचालन के लिए विकसित करना तथा भविष्य में ए-320/321 श्रेणी के बड़े विमानों के संचालन की संभावनाओं को साकार करना है।

उल?लेखनीय है कि उज्जैन के निकट स्थित दताना हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जाएगा। उज्जैन एयरपोर्ट एटीआर-72 विमानों के लिए आईएफआर कंडीशन्स (जिसका आशय है कि रात में भी उड़ान भरी जा सकती है) में संचालन हेतु विकसित किया जाएगा। इस कार्य के लिए 241 एकड़ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी, जो कि मध्य प्रदेश शासन एएआई को निःशुल्क उपलब्ध कराएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एएआई) द्वारा एयरपोर्ट का विकास कार्य शीघ्र आरम्भ किया जाएगा। उज्जैन एयरपोर्ट विकसित होने से पश्चिमी मध्य प्रदेश में पर्यटन एवं व्यावसायिक क्षेत्र में नवीन अवसर सृजित होंगे तथा आर्थिक गतिविधियां को बल मिलेगा। उज्जैन सीधे देश विदेश से हवाई मार्ग से जुड़ सकेगा। एयरपोर्ट स्थापित होने से लगभग 100 प्रत्यक्ष तथा लगभग 300 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। उज्जैन प्रदेश का नौवां एयरपोर्ट होगा तथा इससे मध्य प्रदेश नागरिक विमानन नीति 2025 में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रगति होगी। मुख्य बिंदुभारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 45 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि उज्जैन एयरपोर्ट के उन्नयन के लिए स्वीकृत की गई है। राज्य शासन द्वारा परियोजना की शेष लागत, यदि स्वीकृत राशि से अधिक होगी, वहन की जाएगी।

उदयपुर में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले- डिजिटल अरेस्ट और फ्रॉड से रहें सावधान

एजेंसी

उदयपुर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि देश डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है, गांव से लेकर शहर तक हर व्यक्ति तकनीक से जुड़ चुका है, लेकिन इसके साथ ही सतर्क रहना भी बेहद जरूरी है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचना चाहिए। उन्होंने यह बात उदयपुर में आयोजित आरबीआई के 'आपकी पूंजी-आपका अधिकार' कार्यक्रम में कही। मल्होत्रा ने कहा कि वर्षो पहले जब उन्होंने सरकारी सेवा जॉइन की थी, तब किसी भी आयोजन में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम रहती थी। हमारे समय में अधिकारी बनने वाली महिलाओं की संख्या लगभग 6 से 7 प्रतिशत थी, लेकिन आज यह बढ़कर 33 से 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यहां कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद हैं, यह देखकर बहुत खुशी होती है कि महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि उदयपुर की संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी सहित बैंकिंग क्षेत्र में भी महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में लगभग हर नागरिक का बैंक खाता है और अधिकांश लोग डिजिटल बैंकिंग से जुड़े हुए हैं, लेकिन डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल सुरक्षा की जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। पुराने बैंक खातों की ई-केवाईसी करवाएं, किसी अनजान कॉल या लिंक पर विश्वास न करें, साइबर धोखाधड़ी बढ़ रही है और इससे बचाव ही समाधान है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें पंचायत स्तर तक पहुंचकर ग्राहकों का मार्गदर्शन करना चाहिए। समाज से गहरा जुड़ाव बताते हुए मल्होत्रा ने कहा कि उन्होंने अपने सेवा काल के दौरान उदयपुर में भी कार्य किया है और राजस्थान में पोस्टिंग के दौरान सभी में उदयपुर एक पसंदीदा जिला रहा है। उदयपुर से मेरा विशेष लगाव है और आरबीआई में आने के बाद राजस्थान का पहला दौरा उदयपुर ही होना मेरे लिए सुखद है। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि उदयपुर जिले के 2,86,243 बैंक खातों में जमा 101.47 करोड़ रुपये लंबे समय से बिना दावा किए पड़े थे। आरबीआई की पहल पर 'आपकी पूंजी-आपका अधिकार' अभियान के माध्यम से इन राशियों को सही वारिसों तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस राशि को बैंकिंग भाषा में अनक्लेम्ड डिपॉजिट कहा जाता है। आरबीआई राजस्थान के उप महाप्रबंधक विकास अग्रवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है।

भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में वाशिंगटन सुंदर की नाबाद 49 रनों की पारी के अलावा तिलक वर्मा की 29 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को जीत के लिए 187 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय पारी का आकर्षण सुंदर की पारी रही। सुंदर ने 23 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाये।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत की पर वह अधिक देर नहीं टिक पाये। अभिषेक ने 16 गेंद में 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 25 रन बाये। वह नाथन एलिस की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद एलिस ने शुभमन गिल को भी पेवेलियन भेजे दिया। शुभमन 15 रन ही बना पाये। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाये। सूर्यकुमार के आउट होने के बाद अक्षर पटेल ने 17 रन बनाये और तिलक वर्मा के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एलिस ने अक्षर को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

अक्षर पटेल के आउट होने के बाद तिलक ने सुंदर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद तिलक 29 रन बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर आउट को गये। इसके बाद . सुंदर ने जितेश शर्मा के साथ टीम को जीत दिलायी। जीतेश ने 22 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस ने तीन विकेट लिए।

इससे पहले इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को बल्लेबाज के के लिए बुलाया था। मेजबान टीम की ओर से टिम डेविड ने 8 चौके और 5 छक्के लगाकर 38 गेंदों पर 74 रन बनाए। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने 39 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाकर 64 रन बनाये। इस प्रकार मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 186 रन बनाये।

वहीं भारतीय टीम की ओर से भारत अर्शदीप सिंह ने 3 और वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट जबकि एक विकेट शिवम दुबे ने लिया। वहीं इस मैच में इस मैच में भारतीय टीम ने तीन बदलाव करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और विकेटकीपर बल्लेबाज

जितेश शर्मा को शामिल किया है जबकि हर्षित राणा, कुलदीप यादव और संजू सैमसन को बाहर कर दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह ऑलराउंडर सीन एबॉट को शामिल किया है। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा ऑस्ट्रेलियाना ने चार विकेट से जीता था।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

डेवाल्ड ब्रेविस ने रचा इतिहास, 2025 में एसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भले ही साउथ अफ्रीका को हार झेलनी पड़ी हो, लेकिन युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने इतिहास रच दिया। 22 वर्षीय इस स्टार खिलाड़ी ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बनकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफ्रीकी टीम महज 110 रन पर ढेर हो गई। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ ने 4 विकेट और सलमान मिर्जा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए साइम अय्यूब ने मात्र 38 गेंदों पर नाबाद 71 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए पाकिस्तान को 13.1 ओवर में जीत दिला दी। इस जीत के साथ अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के (2025)

डेवाल्ड ब्रेविस (दक्षिण अफ्रीका) - 50
हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) - 46
अभिषेक शर्मा (भारत) - 43
शाई होप (वेस्टइंडीज) - 42
तनजीद हसन (बांग्लादेश) - 41.

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

– आईपीएल से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक मचाया धमाल

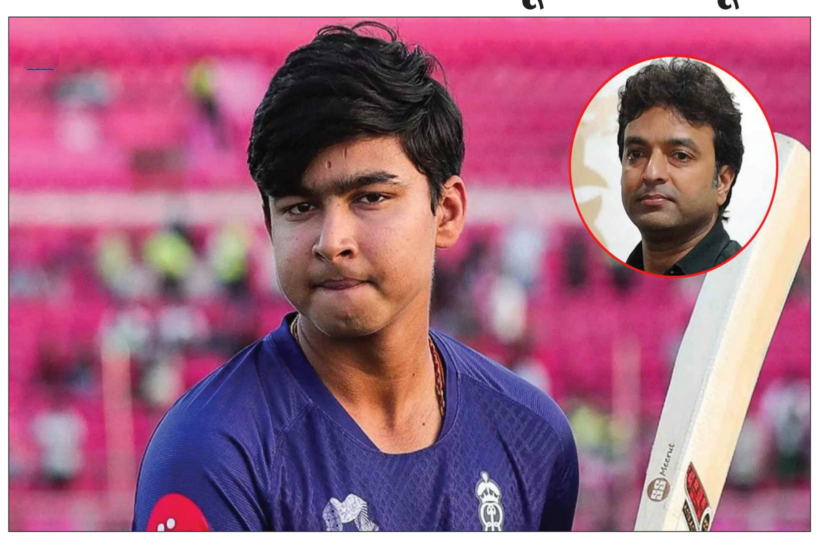

होबार्ट (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे।

आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।÷

धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

धूमल ने कहा, ÷रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों का सही संतुलन है।÷

वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गूंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं। फिलहाल, फैंस बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब यह 14 वर्षीय बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए मैदान पर उतरेगा।

अर्शदीप ने सोशल मीडिया में रखी बात

मुम्बई । पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन के बाद भी पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाने से निराश भारतीय टीम के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सोशल मीडिया में अपनी बात रखी है। अर्शदीप ने लिखा है कि जैसे करोगे वैसा ही भरोगे। इस तेज गेंदबाज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। टीम प्रबंधन के इस रुख की प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने आलोचना की थी जिसके बाद तीसरे टी20 के लिए अर्शदीप को जगह मिली। अर्शदीप ने 65 टी20 अंतरराष्ट्रीयमें 101 विकेट हासिल किए हैं। इसके बाद भी पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से नाराज अर्शदीप ने सोशल मीडिया में लिखा।, 'जो भी बीज आप बोते हैं आपके कर्म, वही फल आप काटते हैं।' इस पोस्ट से साफ है कि ये तेज गेंदबाज टीम प्रबंधन के रवैये से नाराज है।

एकदिवसीय के बाद टी20 में भी खामोश है शुभमन का बल्ला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारुपों में कप्तान बनाये जाने की अटकलें हैं। चयन समिति और कोच गौतम गंभीर भविष्य में शुभमन को ही टी20 कप्तान बनाना चाहते हैं। इसी कारण उनको टी20 की उपकप्तानी दी गयी है पर इंग्लैंड दौरे के बाद से ही जिस प्रकार से शुभमन का बल्ला सीमित ओवरों टेस्ट और टी20 में नहीं चल रहा। उससे गंभीर की चिन्ता जरुर बढ़ गयी होगी। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैचों में रन नहीं बना पाये। टी20 सीरीज के भी पहले दो मैच में वह विफल रहे। एशिया कप में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। कुल मिलाकर देखा जाये तो वह पिछली 12 पारियों मे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज में खेले गए दो मैचों में उन्होंने 37 और 5 रन बनाए है। शुभमन ने टी20 में अंतिम बार अर्धशतक 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवीसय सीरीज में भी शुभमन विफल रहे थे। तीन मैचों की सीरीज में शुभमन गिल रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 43 रन ही बना सके। उनका सबसे अधिक स्कोर 24 रन था।

रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी का जलवा, अगरतला में उमड़ा फैंस का सैलाब

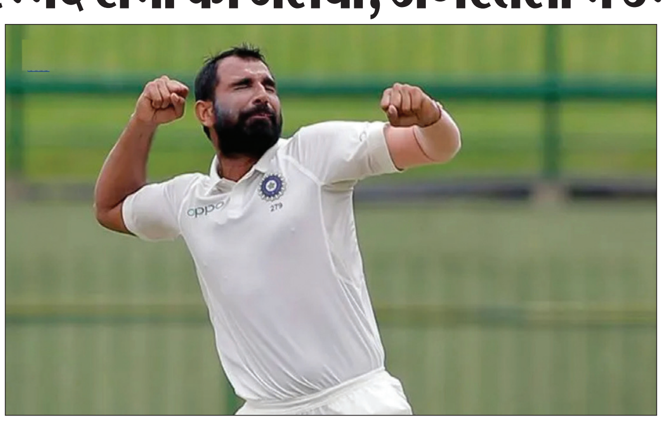

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच विवाद की खबरें सुर्खियों में रही थीं। शमी का कहना है कि वह पूरी तरह फिट हैं, फिर भी बिना किसी ठोस कारण के उन्हें टीम से बाहर रखा गया। वहीं, अगरकर ने उन्हें ड्रॉप करने के अपने अलग तर्क दिए थे। इस विवाद के बीच शमी ने अब मैदान पर अपने प्रदर्शन से जवाब देना शुरू कर दिया है। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते हुए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी के दम पर चर्चा में हैं।

त्रिपुरा के खिलाफ यह मुकाबला अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज स्टेडियम में खेला जा रहा है। जैसे ही शहर में यह खबर फैली कि मोहम्मद शमी मैदान पर उतरने वाले हैं, बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम की ओर उमड़ पड़े। आमतौर पर रणजी ट्रॉफी के घरेलू मैचों में दर्शकों की तादाद बहुत कम होती है, लेकिन इस मैच में माहौल बिल्कुल अलग था। अनुमान के मुताबिक, करीब दो से तीन हजार दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, जो केवल शमी की एक झलक पाने और उन्हें गेंदबाजी करते देखने पहुंचे थे।

फैंस स्टैंड्स से लगातार शमी के नाम के नारे लगाते रहे, जिससे माहौल रोमांचक बन गया। बारिश की वजह से पहले दिन का खेल केवल 60 ओवर तक ही हो पाया, जिसमें बंगाल की टीम ने एक विकेट खोकर 171 रन बनाए हैं। भले ही शमी को अभी बल्लेबाजी या गेंदबाजी का पूरा मौका नहीं मिला हो, लेकिन उनकी मौजूदगी ने मैच का आकर्षण कई गुना बढ़ा दिया है। शमी अब तक भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वर्ल्ड कप 2023 में उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी और टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार रहे थे। रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह दिखाती है कि वह अब भी फिट और फॉर्म में हैं और शायद चयनकर्ताओं को अपने प्रदर्शन से जवाब देने के मूड में हैं।

ऋषभ की दक्षिण अफीका ए के खिलाफ आक्रामक पारी, जमकर चौके, छक्के लगाये

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दक्षिण अफीका ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करते हुए दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद से ही खेल में वापसी करने वाले ऋषभ पंत इस मैच की पाहली पारी में 17 रन ही बना पाये पर दूसरी पारी मे उन्होंने अपने ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाज करते हुए जमकर चौके और छक्के लगाये। ऋषभ इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 90 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 4 छक्के लगाए। ऋषभ ने 113 गेंदों पर 90 रन बनाये। वह तियान वैन वुरेन की गेंद पर आउट हो गए। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में पैर के अंगूठे में फैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। अब इस पारी से उनका इसी माह दक्षिण अफीका के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए मनोबल बढ़ा है।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जैमीसन और सोढ़ी को शामिल किया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइडीज के खिलाफ 5 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को भी इस टीम में जबह मिली है।

भारत और श्रीलंका में अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ये सीरीज दोनो ही टीमों के लिए काफी अहम रहेगी। वेस्टइंडीज की टीम जहां खराब दौर से गुजर रही है। वहीं कीव टीम का प्रदर्शन भी पिछले कुछ समय में खराब हुआ है। पूर्व कप्तान केन विलियमसन भी संन्यास लेने के कारण टी में नहीं होंगे जिसका भी उसे नुकसान होगा। बोर्ड ने कहा कि पांच खिलाड़ी फिन एलेन, लॉकी फर्ग्युसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्सऔर बेन सीयर्स अभी फिट नहीं है। इसलिए टीम से बाहर हैं। वहीं मैट हेनरी को ब्रेक दिया गया है। फिन के पैर में चोट लगी है जबकि फर्ग्युसन हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं। इस खिलाड़ियों को विश्वकप से पहले फिट होने का भरोसा है।

टीम इस प्रकार है- मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन, टिम सीफर्ट (विकेट कीपर), नाथन स्मिथ और ईश सोढ़ी।

इरफान पठान ने शुभमन गिल की फॉर्म पर उठाए सवाल, कहा– टीम पर बढ़ेगा यशस्वी को वापस लाने का दबाव

मुम्बई । पूर्व ऑलराउंडर राजेश बानिक का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है। 40 साल के बानिक ने भारत की अंडर–19 टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला था। वह अपने सरल स्वभाव के लिए जाते थे। उनके निधन की खबर से भारतीय क्रिकेट जगत में शोक की लहर छा गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश त्रिपुरा में अपने गृहनगर आनंदनगर में सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। जिसके बाद उन्हें अगरतला के जीबीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। बानिक ने घरेलू क्रिकेट में त्रिपुरा की ओर से कई अच्छी पारियां खेलीं हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2002–03 के रणजी सत्र में त्रिपुरा की ओर से डेब्यू किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने 42 प्रथम श्रेणी मैच में 1469 रन बनाए और 6 अर्धशतक लगाये। त्रिपुरा क्रिकेट असोसिएशन के सचिव सुब्रत डे ने राजेश के निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा, 'यह बहुत बड़ी क्षति है। बानिक सिर्फ एक अच्छे खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि एक शानदार इंसान भी थे। उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को पहचाना और आगे बढ़ने में मदद की। उनकी मौत हमारे लिए अपूरणीय क्षति है।' खेल से संन्यास लेने के बाद बानिक ने क्रिकेट प्रशासन से भी भी जुड़े। उन्हें त्रिपुरा की अंडर–16 टीम का चयनकर्ता बनाया गया था। वे न सिर्फ एक अनुशासित खिलाड़ी थे बल्कि मैदान के बाहर भी एक मार्गदर्शक की तरह युवा खिलाड़िया की सहायता करते थे। इरफान पठान सहित कई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर बानिक को श्रद्धांजलि दी है।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे

–टेस्ट प्रारुप पर ध्यान देंगे

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। विलियमसन ने 2024 के बाद से ही टी20 क्रिकेट नहीं खेला है और इस प्रारुप में पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। विलियमसन अब अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगायेंगे और इसी को देखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। वह हालांकि फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे।।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि टी20 से सही संन्यास का सही समय है। उन्होंने कहा, मैं सभी से मिले समर्थन के साथ ही सहयोग के लिए भी आभारी हूं। खेल की यादों हमेश बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आज देश में टी20 की काफी प्रतिभाएं हैं। उनके हटने से अब युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जिससे टीम की टी20 विश्वकप की तैयारी बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने कप्तान मिचेल सेंटनर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। साथ ही कहा कि अब टीम को इस प्रारुप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार रहना चाहिये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि वह किसी न किसी रुप में खेल से जुड़े रहना चाहेंगे और इसके लिए बोर्ड के संपर्क में बने रहेंगे।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से साल 2011 में टी20 डेब्यू किया था और कुछ ही समय में अंदर वह टीम के एक बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्होंने अभी तक 93 टी20ढ्ढ मैचों में कुल 2575 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 अर्धशतक लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 95 रन रहा।

विलियमसन ने टी20 प्रारुप में सफल कप्तान की है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से टीम को कई बार जीत दिलायी थी। उन्होंने न्यूजीलैंड की ओर से 75 टी20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें टीम ने 39 मैचों टीम को जीत हासिल की जबकि 34 में उसे हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी में टीम 2021, 2016 और 2022 टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

'द ताज स्टोरी' की कंट्रोवर्सी पर परेश रावल ने तोड़ी चुप्पी

परेश रावल का कहना है कि फिल्म 'द ताज स्टोरी' में कोई झूठ नहीं है। उनका दावा है कि यह फिल्म विश्व प्रसिद्ध स्मारक यानी ताजमहल के बारे में तथ्य ही पेश करती है। इससे आगे चलकर पर्यटन को ही बढ़ावा मिलेगा।

परेश रावल को फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी

बातचीत में परेश रावल ने कहा, 'हमारे सिनेमा में बहुत सारा छल-कपट और झूठ है। लेकिन हमारी फिल्म में कोई झूठ नहीं है, सिर्फ तथ्य हैं। जब मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट आई, तो मैंने उसे पढ़ा और मुझे यह पसंद आई। मुझे फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी। मैंने कुछ दोस्तों के साथ तथ्यों की पुष्टि की और पाया कि यह सही थे। इसके बाद मैं निर्देशक से मिला। हमने तय किया कि फिल्म में कोई कट्टर राष्ट्रवाद नहीं होगा, यह फिल्म सिर्फ ताज के बारे में होगी।'

विवाद खड़ा करना नहीं चाहते हैं

परेश रावल आगे कहते हैं, 'लोग कह रहे हैं कि हम हिंदू-मुस्लिम विवाद खड़ा करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम हमेशा से इससे दूर रहे हैं। हम एक शोध वाली मजेदार फिल्म बनाना चाहते थे जो हमारे यहां बनती नहीं हैं।' इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने डायरेक्ट किया है।

क्या है 'द ताज स्टोरी' के मेकर्स का दावा

मेकर्स का दावा है यह फिल्म भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को पेश करती है जिसे पहले कभी किसी ने सामने लाने की हिम्मत नहीं की। इस महीने की शुरुआत में, फिल्म का पहला पोस्टर तब विवादों में घिर गया था जब इसमें परेश रावल के किरदार को ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की एक मूर्ति निकलते हुए दिखाया गया था। पोस्टर के पीछे का विचार यह है कि यह ताजमहल नहीं है। कुछ लोग इसे तेजो महालय कहते हैं।

वर्क लाइफ बैलेंस पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' और आगामी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं रश्मिका और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरें भी लगातार फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अब इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस के बीच रश्मिका ने काम और जिंदगी में संतुलन को लेकर बात की है। इससे पहले 'द गर्लफ्रेंड' के निर्माता एसकेएन ने रश्मिका की तारीफ करते हुए कहा था कि वो काम को घंटों की तरह नहीं लेती हैं। अब रश्मिका ने भी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन को लेकर बात की और ज्यादा काम न करने के महत्व को समझाया है।

वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो

कुछ समय पहले रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें पूरे 8 घंटे की नींद लिए हुए कई महीने हो गए हैं। इसी बात का जिक्र करते हुए जब प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन के बारे में पूछा गया तो रश्मिका ने गल्ट से कहा, 'मुझे लगता है कि इस बात का महिमामंडन करना कि हम जरूरत से ज्यादा काम करते हैं, ठीक नहीं है। मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं यह बिल्कुल भी सुझाव देने योग्य नहीं है। ऐसा मत करो। यह टिकाऊ नहीं है। वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो, वही करो जो तुम्हारे लिए सही हो। वो 8 घंटे काम करो, वो 9-10 घंटे भी काम करो क्योंकि यकीन मानो, ये तुम्हें आगे चलकर बचाएगा। जैसे मैंने हाल ही में ऐसी कई बातचीत देखी हैं जहां लोग कहते हैं, ठीक है, काम का समय पता है वगैरह। मैंने दोनों ही किया है। यह इसके लायक नहीं है।'

मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं

अभिनेत्री ने आगे कहा कि जैसा जाहिर है कि यह एक जिम्मेदारी है जो तुम पर है। मैं खुद पर जरूरत से ज्यादा काम कर लेती हूं क्योंकि मैं एक सामान्य इंसान से कहीं ज्यादा काम ले लेती हूं। लेकिन मैं ऐसी भी नहीं हूं जो अपनी टीमों से कहूं कि मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकती। अगर मुझे पता है कि वे संघर्ष कर रहे हैं और वे कहते हैं, नहीं, मेरे पास अभी तक केवल यही लोकेशन है और हमें इस समय में बहुत कुछ शूट करना है।' तब मैं यह समझती हूं और मान जाऊंगी और वैसा करूंगी।

हमें भी 9 से 5 की जॉब की तरह काम करने दें

बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा कि सिनेमा में यह बहुत पहले से होता आया है। यही कारण है कि हमें अपनी टीमों से प्यार है। लेकिन अगर मुझे खुद चुनना होता, तो मैं कहती कि कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें, क्योंकि बहुत कुछ चल रहा है। सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि निर्देशक, लाइटमैन, संगीतकार, सभी। जैसा आप जानते हैं कि ऑफिस का समय 9 से 6 या 9 से 5 या 9 से 4 होता है, हमें ऐसा करने दें। क्योंकि अभी भी एक पारिवारिक जीवन है जिस पर मैं ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी मेरी नींद बाकी है जो मैं पूरी करना चाहती हूं। मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं, इसलिए, आप जानते हैं, बाद में मुझे इस बात का पछतावा नहीं होगा कि काश मैं छोटी उम्र में स्वस्थ और फिट होती और वर्कआउट करती। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं। लेकिन अभी मेरे पास कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि मैं खुद पर बहुत ज्यादा जिम्मेदारी ले रही हूं।

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

माही विज और जय भानुशाली अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर दोनों का रिश्ता टूट गया है और कपल का तलाक होने वाला है। यह खबर सामने आने के बाद जय और माही के फैंस आहत हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए माही विज ने गुस्सा जाहिर किया है। जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों पर माही विज ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें माही विज के हवाले से एक कमेंट लिखा गया, जिसमें कहा गया है, आधिकारिक रूप से पांच मिनट पहले मेरा तलाक हुआ है। मुझे पता है कि कुछ लोग इस पर बधाई देंगे, लेकिन मेरे लिए ऐसे परिदृश्य मायने नहीं रखते। तलाक होना हमेशा दुखद ही होगा। इस पोस्ट पर माही विज ने गुस्सा जाहिर करते हुए हिदायत दी है। माही विज ने कमेंट लिखा है, झूठी बातें पोस्ट मत करिए। मैं इसके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी। अभिनेत्री ने शायद तलाक को लेकर उनकी तरफ से की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। फिलहाल माही के इस कमेंट से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है कि शायद तलाक की बात झूठी हो। हालांकि, माही के कमेंट में यह जिक्र नहीं है कि तलाक होगा या नहीं, उन्होंने गलत नैरेटिव फैलाने को लेकर एतराज जताया है।

क्या मुंज्या 2 में लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा की एंट्री?

साल 2024 की सरप्राइज हिट मुंज्या ने छोटे बजट और नए चेहरों के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर बड़ा कमाल दिखाया था। अभय वर्मा और शारवरी वाघ स्टारर इस हॉरर-कॉमेडी ने 100 करोड़ क्लब में जगह बनाकर मैडॉक फिल्म्स यूनिवर्स को नई ऊंचाई दी। अब इसका सीक्वल महा मुंज्या डेवलपमेंट स्टेज में है। हाल ही में खबरें आई थीं कि लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। हालांकि, मुंज्या के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार ने इस खबर को सिरे से खारिज किया।

महा मुंज्या में उनका नाम सिर्फ अफवाह है आदित्य ने कहा, न प्रतिभा ने कुछ कहा है, न उनकी टीम ने और न हमने। इसमें कोई सच्चाई नहीं है, ये बस एक फैन थ्योरी है। शायद लोगों को लगा कि वो इस यूनिवर्स का हिस्सा हैं क्योंकि उन्होंने लापता लेडीज में शानदार काम किया है। मुझे भी जब ये खबर सुनी तो थोड़ा हंसी आई कि ये आया कहां से?

आदित्य ने आगे बात करते हुए कहा, प्रतिभा बहुत टैलेंटेड और शानदार एक्ट्रेस हैं। मैं खुद मानता हूं कि वो इस तरह की फिल्मों में बिल्कुल फिट बैठेंगी। अगर आगे चलकर ऐसा कुछ होता है तो क्यों नहीं? लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है। न कोई ऑफिशियल बातचीत हुई है, न कोई कन्फर्मेशन आया है। ये सिर्फ सोशल मीडिया की हवा है।

अभय वर्मा और शारवरी वाघ की होगी वापसी

जब आदित्य सरपोतदार से पूछा गया कि क्या सीक्वल में मुंज्या के लीड कलाकार अभय वर्मा और शारवरी वाघ फिर नजर आएंगे तो उन्होंने तुरंत कहा, अभय और शारवरी 100 प्रतिशत लौट रहे हैं। उनके किरदार वहीं से आगे बढ़ेंगे, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। लेकिन इनके साथ और कौन जुड़ता है, ये अभी बताना जल्दबाजी होगी। जब वक्त आएगा, सब कुछ साफ हो जाएगा।

मुंज्या 2 इसलिए बन रही है क्योंकि ऑडियंस इंटरेस्टेड हैं

सीक्वल पर बात करते हुए आदित्य ने कहा, ये साफ दिखाता है कि लोग इस यूनिवर्स में इंटरेस्टेड हैं और उन्होंने मुंज्या के साथ एक इमोशनल इन्वेस्टमेंट बनाया है। जब हमने पहली फिल्म बनाई थी, तब सीक्वल का कोई प्लान नहीं था। लेकिन फिल्म के हिट होने के बाद भरोसा मिला कि इस कहानी को और आगे बढ़ाया जा सकता है। अगर फिल्म नहीं चलती तो पार्ट टू बनाने का कोई मतलब नहीं होता। लेकिन जब दर्शक खुद पूछने लगें कि आगे क्या होगा, तब समझ आता है कि आपने कुछ सही किया है।

महा मुंज्या का पैमाना और बड़ा होगा

उन्होंने आगे बात करते हुए कहा, अब महा मुंज्या के साथ हम उस यूनिवर्स को और बड़ा करने जा रहे हैं। बहुत सारी प्लानिंग चल रही है, कई एक्साइटिंग चीजें तैयार हो रही हैं। हम चाहते हैं कि ये फिल्म सिर्फ सीक्वल नहीं, बल्कि एक नया एक्सपीरियंस बने। जैसे पहली फिल्म के एंड में हमने एक प्रॉमिस छोड़ा था, वैसे ही अब महा मुंज्या उस प्रॉमिस को पूरा करेगी। कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां मुंज्या खत्म हुई थी, लेकिन इस बार पैमाना और बड़ा होगा, दुनिया और गहरी।

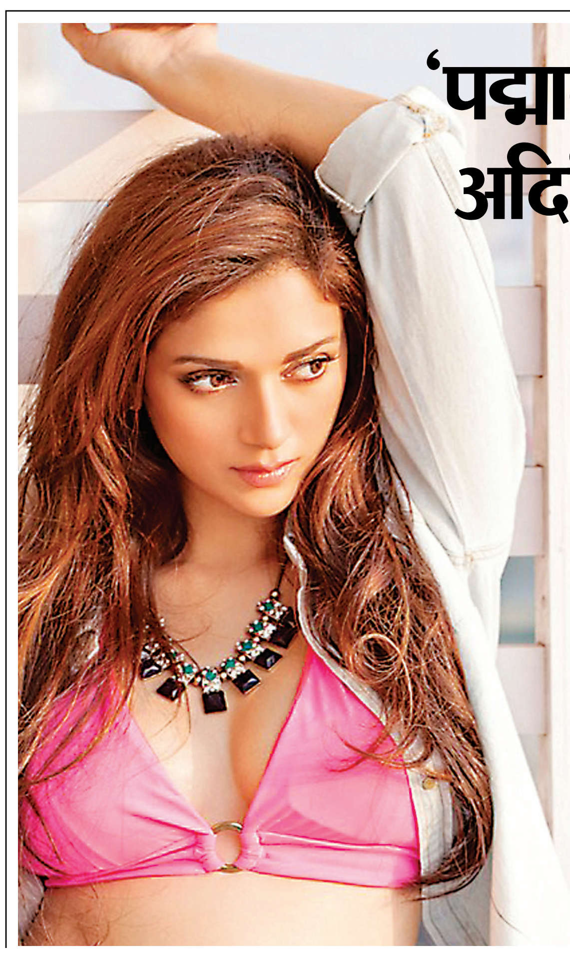

'पद्मावत' की मेहरुनिसा से लेकर 'मर्डर 3' की रोशनी तक, अदिति राव हैदरी ने हर किरदार में बिखेरा अभिनय का जादू

अदिति राव हैदरी भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी सादगी और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानेंगे उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में, जिनके लिए उन्हें पहचाना जाता है। तो चलिए जानते हैं उनकी फिल्में।

मर्डर 3

बॉलीवुड की मशहूर मर्डर फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट का नाम 'मर्डर 3' है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसे विशेष भट्ट द्वारा निर्देशित किया गया था। इस फल्म में विक्रम (रणदीप हुड्डा) जो एक फोटोग्राफर है, निशा (सारा लोरेन) से एक बार मिलता है और दोनों की तुरंत दोस्ती हो जाती है। जल्द ही वे प्यार में पड़ जाते हैं और अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर ले जाते हैं। निशा उसके घर में रहने आती है, लेकिन जल्द ही उसे उसके राज पता चलने लगते हैं। वह विक्रम की पूर्व प्रेमिका रोशनी (अदिति राव हैदरी) के गायब होने के पीछे छिपे के सच का पता लगाने

दिल्ली 6

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में दिल्ली 6 फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी। आपक बता दें कि इस फिल्म से अदिति राव हैदरी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनका रोल कम था, लेकिन सभी ने उनके किरदार को खूब सराहा था। फिल्म एक एनआरआई के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बीमार दादी के साथ भारत लौटता है, लेकिन हैरानी की बात है कि वह खुद को दिल्ली के बीचों-बीच एक मंदिर-मस्जिद विवाद में फंसा हुआ पाता है। दिल्ली 6 में अदिति राव हैदरी ने रमा बुआ का किरदार निभाया था। इसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर मुख्य भूमिका में थे।

पद्मावत

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म पद्मावत में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म अदिति राव हैदरी की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। अदिति हर फ्रेम में एक स्टार की तरह चमकीं। उन्होंने खिलजी की पत्नी मेहरुनिसा का किरदार बखूबी निभाया था। फिल्म में जैसे-जैसे खिलजी रानी पद्मावती के प्रति और अधिक आसक्त होता गया, मेहरुनिसा ने पत्नी से पहले, एक महिला बनना चुना। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी।

वजीर

फरहान अख्तर, अमिताभ बच्चन और अदिति राव हैदरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म वजीर 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अदिति राव हैदरी ने रुहाना अली की भूमिका निभाई थी और तमाम दिग्गजों के बीच भी अपनी जगह और लाइमलाइट बरकरार रखी। इस फिल्म की कहानी एक पुलिसवाले दानिश के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी की हत्या करने वाले एक आतंकवादी से बदला लेने के मिशन पर है। इसी दौरान उसकी मुलाकात पंडित से होती है, जो अपनी बेटी के लिए शोक मना रहा है।

रॉकस्टार

इम्तियाज अली के निर्देशन में साल 2011 में रॉकस्टार फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं अदिति राव हैदरी ने शीना के रूप में फिल्म अहम किरदार अदा किया था। उनके रोल ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

हीरामंडी

अदिति राव हैदरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार सीरीज में नजर आई थीं। यह साल 2024 में रिलीज हुई थी, जिसे संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित किया गया था। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा और ऋचा चड्ढा जैसे कई सितारे शामिल थे।

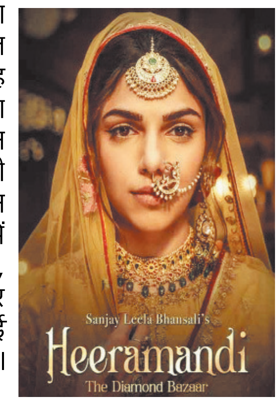

कंटेंट राइटिंग में बनाना है करियर तो इन संस्थानों से करें टॉप कोर्स

कंटेंट राइटिंग एक ऐसी स्किल है, जिसका उपयोग सदियों से हो रहा है। पुराने समय में जब किसी भी इंसान को अपनी बात कहीं और पहुंचनी होती थी तो वो लेटर के द्वारा पहुंचाई जाती थी और लेटर यानि खत में सारी बातों को शब्दों में लिख कर बताया जाता है, जिसे हम उस लेटर का कंटेंट कहते हैं। आज के दौर में जब इंटरनेट की पहुंच दूर-दूर तक है वैसे में कंटेंट राइटिंग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विकल्प बना है। यह एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें ब्लॉग पोस्ट या लेख लिखने से लेकर वीडियो और पॉडकास्ट की स्क्रिप्टिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए कंटेंट तैयार करने तक सब कुछ शामिल है।

कंटेंट राइटर वेबसाइटों और मीडिया के अन्य रूपों के लिए कंटेंट लिखने का कार्य करते हैं। हालांकि यह एक साधारण काम लगता है, लेकिन इसके लिए बहुत से स्किल की जरूरत पड़ती है, जिसे किसी अच्छे कोर्स के माध्यम से ही विकसित किया जा सकता है।

कंटेंट राइटिंग का महत्व

कंटेंट राइटर सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो वेब ट्रैफिक और सेल को चलाने के लिए बहुत जरूरी है। यदि आप कंटेंट राइटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो ऐसे कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र हैं जो आप इस फील्ड में करके अपने स्किल को डेवलप कर सकते हैं। मार्केटिंग और कम्युनिकेशन के इस दौर में कंटेंट के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। सीधे शब्दों में कहें तो एक हाई क्वालिटी, अच्छा और रिसोर्सफुल कंटेंट किसी भी ब्रांड की छवि, विश्वसनीयता, विश्वास और बिजनेस को ग्रोथ दे सकता है।

ईसीटी (एजुकेशन एंड करियर टाइम्स)

दिल्ली में स्थित इस प्रशिक्षण संस्थान को केंद्र सरकार ने मान्यता मिली हुई है। ईसीटी के कंटेंट राइटिंग कोर्स में आप को अपने स्किल को विकसित करने के लिए असल प्रोजेक्ट से रूबरू कराया जाता है। जिसको पूरा करते हुए आप कंटेंट राइटिंग के तौर-तरीके सीख सकते हैं। ईसीटी का कंटेंट राइटिंग सर्टिफिकेट हर जगह मान्य है। यह डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग और कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ पर्सनल डेवलपमेंट कोर्स भी कराता है। इस कोर्स में आप कंटेंट राइटिंग शुरू करना, अपनी शब्दावली बढ़ाना, सामान्य व्याकरण की गलतियों से बचना, राइटिंग टूल्स, टिप्स और टेक्नोलॉजी सीखना, रचनात्मक गैर-लेखन शैली विकसित करना, बिजनेस राइटिंग, टेक्निकल राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग स्किल और अपनी राइटिंग को बेहतर करना सीखाया जाता है।

डिजिटल एकेडमी 360

इस एकेडमी का लक्ष्य कम फीस में छात्रों को हाई क्वालिटी, इंडस्ट्री बेस्ड कोर्स कराना है। डिजिटल एकेडमी 360 आपको अपने स्किल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए बेस्ट कोर्स उपलब्ध कराता है। इस एकेडमी का प्रशिक्षण एक सख्त कोर्स का पालन करता है। इस कंटेंट राइटिंग कोर्स में छात्रों को कंटेंट के बारे में शुरू से लेकर अंत तक की पूरी जानकारी दी जाती है। यहां पर इंडस्ट्री के मानकों को ध्यान में रखकर कोर्स तैयार किया गया है, जिसके यह 100% प्लेसमेंट सहायता के साथ आज के समय में देश के टॉप कंटेंट राइटिंग एकेडमी में से एक है।

हेनरी हार्विन एजुकेशन

यहां के कंटेंट राइटिंग कोर्स में कुल आठ मॉड्यूल शामिल हैं। इन मॉड्यूल में लैंग्वेज स्किल, इंटरनेट स्किल, बिजनेस एंड मार्केटिंग राइटिंग, कंटेंट स्ट्रेटजी, टेक्निकल एंड रिसर्च राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वहीं इसका आठवां मॉड्यूल आपको सिखाएगा कि आप अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट कैसे प्राप्त करें और ऑनलाइन पैसा कैसे कमाया जाए। इनका कंटेंट राइटिंग कोर्स 50 से ज्यादा राइटिंग टूल्स का इस्तेमाल करना सिखाएगा।

आईआईडीई (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल एजुकेशन)

भारत में इस ऑनलाइन कंटेंट राइटिंग कोर्स का उद्देश्य आपको कंटेंट मार्केटिंग के अवधारणाओं को गहराई से समझने और साथ ही विभिन्न कंटेंट कांसेप्ट को समझने में मदद करना है। इनका उपयोग मार्केटिंग के लिए किया जा सकता है। यह कोर्स आपको कंटेंट बनाना, पब्लिश करना और प्रमोट करना भी सिखाता है। यह कंटेंट राइटिंग कोर्स आपको सिखाएगा कि कैसे अपनी बेस को मजबूत करें और अपने ब्रांड को परिभाषित करते हुए दर्शकों को लक्षित करें।

वी-स्किल

इस सर्टिफिकेट को इंडस्ट्री में स्किल और नॉलेज के प्रूफ के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। यह छात्रों या कर्मचारियों के उन स्किल को मापने या साबित करने में सहायता करता है जो कंपनियों द्वारा मांगी जाती हैं। इस कोर्स में आपको कंटेंट राइटिंग का परिचय, सामान्य रूप से कंटेंट राइटर, इंडस्ट्री में डिमांड की जाने वाले कंटेंट, राइटिंग टिप्स और इंडस्ट्री में जॉब दिलाने का भरोसा मिलता है।

अगर पढ़ाई पर नहीं कर पाते हैं फोकस तो इन टिप्स को करें फॉलो मिलेगी सफलता

कई छात्र ऐसे हैं, जो पढ़ना तो चाहते हैं, लेकिन उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता है। अगर आप परीक्षा में अच्छे मार्क्स से उत्तीर्ण होना चाहते हैं तो मन लगा कर पढ़ना बहुत जरूरी है। आज के इस वतावरण में पढ़ाई से ध्यान हटने का एक साधारण सा कारण होता और वो है मन का विचलित होना। जो चीजें पढ़ाई से छात्रों का मन विचलित करती हैं, उनमें मुख्य रूप से सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट, दोस्त, परिवार, शोर-शराबा, अनलाइन गेम्स, आदि शामिल है। शायद आपके साथ भी ऐसे ही होता हो।

पढ़ाई के लिए सही जगह चुनें

- आपकी पढ़ाई आपके परिवेश और वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए सही जगह का चुनाव बहुत आवश्यक है। जगह का चुनाव करते समय इन बातों का ध्यान रखे।
- पढ़ाई के लिए शांत वातावरण हो।
- बैठने के लिए एक अच्छी कुर्सी और टेबल रखें।
- किताबों को अच्छे से रखने की सुविधा हो।
- पढ़ाई करते समय परिवार वालों से कहें की वह आपके कमरे में बार-बार ना आयें।

पढ़ाई को अपना रूटीन कार्य बनायें

- पढ़ाई के लिए एक योजना होना जरूरी है। एकाग्र हो कर पढ़ाई करने के लिए इस तरह का योजना बना सकते हैं।
- हर दिन पढ़ाई करने के लिए टाइम टेबल चार्ट बनायें और उसके अनुसार पढ़ाई करें।
- पढ़ाई को दैनिक कार्य से अलग ना समझें।
- पढ़ाई करने के लिए हमेशा उत्साहित रहें।
- 45 मिनट से ज्यादा लगातार पढ़ाई न करें।
- जिस समय पढने में आसानी होती है उसी के अनुसार अपना समय चार्ट बनायें।

ध्यान भटकाने वाली चीजों को दूर रखें

अगर आप लंबे समय तक पढ़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले ध्यान हाटाने वाली चीजों से दूर रहें। क्योंकि इन चीजों की वजह से आप अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं और पढ़ाई में याद किए हुए पाठ्य भूल जाते हैं। इसलिए अगर पढ़ाई करना है तो इन इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों से दूर रहें।

अच्छे से पढ़े

अगर आपको अपने पाठ्यक्रम को समझना और याद करना है तो अपने सिलेबस को अच्छे से पढने की जरूरत होती है। जब आप पढ़ाई करें तो पहले लक्ष्य निर्धारित कर दें और लक्ष्य पूरा होने पर अपनी मेहनत के लिए स्वयं को शाबाशी दें। हमेशा सकारात्मक विचारों के साथ जुड़े रहें और खाली समय में अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढ़ें। भले ही काम-काम कर के पढ़ें पर समझ कर पढ़ें।

अपने शरीर को समझें

सभी छात्रों का पढ़ाई का अलग तरीका और समय होता है। कुछ लोग सुबह के समय अच्छा पढ़ते हैं या अपने कार्य में अच्छे होते हैं तो कुछ लोग रात के समय अच्छा पढने में मन लगाते हैं। आप को अपने शारीर को समझना होगा की आपका दिमाग कब ज्यादा पढने का मन कर रहा है रात को या दिन के समय। सही समय में ही सही कार्य करने को ही सफलता कहते हैं।

पर्याप्त और अच्छी नींद लें

मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। जब कोई व्यक्ति अच्छे से सोता है तो उसके हॉर्मोन सही तरीके से रेगुलेट होते हैं जो दिमाग को मजबूत बनाते हैं और शरीर को आराम भी देते हैं। इससे छात्रों को पढ़ाई किए हुए पाठ को याद करने में मदद मिलती है। थके हुए शरीर से कभी भी पढ़ाई पर ध्यान या मन लगाना बहुत मुश्किल होता है और कभी-कभी नामुमकिन भी है। इसलिए जरूरत के हिसाब से प्रतिदिन 7-8 घंटा रात को जरूर सोना चाहिए।

हेल्दी खाना खाएं

स्वस्थ रहने और पढ़ाई के लिए अच्छा खाना भी जरूरी है। अच्छा फल, सब्जियों, और अनाज खाने से दिमाग की शक्ति बढती है। पौष्टिक और संतुलित आहार से पढ़ाई में मन भी लगता है। ज्यादा वसा युक्त, मीठा, कार्बोहायड्रेट युक्त खाना न खाएं क्योंकि इससे आपके शरीर को हानी पहुंचाता है।

अनुशासित रहें

लंबे समय तक पढ़ाई के मूलमंत्रों में अनुशासन भी शामिल है। अगर पढ़ाई में ध्यान लगाना है तो अनुशासन बनाये रखना बहुत आवश्यक है। आपका मन भले ही एक तरफ से दूसरी ओर जाने लगे परन्तु अनुशासन ही वो चीज है जो आपका ध्यान से पढ़ने में मदद करता है। इसलिए जब कभी भी आपका ध्यान भटकने लगे तो उसे रोकें और अपने टाइम टेबल पर फोकस करें। इसके लिए आप अपने पढ़ाई वाली जगह पर एक कागज पर लिख कर चिपका दें ल्लमैं पढ़ाई के समय मात्र पढ़ाई में ध्यान दूंगा और कुछ भी नहीं करूंगाह्न। पढ़ाई को मजा समझ कर पढ़ें ना की बोझ के जैसे।

आपको कब आराम करना है

अगर आप बिना रूके कोई काम करते हैं तो वह आपको बोझ लगने लगेगा। इसलिए पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक होना बहुत जरूरी है। सोचिये की ब्रेक एक अच्छा चीज है और उस समय कुछ सकारात्मक कार्य करें जिससे की पढ़ाई के दौरान याद किया हुआ चीज आप ना भूलें। आप प्रति 45-60 मिनट में 5-10 मिनट का ब्रेक जरूर लें, इससे दिमाग ताजा रहता है।

अपनी प्रगति की समीक्षा करें

अपने पढ़ाई के तरीकों में सुधार के साथ अपनी प्रगति को भी देखें। इससे आपको जरूर प्रेरणा मिलेगा और आप सही रूप से पढ़ाई करने में सफल हो पाएंगे। इसके लिए आप खुद से सवाल पूछें कि क्या आपने अपने लक्ष्य को हासिल किया, अगर नहीं तो क्यों।

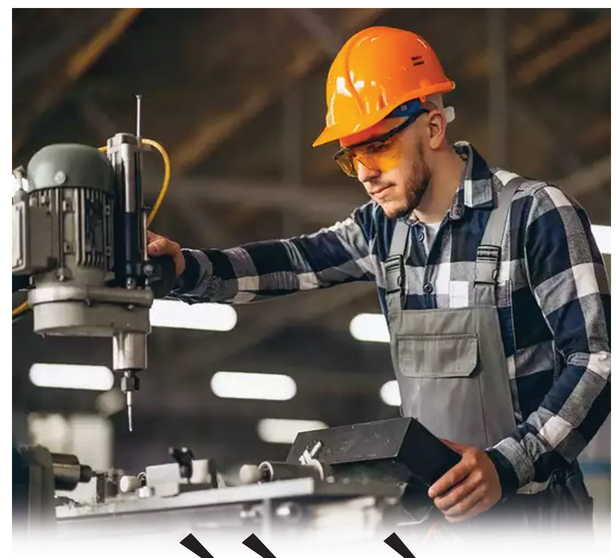

कोरोना के बाद मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बढ़ रहे हैं ये नए ट्रेंड

कोरोना महामारी ने कई बिजनेस को अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दिया है और लोगों को वर्क फ्रॉम होम करने का निर्देश दिया गया है। इस महामारी ने डिजिटल क्रांति के अलावा प्रौद्योगिकी एकीकरण में भी अपना असर दिखाया है और कई उद्योगों को एक साथ ला दिया है। जिसके कारण युवाओं के लिए जॉब अवसर में भारी गिरावट आई है। कोरोना के कारण प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है मैकेनिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र, जहां पर जॉब की कमी होने के साथ ही नए ट्रेंड भी विकसित हुए हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग को इंजीनियरिंग के सबसे पुराने और व्यापक क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इसमें मशीनों के डिजाइन निर्माण और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी जाती है। इस फील्ड में कोर्स के दौरान स्टूडेंट को ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक मोटर्स, एयरक्राफ्ट अन्य भारी वाहनों के डिजाइन के बारे में सिखाया जाता है। मैकेनिकल इंजीनियर नई बैटरी के एथलेटिक्स के सामान से लेकर चिकित्सा उपकरणों और कंप्यूटर, एयर कंडीशनर, ऑटोमोबाइल इंजन से लेकर बिजली संयंत्रों तक सब कुछ डिजाइन करते हैं। ये इंजीनियर उन हर मशीनों को डिजाइन करते हैं, जो नई या पुरानी हैं। इसलिए, यह युवाओं का पसंदीदा फील्ड है।

सीएडी/सीएएम (कंप्यूटर एडेड डिजाइन और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग)

सीएडी/सीएएम ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जो ज्यामितीय डाटा को एन्कोड करने के लिए कंप्यूटर-आधारित विधियों का उपयोग करते हैं। इसमें स्वचालित मशीनरी के डिजाइन और निर्माण की प्रक्रियाएं अत्यधिक एकीकृत होती हैं। जबकि सीएडी का उपयोग मुख्य रूप से डिजाइन बनाने के लिए किया जाता है। सीएएम भागों के निर्माण में मशीन टूल्स का नियंत्रण है। यह पूर्व डिजाइनरों की मदद करने के साथ विनिर्माण लागत को कम करता है। दोनों सॉफ्टवेयर के लिए एक शक्तिशाली कंप्यूटर की आवश्यकता होती है।

हीट एक्सचेंजर का डिजाइन

हीट एक्सचेंजर्स ऐसे सिस्टम होते हैं जो दो या दो से अधिक तरल पदार्थों के बीच गर्मी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने का काम करते हैं। यह एक ऐसी प्रणाली है जो वास्तव में द्रव को सीधे स्थानांतरित किए बिना एक आसान तरीके से गर्मी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है। वे थर्मल प्रबंधन कार्यों के लिए ईंधन सेल सिस्टम के अत्यधिक महत्वपूर्ण भाग हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र ने हाल ही में एनर्जी एफिसिएंट, इफेक्टिव और लास्टिंग हीट एक्सचेंज को डिजाइन करने में काफी संभावनाएं देखी हैं।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री 4.0 और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स)

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को आसानी से एक निर्माण प्रणाली कहा जा सकता है। जिसमें आपूर्ति श्रृंखला के सभी सिरों को पूरी तरह से एकीकृत करने और किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए गति, संरचना की जवाबदेही हो सकती है। यह ग्राहकों की लगातार बढ़ती मांगों और आपूर्ति नेटवर्क की बदलती परिस्थितियों में समन्वय बनाना सुनिश्चित करता है। इसे उद्योग 4.0 कहा जाता है, क्योंकि यह चौथी औद्योगिक क्रांति है जिसमें स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस किया जा रहा है। इस स्मार्ट इंडस्ट्री ने आईओटी के साथ उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के साथ मुनाफे में भी मदद की है। यह यूआईडीएस का उपयोग करके नेटवर्क पर डेटा स्थानांतरित करने में मदद करने के लिए उपकरणों, यांत्रिक मशीनों, मैन पॉवर, वस्तुओं आदि को एक साथ जोड़ने वाली एक प्रणाली है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसमें एक मशीन मानव व्यवहार का अनुकरण करने की कोशिश करता है। यह टेक्नोलॉजी आने वाले समय में इंडस्ट्री निश्चित रूप से भविष्य है। क्योंकि अब एआई का उपयोग रोबोटिक्स, वीआर, आईओटी आदि जैसे अधिकांश आने वाले तकनीकी क्षेत्रों में किया जा रहा है। मशीन लर्निंग एआई के उन एप्लीकेशन में से एक है, जो सिस्टम को पहले से स्पष्ट रूप से प्रोग्राम किए बिना मशीन के बारे में ऑटोमैटिक नॉलेज देता है।

मैकेनिकल इंजीनियर का भविष्य उज्जवल

आज के समय में मैकेनिकल इंजीनियरों की सबसे ज्यादा डिमांड हाइब्रिड और ऑटो नोमोस टेक्नोलॉजी, डेटा साइंस, एम्बेडेड सिस्टम, स्मार्ट सिटी और सिटी एनॉलिसिस्ट आदि के साथ ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में हैं। कुछ बदलाव व दबाव के बाद भी मैकेनिकल इंजीनियरिंग का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, क्योंकि कई उद्योगों को अब एनॉलिसिस्ट स्किल के साथ टेक्नोलॉजी की गहरी समझ वाले युवाओं की सख्त जरूरत है।

बच्चों की करना चाहते हैं केयर, तो पीडियाट्रिशन में बना सकते हैं करियर

छोटे बच्चे अधिक नाजुक होते हैं, इसलिए वे बड़ों की अपेक्षा अधिक बीमार पड़ते हैं। इसलिए उन्हें स्पेशल केयर, देखरेख और चिकित्सक की आवश्यकता पड़ती है। इन बच्चों का इलाज और देखभाल करने वाले डॉक्टर को पीडियाट्रिशन या बाल रोग चिकित्सक कहते हैं। यह मेडिकल साइंस की एक विशेष शाखा है, जो खासतौर से बच्चों के विभिन्न रोगों के निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करता है।

पीडियाट्रिशन का काम

आमतौर पर माना जाता है कि पीडियाट्रिशन का कार्य सिर्फ बच्चे के बीमार होने पर दवाई देने तक सीमित है, लेकिन उनका काम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के योग्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों की बीमारी का इलाज करने के साथ-साथ उनकी देखभाल पर भी पूरा ध्यान केंद्रित करते हैं। वे बच्चों के माता-पिता को सलाह देते हैं कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें, उनके टीकाकरण का प्रबंधन करें और उन बीमारी का इलाज किस तरह कराएं, जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करता है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के व्यवहार, विकास और शारीरिक कार्यों में विकारों की शुरुआती पहचान करने के अलावा उनके रोकथाम और प्रबंधन के लिए भी काम करते हैं।

इन फील्ड से बना है पीडियाट्रिशन

पीडियाट्रिशन दो मुख्य क्षेत्रों से बना है। एक सामान्य बाल रोग विशेषज्ञ आमतौर पर शिशुओं और बच्चों के लिए सामान्य बीमारियों और अन्य बीमारियों का इलाज करते हैं, जबकि इसके विशेषज्ञ बच्चों की बीमारी से संबंधित किसी क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। वे एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोगों, ऑन्कोलॉजी, क्लीनिक फार्माकोलॉजी, आदि में से किसी भी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिस्ट हो सकते हैं।

करियर के लिए जरूरी पर्सनल स्किल

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए सिर्फ एजुकेशन ही जरूरी नहीं है। आपके अंदर कई पर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेस के लिए आप में धैर्य होने के साथ अच्छा कम्युनिकेशन स्किल का होना भी बहुत जरूरी है। इसके अलावा, बच्चों की भावनाओं को पहचाने के लिए उनमें आर्ब्जवर स्किल्स भी होना चाहिए, क्योंकि वह अपने ऑर्ब्जवेशन के आधार पर ही डायग्नोस और उपचार करते हैं। उन्हें लंबे समय तक काम करने में सक्षम होना चाहिए और आपात स्थितियों के मामले में समय पर निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

करियर स्कोप

यह फील्ड शानदार करियर स्कोप प्रदान करता है। यहां पर जॉब की कमी नहीं है। कोर्स पूरा करने के बाद बतौर पीडियाट्रिशन आप निजी और सरकारी अस्पतालों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं या फिर चिकित्सा केंद्र में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल कॉलेजों या प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षण का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं रिसर्च करने के बाद आप बच्चों से जुड़े रोगों के कारणों व निदान पर रिसर्च कर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

जरूरी एजुकेशन

आप अगर इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको विज्ञान विषय के साथ 12वीं पास करना होगा। जिसके बाद आपको किसी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होगी। किसी भी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज या विश्वविद्यालयों से एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने के बाद, आप बाल चिकित्सा में एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) की डिग्री भी ले सकते हैं। इसके बाद आप एक पीडियाट्रिशन के तौर पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसके आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं और इस फील्ड में रिसर्च के अलावा एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोग, ऑन्कोलॉजी आदि में विशेषज्ञता कर सकते हैं।

सैलरी

एक पीडियाट्रिशन की सैलरी उसके अनुभव, स्थान व स्किल पर निर्भर करता है। कोर्स पूरा करने के बाद अगर आप सरकारी क्षेत्र में जाते हैं तो उस राज्य के पे-स्केल के अनुसार आप 50 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी पा सकते हैं। वहीं अगर आप किसी निजी अस्पताल में जॉब करते हैं तो अपनी योग्यता के अनुसार लाखों रुपये प्रतिमाह की सैलरी ले सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव के बाद आप प्रतिमाह 5 से 10 लाख रुपये कमा सकते हैं।